

एमपीईडीए न्यूज़लेटर

खंड - V / संख्या - 2 & 3 / मई-जून, 2017



समुद्री उत्पाद निर्यात के आंकड़े रिकॉर्ड स्तर पर पृष्ठ 27



समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)

एम पी ई डी ए भवन, पनमिल्ली एवेन्यू, कोच्चि - 682 036, केरल, भारत

फोन: +91 484 2311979 फेक्स: +91 484 2313361

ईमेल: ho@mpeda.gov.in वेबसाइट: www.mpeda.gov.in



CPF-TURBO PROGRAM

The shrimp industry has seen major developments and tasted success over the years, And not only are we proud to be part of it, but also take pride in pioneering it. To ensure the success and profitability of the Indian Shrimp Industry, our highly determined team with committed Aquaculture specialists constantly provide the shrimp farmers with access to the latest and updated technology.



CPF-TURBO PROGRAM -
Pioneering Successful and Profitable Shrimp Aquaculture

एमपीईडीए न्यूज़लेटर

खंड V / संख्या 2 & 3 / मई-जून, 2017

विषय सामग्री

विपणन समाचार

- 5 मैंगलोर द्वारा अक्वा आक्वेरिया भारत 2017 की मेजबानी एशिया का सबसे बड़ा एक्वाकल्चर एमपीईडीए द्वारा अक्वारिकल्चर प्रदर्शनी
- 23 ब्रसेल्स में आयोजित सी फूड एक्सपो 2017 में एमपीईडीए की भागीदारी
- 27 भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात 2016-17 में अब तक के सर्वोच्च शिखर पर

संकेंद्रित क्षेत्र

- 33 भोपाल मध्य प्रदेश में 'किसान सम्मेलन'
- 35 मार्च 2017 के दौरान भारत के चुने हुए बन्दरगाहों में मछलियों के अवतरण की प्रमुख विशेषताएँ
- 45 पेसेफिक वाईट श्रिम्प (पेनाकस वनामी) फ़ार्मिंग पर आईसीएआर सीआईबीए द्वारा एक मोबाइल एप्लिकेशन 'Vanami Shrimpapp' को लॉन्च किया
- 47 अलंकारिक मत्स्य कृषि को बढ़ावा देने के लिए एमपीईडीए की जागरूकता अभियान
- 49 अलंकारिक मत्स्य कृषि और अलंकारिक मत्स्य प्रजनन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जलचर दृश्य

- 55 'उत्तरदायित्वपूर्ण श्रिम्प फ़ार्मिंग और अक्वाकल्चर के वैविधीकरण' पर सेमिनार
- 57 एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन
- 58 अक्वाकल्चर में सिन्बायोटिक्स
- 61 एमपीईडीए स्वयं पर्याप्तता परियोजना द्वारा जीआईएफ़टी अंगुलों की अपूर्ति

63 समाचार स्पेक्ट्रम

67 व्यापारिक पूछताछ



5 मैंगलोर द्वारा अक्वा आक्वेरिया भारत 2017 की मेजबानी एशिया का सबसे बड़ा एक्वाकल्चर एमपीईडीए द्वारा अक्वारिकल्चर प्रदर्शनी



23 ब्रसेल्स में आयोजित सी फूड एक्सपो 2017 में एमपीईडीए की भागीदारी



33 भोपाल मध्य प्रदेश में "किसान सम्मेलन"



45 पेसेफिक वाईट श्रिम्प (पेनाकस वनामी) फ़ार्मिंग पर आईसीएआर सीआईबीए द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन 'Vanami Shrimpapp' को लॉन्च किया



61 एमपीईडीए स्वयं पर्याप्तता परियोजना द्वारा जीआईएफ़टी अंगुलों की आपूर्ति

इस प्रकाशन में विद्वत्तापूर्ण लेखों में उल्लेख किए गए विचार लेखकों के अपने दृष्टिकोण है और एमपीईडीए के विचारों का उनसे कोई सरोकार नहीं है। इस प्रकाशन में विद्वत्तापूर्ण लेखों में दी गई सूचनाओं की वास्तविकता का उत्तरदायित्व लेखक पर निहित है। उसके लिए न तो एमपीईडीए और न ही संपादक मण्डल उत्तरदाई होंगे।

वैश्विक अनिश्चितता के दौरान निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने के लिए टॉनिक।

Tonic to boost export business.
During global uncertainties



जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और मंदी का संकेत हो तो ईसीजीसी की निर्यात के अनुकूल ऋण जोखिम पॉलिसियों के माध्यम से अपने निर्यात में मजबूती और स्थिरता लाएं।

Even when the global economy shows signs of instability and slowdown, bring strength and stability to your exports through ECGC's export-friendly credit risk policies.

अधिक जानकारी के लिए ईसीजीसी के निकटतम कार्यालय से संपर्क करें।
For more information contact your nearest ECGC office.



ई सी जी सी लि.

(पूर्व में भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड)

(भारत सरकार का उद्यम)

पंजीकृत कार्यालय: एक्सप्रेस टावर्स, 10वीं मंजिल, नरीमन पॉइन्ट,
मुंबई-400 021, भारत. टेली: 6659 0500 / 6659 0510,
फैक्स: (022) 6659 0517. टोल फ्री: 1800-22-4500.
ईमेल: marketing@ecgc.in • वेबसाइट: www.ecgc.in

ADVT. NO. : NMD/200/214



भारतीय वाणिज्य विभाग

Ministry of Finance

Government of India

Insurance is the subject matter of solicitation.

IRDA Regn.No.124

CIN No. U74999MH1957GO1010918



ISO 9001: 2008 Certified

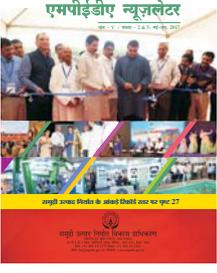
ECGC Ltd.

(Formerly Export Credit Guarantee Corporation of India Ltd)

(A Government of India Enterprise)

Registered Office: Express Towers, 10th Floor, Nariman Point,
Mumbai - 400 021, India. Tel: 6659 0500 / 6659 0510.
Fax: (022) 6659 0517. Toll-free: 1800-22-4500.
e-mail: marketing@ecgc.in • Website: www.ecgc.in

आप के लिए.....!!



संपादक मण्डल

श्री बी श्रीकुमार
सचिव

श्रीमती आशा सी परमेश्वरन
संयुक्त निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण)

श्री अनिल कुमार पी
संयुक्त निदेशक (जलजीव)

डॉ टी आर जिबिन कुमार
उप निदेशक (पी और एम पी)

संपादक

डॉ राम मोहन एम के
संयुक्त निदेशक (एम)

मुद्रक एवं प्रकाशक

श्री बी श्रीकुमार
सचिव द्वारा

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
एम पी ई डी ए भवन, पनम्पिल्ली एवेन्यू,
कोच्चि - 682 036 के लिए प्रकाशित
फोन : 91 484 2311979
ईमेल : support@mpeda.gov.in

प्रकाशक:

एम पी ई डी ए भवन
पनम्पिल्ली एवेन्यू
कोच्चि - 682 036

सहायक संपादक

श्रीमती दिव्या मोहनन के एम
कनिष्ठ लिपिक

कवर डिजाईन

डॉ टी आर जिबिन कुमार
उप निदेशक (पी और एम पी)

मुद्रित

प्रिंट एक्सप्रेस
44/1469 ए, अशोका रोड,
कलूर, कोच्चि - 682 017



प्रिय मित्रों,

समुद्री उत्पाद निर्यात 2016-17 के दौरान विभिन्न समुद्री खाद्य उत्पादों की 1.13 मिलियन टन निर्यात करके यू एस डॉलर 5.78 अरब तक के रिकॉर्ड आंकड़े पर पहुंच गया है। रुपये के मूल्य में भी यह रु. 38,000 करोड़ तक पहुंच गया है। प्रशीतित श्रिम्प, मात्रा और मूल्य के मामले में क्रमशः 38% और 65% की हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा निर्यात वस्तु बनी हुई है, इसमें आंध्र प्रदेश से आने वाले वनामी श्रिम्प ने बढ़ी हुई उत्पादन से इस क्षेत्र में सबसे अधिक योगदान दिया है। संयुक्त राज्य अमरीका सबसे बड़ा बाजार है, जिसने 1.73 अरब यू एस डॉलर मूल्य के 1,88,617 टन समुद्री खाद्य का उपभोग किया है। दक्षिण पूर्व एशिया और यूरोपीय संघ पिछले वर्ष की तरह अपने अपने स्थान पर बने रहे। एमपीईडीए को आशा है कि बेहतर प्रबंधन प्रणालियों को सक्रिय रूप से प्रचारित करने की वजह से श्रिम्प फार्मिंग के क्षेत्र में विकास की तेजी को बनाए रखने में मदद मिलेगी और इससे चालू वित्त वर्ष में इस क्षेत्र को उच्च आंकड़े तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

एमपीईडीए ने फिर से 14 से 16 मई, 2017 तक मंगलौर में आयोजित अक्वा अक्वेरिया इंडिया के सफल आयोजन द्वारा मत्स्य पालन और जलीय कृषि प्रदर्शनी आयोजित करने में अपनी काबिलियत को प्रदर्शित की है। इस प्रदर्शनी में, जो एक राज्य में, जहां अक्वाकल्चर अभी भी शैशवावस्था में है, आयोजित होने के बावजूद प्रभावशाली ढंग से प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। विशाल सार्वजनिक भागीदारी ने यह साबित किया है कि कर्नाटक के तटीय जीवन शैली मछली से किस प्रकार जुड़ी हुई है। इसकी नदी और नदी के मुहानों और जल स्रोतों के कारण राज्य में फिन मछलियों, विशेष तौर पर मोलुस्कस की जलीय कृषि की काफी संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा प्रदर्शनी में प्रस्तुत तकनीकी सत्रों के प्रति प्रतिनिधियों और शोधकर्ताओं ने बेहतर रुचि दिखाई। एमपीईडीए द्वारा शीघ्र ही उन सत्रों के सारांश को प्रस्तुत किया जाएगा।

कोचिन के वल्लारपाडम परियोजना परिसर में एमपीईडीए द्वारा आरंभ किए गए स्वपर्याप्तता परियोजना अच्छी तरह से प्रगति कर रही है। गठित किए गए नर्सरी सिस्टम ने अनुवांशिक रूप से सुधारे गए कृषि योग्य तिलापिया (गिफ्ट) के अंगुल अक्वा कृषि करने वाले कृषकों को ग्रो आउट सिस्टम्स में पालने के लिए वितरित करना शुरू कर दिया है। एमपीईडीए ने किसानों की मांग को पूरा करने के लिए नर्सरी पालन प्रणाली में प्रजाति वैविध्यीकरण अभियान के भाग के रूप में और अधिक प्रजातियों को शामिल करने की योजना बनाई है।

इस बीच, एमपीईडीए भारत के समुद्री खाद्य निर्यातक संघ के सहयोग से 27 से 29 जनवरी, 2018 के दौरान गोवा में आयोजित होने वाले भारतीय इंटरनेशनल सीफूड शो के 21 वें आयोजन के लिए अपनी तैयारी आरंभ कर दी है। अप्रैल, 2017 के अंतिम सप्ताह में आयोजित सीफूड एक्सपो ग्लोबल से हमारी विदेशी भागीदारी आरंभ हुई है। अगला विदेशी प्रदर्शनी जिसमें एमपीईडीए ने भाग लिया, वे है 23 से 25 अगस्त, 2017 तक टोक्यो में आयोजित जापान इंटरनेशनल सीफूड एंड टेक्नोलॉजी एक्सपो।

मुझे लगता है कि समुद्री उत्पादों के निर्यात क्षेत्र को अमेरिका और यूरोपीय संघ से हटकर भी देखने का यही समय है। व्यापार समझौतों के साथ, चीन, कोरिया और जापान सहित पूर्व एशियाई बाजारों में हमारे बाजार की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए काफी संभावनाएं मौजूद हैं। यद्यपि गुणवत्ता और सौंदर्य परक मानदंडों, विशेषकर कोरिया और जापान में उनकी पसंद को देखते हुए, अनुपालन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, ताकि बाजार के विस्तार करने में आसानी हो सके।

2016-17 के दौरान जापानी बाजार में ब्लैक टाइगर श्रिम्प के यूनिट मूल्य में हुई भारी वृद्धि ने हमारे किसानों में आशा का जागरण किया है जो अभी भी प्रजातियों के पालन में लगे हुए हैं। यह प्रवृत्ति दूसरे उत्पादक देशों से ब्लैक टाइगर श्रिम्प की आपूर्ति की कमी की ओर इशारा कर रहा है। इससे यह तथ्य उजागर होता है कि भारत को अपने ब्लैक टाइगर श्रिम्प के उत्पादन को बड़ी मात्रा में बनाए रखने की आवश्यकता है।

धन्यवाद।

जून, 2017
कोच्चि 36

डॉ. ए जयतिलक भा प्र से
अध्यक्ष

BEST IN MARKET

IMPORTED FROM SPAIN



MASTERS IN CEPHALOPODS ADDITIVES

PRODUCTS LIST

▶ **BIWET - I**

Phosphate free Moisture retainer & texture enhancer for Cephalopods



▶ **ACUATIC - K**

Whitening & Brightness enhancer for Cephalopods



▶ **ARTIC - L**

Glazing agent for Cephalopods & Shrimps



▶ **ARTIC - P**

Glazing agent for Cephalopods & Fish

Seaeyes
S T E M
L I M I T E D
Dealers & Distributors of Seafood Processing Aid

6C, J. P. Towers, 7/2 Nungambakkam High Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034, India.
Email: seaeyesindia@gmail.com

For queries / Customer Care : M. Balakrishnan
Mob: +91 93800 41050, Ph: +91 44 25992315, Email: sales.seaeyes@gmail.com,
Cochin Branch Office : Ph: +91 484 4066899

मैंगलोर द्वारा अक्वा अक्वेरिया भारत 2017 की मेजबानी- एशिया का सबसे बड़ा -अक्वाकल्चर एमपीईडीए द्वारा अक्वारिकल्चर प्रदर्शनी

एशिया में सबसे बड़ा मत्स्यपालन व जलविज्ञान प्रदर्शनी अक्वा अक्वेरिया इंडिया (एएआई) की चौथी प्रदर्शनी का आयोजन 14 से 16 मई, 2017 तक कर्नाटक के बंदरगाह शहर मैंगलोर में आयोजित किया गया, जिसमें मत्स्यपालन और अलंकारिक मत्स्य पालन की नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित किया गया और साथ ही साथ विभिन्न हितधारकों को उन उपायों पर आपसी विचार विमर्श करने के लिए एक परस्पर संवाद मंच भी प्रदान किया ताकि इस उद्योग के विकास और वैविध्यीकरण को बढ़ावा दे सके और स्थाई तरीके को तीव्रता से प्रोत्साहित किया जा सके। इस प्रकार का आयोजन भारत के पश्चिमी तट पर पहली बार आयोजित की गई थी। एएआई का पहला आयोजन, 2011 में चेन्नई में आयोजित की गई थी, दूसरा और तीसरा आयोजन 2013 और 2015 में विजयवाड़ा में की गई थी। इस प्रकार सभी आयोजन भारत के पूर्वी तट पर ही आयोजित हुई।

समुद्री उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने और उससे संबन्धित गतिविधियों में शामिल केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक नोडल एजेंसी समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) द्वारा आयोजित 3 दिवसीय द्विवार्षिक प्रदर्शनी का मुख्य विषय "वैविध्यीकरण और स्थाई अक्वाकल्चर" था।

इस आयोजन में भारत से और विदेशों से 3151 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 186 स्टालों में निर्यात उन्मुख जलीय कृषि और अलंकारिक मत्स्य पालन क्षेत्रों के विभिन्न उत्पादन और फसल प्राप्त करने की तकनीक, मशीनरियां

और सहायक उपकरण आदि प्रदर्शित किए गए। प्रतिनिधियों में किसान, उद्यमी, हैचरी ऑपरेटर, फ्रीड निर्माता, उपकरणों के आपूर्तिकर्ता, निर्माता और विभिन्न जलीय कृषि और अक्वेरियम उपकरणों के आपूर्तिकर्ता आदि दुनिया भर से शामिल रहे। इसके अलावा छात्रों सहित 8000 से अधिक आगंतुक भी आए। इस आयोजन में प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा अक्वाकल्चर और अलंकारिक मत्स्य के संबंध में कई तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए।

आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधियों ने अपने निवेश पर आश्चर्य आमदनी प्राप्त करने की नई उम्मीद के रूप में अलंकारिक मत्स्य कृषि को अपनाने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने बताया कि राज्य में अक्वा कृषकों के लिए वनामी (पेसेफिक वाईट लेग थ्रिम्प) और अलंकारिक मत्स्य नए विकल्प हो सकते हैं।

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के निर्यात निरीक्षण परिषद, मैसर्स यशस्वि फिश मील एंड ऑइल कंपनी, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), मैसर्स जनता फिश मील एंड ऑइल प्रोडक्ट्स, मैसर्स मुक्का सी फूड इंडस्ट्रीज प्रॉ लिमिटेड, मैसर्स राज फिश मील एंड ऑइल कंपनी और मैसर्स यूनाइटेड मरीन प्रोडक्ट्स आदि इस प्रदर्शनी के प्रमुख प्रायोजक थे।

उद्घाटन

कर्नाटक के माननीय मत्स्यपालन मंत्री श्री प्रमोद माधवराज ने 14 मई, 2017 को परंपरागत तरीके से दीप जलाकर अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017 का उद्घाटन किया। एमपीईडीए के अध्यक्ष डॉ ए जयतिलक भा प्र से ने उपस्थितों का स्वागत किया। दक्षिण कन्नड संसदीय क्षेत्र



कर्नाटक के माननीय मत्स्यपालन मंत्री श्री प्रमोद माधवराज परंपरागत तरीके से दीप जलाकर अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017 का उद्घाटन करते हुए



कर्नाटक के माननीय मत्स्यपालन मंत्री श्री प्रमोद माधवराज उद्घाटन भाषण देते हुए



स्वागत भाषण देते हुए एमएपीईडीए के अध्यक्ष डॉ ए जयतिलक भा प्र से

मैंगलोर के संसद सदस्य श्री नलिन कुमार कतील, विशाखापट्टनम के सांसद डॉ के हरि बाबू, मैंगलोर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री जे आर लोबो, एमओसीआई के निदेशक इपी (एमपी) श्री पी.वी. हरि कृष्णा आदि बहुमान्य व्यक्तियों ने बधाई संदेश दिये।

अपने उद्घाटन भाषण के दौरान श्री प्रमोद माधवराज ने कहा कि अक्वाकल्चर का क्षेत्र 2016-17 में 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुमानित निर्यात आंकड़े के लक्ष्य के साथ



प्रदर्शनी हाल का उद्घाटन



स्टॉल का दौरा करते हुए उच्च अधिकारी

वर्ष 2009-10 से ही अभूतपूर्व रूप से विकास कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, “भारत 2020 तक महत्वाकांक्षी 10 बिलियन अमरीकी डालर के विदेशी मुद्रा आय को लक्ष्य कर सकता है”। मंत्री ने इस बारे में भी कहा कि अक्वाकल्चर के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सही समय की निगरानी करने के लिए सैटेलाइट इमेजिंग तकनीक का उपयोग करने वाले जीआईएस तकनीक और मोबाइल एप्लिकेशन को पेश किया गया है। इस समय “कृषि किए जाने वाले श्रिम्प अब मात्रा के मामले में 70%, निर्यात मूल्य के मामले में लगभग 80% और समुद्री खाद्य के निर्यात के मूल्य के मामले में 53% से अधिक का योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा

कि भारत के अक्वाकल्चर क्षेत्र के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है”।

मंत्री महोदय ने बताया कि कर्नाटक सरकार अक्वाकल्चर और अलंकारिक मत्स्य पालन में तेजी से विकास के लिए एक नई अंतर्देशीय नीति तैयार करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा, “राज्य सरकार कर्नाटक में तटीय श्रिम्प कृषि के विकास के लिए तीव्र कार्य योजना के तहत स्थाई विकास के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी”।

अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में एमपीएडीए के अध्यक्ष डॉ ए जयतिलक ने कहा कि पिछले दो वर्षों में तटीय श्रिम्प अक्वाकल्चर का उत्पादन हैचरी ऑपरेटर्स, मत्स्य खाद्य उत्पादकों, उपकरण



मुख्य भाषण देते हुए दक्षिण कन्नड निर्वाचन क्षेत्र, मैंगलोर के सांसद श्री नलिन कुमार कतील



ए ए आई 2017 में बधाई संदेश देते हुए विशाखापट्टनम के सांसद डॉ के हरी बाबू



ए ए आई 2017 में बधाई संदेश देते हुए मैंगलोर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक श्री जे आर लोबो



श्रोताओं को संबोधित करते हुए एमओसीआई के निदेशक ई पी (एमपी) श्री पी वी हरि कृष्ण

के आपूर्तिकर्ताओं और प्रक्रिया करने वालों जैसे विभिन्न हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से पांच लाख टन से अधिक हो गया है। भारत का अक्वाकल्चर क्षेत्र में यह वृद्धि एल. वनामी के उत्पादन से हुई है और यह चेन्नई के जलीय संगरोध सुविधा के सफल संचालन से जुड़ी हुई है, जो हैचरियों के लिए रोगजनक मुक्त ब्रूड स्टॉक की उपलब्धता को सुनिश्चित करती है।

“उन्होंने कहा, अक्वा अक्वेरिया इंडिया मत्स्य पालन करने वालों और अलंकारिक मत्स्य पालकों को नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। यह मत्स्यपालन करने वाले कृषकों और अलंकारिक

मत्स्य पालने वालों को कृषि की नवीनतम पद्धतियों की जानकारी के साथ साथ व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि “अक्वाकल्चर के क्षेत्र में और अलंकारिक मत्स्य पालन के क्षेत्र में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए पश्चिमी तट के बड़े बंदरगाह शहर प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए सबसे उपयुक्त था।”

दक्षिणी कन्नड निर्वाचन क्षेत्र के सांसद श्री नलिन कुमार कतील ने अपने भाषण में कहा कि अक्वाकल्चर कृषकों और अलंकारिक मत्स्य पालन करने वाले कृषकों के लाभ के लिए और साथ ही साथ आम जनता और छात्रों के लिए ए ए आई जैसे कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन होने चाहिए।

लोक सभा में विशाखापत्तनम का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ के हरी बाबू ने कहा कि अक्वाकल्चर तटीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है क्योंकि यह हरियाणा जैसे भूमि से घिरे राज्यों में भी काफी प्रगति कर रही है। इस अवसर पर मैंगलोर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के विधायक श्री जे आर लोबो ने भी अपनी बात कही। एमपीईडीए के सचिव श्री बी श्रीकुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन के अवसर पर एक स्मारिका और मूल्य सूची भी जारी की गई।

आरजीसीए पैविलियन भीड़ के लिए आकर्षण

इस आयोजन में राजीव गांधी अक्वाकल्चर केंद्र (आरजीसीए) द्वारा गठित स्टाल काफी विशेषताओं वाले और आकर्षक रहा, जिसमें अक्वाकल्चर व्यवसाय के वैविध्यीकरण के लिए विभिन्न तकनीकों को प्रदर्शित किया गया था। आरजीसीए के परियोजना डायरेक्टर डॉ एस कंडन ने कहा कि अक्वाकल्चर कृषक इस क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल की वास्तविक सफलता हासिल कर सकते हैं और अपने फार्मों में केवल श्रिम्प के अलावा एशियन सीबास, कोबिया, स्कैम्पी और तिलापिया जैसे विभिन्न मत्स्यों को भी पाल सकते हैं। उन्होंने कृषकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे प्रमुख अनुसंधान एजेंसियों के पास उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का उपयोग करें और अपने व्यवसाय में विविधता लायें और भारतीय माल को अन्य देशों में निर्यात करें।

आरजीसीए ने मैंग्रोव मड क्रैब के प्रजनन और बीज के उत्पादन को मानकीकृत किया है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में अत्यधिक मांग वाली वस्तुएं हैं और इसकी हैचरी की सुविधा देश में अपनी तरह का अकेला है। डॉ कंडन ने कहा कि “इस प्रौद्योगिकी को मानकीकृत करने में दो वर्ष का समय लगा, लेकिन अब प्रति वर्ष दस लाख केकड़ों का उत्पादन किया जाता है।”

SALE



Evaporation Condenser



Evaporation Condenser



Condensing Coil



Air Cooler (CABERO)



Evaporating Coil (SS tube & Al fin)



Evaporating Coil (Cu tube & Al fin)



Plate Contact Freezer



Manual Sliding Door



Ammonia Pump (Hermetic)



Valves (JZZL)

SALE



Grading Machine



Washing Machine



Cooking Machine (Water & Steam)



Aluminium (SS) Pan (Tray)



Breeding machine (Line)



Tunnel Powder Coating Machine



Shrimp Fryer



Automatic Pan separating Conveyor



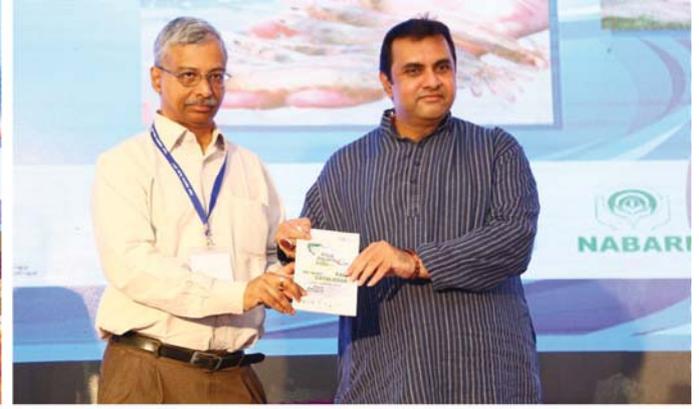
Shrimp Peeler

Contact Window:

Mr. Shawn Wang
0086-18660021004
shawnn@live.cn

Mr. Orient Yang
0086-18653549849
yang20131003@live.com

**OCEAN BLUE (HK)
DEVELOPMENT LIMITED**
16/F, Kowloon Building, 555 Nathan Road,
Mongkok, Kowloon, HongKong



अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017 की स्मारिका और मूल्य सूची जारी करते हुए



अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017 के उद्घाटन में उपस्थित श्रोता

आरजीसीए के सहायक परियोजना निदेशक श्री जी के दिनकरन ने कहा कि स्किल्ला सेराटा (एक मड़ क्रैब) के पालन से बाजार में कृषकों को बेहतर लाभ मिल सकता है।

सर्वोत्तम स्टॉलों के लिए अवार्ड

डॉ. ए जयतिलक भा प्र से, अध्यक्ष, एमपीईडीए ने प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ स्टालों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। हैदराबाद स्थित मेसर्स अवंती फीड्स लिमिटेड ने सर्वोत्तम स्टॉल अवार्ड प्राप्त किया, जबकि गुजरात के वड़ोदरा स्थित एक कंपनी मेसर्स प्रणव प्लास्टिक प्रोडक्ट्स को अक्वाकल्चर की श्रेणी में दूसरा सबसे अच्छा पुरस्कार मिला।

मंगलोर स्थित कंपनी रूवारि को अलंकारिक

मत्स्यपालन की श्रेणी में सर्वोत्तम स्टॉल के अवार्ड के लिए चयन किया गया जबकि दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार बेनफिश वेस्ट बंगाल स्टेट फिशरमेन्स कोर्पोरेटिव फ़ैडरेशन लिमिटेड (पश्चिम बंगाल राज्य मछुआरे सहकारी संघ लिमिटेड), कोलकाता को मिला।

राजीव गांधी सेंटर फॉर अक्वाकल्चर (आरजीसीए), जो समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) का अनुसंधान व विकास शाखा है, ने विभिन्न मत्स्यपालन प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए विशेष पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर एमपीईडीए के अध्यक्ष ने सेवा प्रदाताओं और प्रायोजकों को स्मारिकाएँ भी प्रदान की।

तकनीकी सत्र

ए ए आई 2017 के तहत अक्वाकल्चर और अलंकारिक मत्स्यपालन दोनों क्षेत्रों में कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें भारत और विदेशों से अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशस्ति प्राप्त विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

अक्वाकल्चर के क्षेत्र में थ्रिम्प फ़ार्मिंग का विकास, अक्वाकल्चर टेक्नोलॉजी में विविधीकरण और नवाचार; अक्वाकल्चर उत्पादों के विपणन, उद्भव स्थान का पता लगाना और प्रमाणीकरण जैसे मुद्दों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

एक सत्र में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हैदराबाद के श्री अब्दुल अलीम बेग ने एमपीईडीए के एम

कृषि (mKRISHI) नामक मोबाइल एप्लिकेशन से अक्वाकल्चर कृषकों को तकनीकी समर्थन देने के बारे में कहा, जो देश में अपनी तरह का पहला एप्लिकेशन है, जो बादलों के गठन, वर्षा और तापमान पर किसानों को स्मार्टफोन पर सतर्क करता है। यह एप्लिकेशन अक्वाकल्चर फार्म प्रबंधन और मूल उद्भव स्थान का पता लगाने के लिए डिजिटल फ्रेमवर्क पर आधारित दृष्टिकोण का एक हिस्सा है।

श्रिम्प फ़ार्मिंग में विकास और नवाचार पर आयोजित सत्र में विशेषज्ञों ने बताया कि रोग और विपणन की कीमत ही श्रिम्प की कृषि में सबसे प्रमुख दो समस्याएं हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जब रोग का प्रकोप एक साथ होता है, ऐसे समय में अक्वाकल्चर में पूरी तरह बाहर के रास्ते को बंद कर देने चाहिए और भीतर की स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में कर लेने चाहिए।

पिछले तीन दशकों से इस क्षेत्र में शोध कर रहे थाईलैंड आधारित शोधकर्ता श्री रॉबिन्स मैकटॉश ने कहा कि इस समय श्रिम्प कृषि को वायरस के अलावा समुद्र के तापमान बढ़ने के कारण होने वाले बैक्टीरिया के संक्रमण से भी निपटना पड़ता है। उसे नियंत्रित करना कठिन है क्योंकि उन्हें किसी जीवित जन्तु वाहकों की ज़रूरत नहीं है और वे समुद्र के प्रवाह से भी फैल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि “अक्वाकल्चर के लिए साफ पानी की ज़रूरत है। नई तकनीक को गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी द्वारा समर्थन दिये जाने चाहिए”।

आई एन वी ई अक्वाकल्चर, थाईलैंड के भारत और दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री एस चंद्रशेखर ने जिम्मेदारीपूर्ण अक्वाकल्चर के बारे में जोर देकर कहा कि “नर्सरी में पालने से रोगजनक कम हो जाता है और यह श्रिम्प को और अधिक विषप्रतिरोधी बनाने के लिए सक्षम बनाता है और बेहतर फसल प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है। “श्रिम्प नर्सरियाँ:



आर जी सी ए हाल में कोबिया को खाद्य देते हुए



कर्नाटक के मत्स्यपालन मंत्री एमपीईडीए के अध्यक्ष से चर्चा करते हुए



मंच पर उपस्थित उच्च अधिकारी



धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए एमपीईडीए के सचिव श्री बी श्रीकुमार

नई वास्तविकता को अपनाना विषय पर सत्र में बोलते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि थाईलैंड और मैक्सिको ने नर्सरी खेती का लाभ उठाया है और अब भारत भी ऐसा कर सकता है।

डॉ बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ के पनवेल स्थित खार भूमि अनुसंधान केंद्र के एक मत्स्य वैज्ञानिक डॉ विवेक रोहिदास वर्तक ने बताया कि संसाधित समुद्री खाद्य पदार्थों में डी एन ए बारकोडिंग करने से किस प्रकार गलत लेबलिंग से बचा जा सकता है।

समुद्री भोजन के डी एन ए लेबलिंग पर भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग लेबलिंग को नहीं देखते हैं, इसलिए भोजन परोसने वाले स्थान पर कम गुणवत्ता वाले मछलियों और केकड़ों की प्रजातियां को श्रेष्ठ किस्मों के रूप में परोसे जाते हैं। “डी एन ए लेबलिंग में टैक्सोनामिकल और मोलिक्युलर अध्ययन शामिल होता है और साथ ही डी एन ए लेबल का सृजन और लागू करना भी शामिल होता है”, उन्होंने पुनः सुझाव देते हुए कहा कि सरकार को चाहिए कि संसाधित समुद्री भोजन पर डी एन ए बार कोडिंग को लागू करें और उसे रेस्तराओं के बिल का हिस्सा बनाएँ।

स्थाई समुद्री खाद्य लेबलिंग में डी एन ए का

बारकोड एक नया कदम है, जो यू एस आधारित नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की मान्यता सहित यह सुनिश्चित करेगा कि रेस्तरां में परोसे जा रहे समुद्री खाद्य वास्तव में वही है जिसकी मांग ग्राहक कर रहा है।

मछलियों, मोलुस्कस और क्रस्टेशंस के लिए डी एन ए बारकोड की मदद से लेबलिंग करने के लिए भारतीय पेटेंट हेतु फाइल करने के बाद वह इस तकनीक के पेटेंट के लिए यूरोपीय और अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क करने की योजना बना रहा है।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य सरकार के मत्स्य विभाग के वैज्ञानिक डॉ सागीव कोलकावस्की ने पशुपालन मत्स्य पालन और अक्वाकल्चर के बीच के अंतर पर एक सत्र में ऑक्टोपस के प्रजनन और कृषि के बारे में बात की। टैंकों में ऑक्टोपस के पालन में सबसे बड़ी समस्या है टैंकों की सफाई और पलायन को रोकना। इन समस्याओं को दूर करने के लिए टैंकों में पीवीसी शीट्स और जाले लगाने की आवश्यकता है।

अक्वाकल्चर से मूल्यवर्धित उत्पाद के विपणन विषय पर आयोजित एक सत्र में एमपीएडएए के सहायक निदेशक डॉ मनोज कुमार ने कहा कि निर्यात राजस्व को बढ़ाने के लिए मूल्य वर्धन

की आवश्यकता है। कच्चे माल के मुकाबले मूल्य वर्धित उत्पाद का मूल्य 300% अधिक होता है। मूल्य वर्धन के लिए फिनफिश और शेलफिश किस्मों से बने खाने और पकाने के लिए तैयार खुदरा पैक तैयार किए जाने चाहिए।

अलंकारिक मत्स्य पालन के लिए सम्मेलन के दौरान तीन तकनीकी सत्र: अलंकारिक मत्स्य उद्योग और विपणन का रुझान; कृषि तकनीक और प्रजातियों का वैविध्यीकरण; और अलंकारिक मत्स्य की स्वास्थ्य और जैविक सुरक्षा आदि पर सत्र आयोजित किए गए।

राजस्थान के अलंकारिक मत्स्यपालन प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान के निदेशक श्री अतुल कुमार जैन ने एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के घरेलू अक्वेरियम का बाजार वर्तमान के रुपये 300 करोड़ से बढ़कर अगले दस वर्षों में रुपये 1200 करोड़ तक होने की संभावना है। अलंकारिक मत्स्यपालन उद्योग लगभग 5,000 अक्वेरियम रिटेल आउटलेट्स में 50,000 लोगों को और समान संख्या में उत्पादन इकाइयों में रोजगार प्रदान करता है।

इन सभी को शामिल किया जाए तो घरेलू अक्वेरियम का व्यवसाय लगभग रु. 300 करोड़ की है। इस समय में देश के 7.88 करोड़ शहरी परिवारों में से केवल 1.25 घर या कार्यस्थल में ही अक्वेरियम है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू अक्वेरियम का बाजार बढ़ने और अगले 10 वर्षों में रु. 1200 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, क्योंकि शहरी परिवार का लगभग 5% एक अक्वेरियम को घर पर रखने पर विचार करेंगे।

आयोजन के तीसरे दिन अलंकारिक मत्स्य पालन के क्षेत्र में हितधारकों की एक आपसी बातचीत का सत्र आयोजित किया गया जिसमें निर्यातकों, प्रजनकों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों ने अपने अपने अनुभवों को साझा किया और देश से अलंकारिक मत्स्य निर्यात को बढ़ाने के लिए विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई।

अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017
तकनीकी सत्र - अलंकारिक मत्स्य



डॉ टी वी अन्ना मेर्सी, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, कुफोस, केरल व अतिथि संकाय, एस एच कॉलेज, तेवरा, केरल



श्री लियोनार्ड सोनॅश्रेचियन, अध्यक्ष, वर्ल्ड अक्वेरियम व कंसर्वेशन फॉर द ओशियन्स फाउंडेशन, यू एस ए



डॉ स्कॉट डोड, वरिष्ठ जलजीव विज्ञानी (अक्वेरिस्ट), न्यू इंग्लैंड अक्वेरियम एंड प्रोजेक्ट पियबा, बोस्टन, यू एस ए



डॉ टी टी अजीतकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रेसोर्स (आईसीएआर), लखनऊ



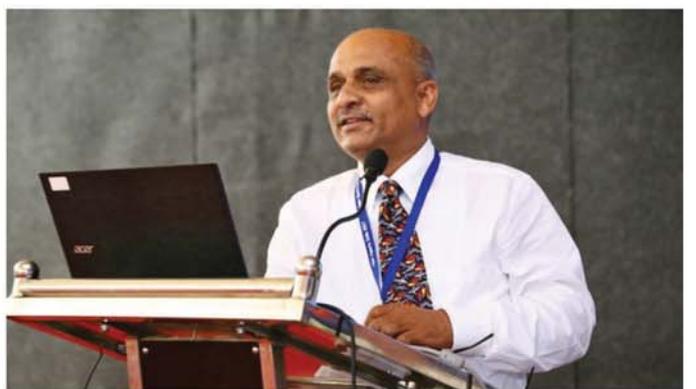
डॉ जी गोपकुमार, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, सीएमएफ़आरआई, विज़िंहम, तिरुवनंतपुरम



श्री एंड्रू सोह, क्षेत्रीय परामर्शदाता व डिस्कस ब्रीडर, सिंगापुर



श्री साइमन बोनेव, ग्रांड गप्पी चैम्पियन, मिशिगन गप्पी ब्रीडर्स, यू एस ए



डॉ अतुल कुमार जैन, निदेशक, अलंकारिक मत्स्य प्रशिक्षण व अनुसंधान संस्थान, उदयपुर, राजस्थान



श्री डैनी बेंजामिन, प्रबंध निदेशक, हजोरिया अक्वाटिक्स, इसाईल



डॉआई एस ब्राइट सिंह, यूजीसीबीएसआर फ़ेकल्टी, एनसीएएच, सीयूएसएटी, केरल

अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017
तकनीकी सत्र - जलचर



श्री रॉबिन्स माकिन्टोष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चरोएन, पोक्फाँड फ़ूड्स, थाईलैंड



श्री एस चन्द्रशेखर, क्षेत्र प्रबन्धक, इंडिया व दक्षिण एशिया, आईएनवीई, अक्वाकल्चर, थाईलैंड



डॉ गौरव रावोर, उप निदेशक, एन बी एफ़ जी आर, लखनऊ



डॉ राजीव कुमार झा, उप प्रमुख पीटी सीपी ग्राइमा, इन्डोनेशिया



श्री सजी चाको, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ओनवे इंडस्ट्रीस, नवसारी, गुजरात



डॉ साई राम, विस्तार विभाग प्रमुख, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ ब्रकीधतर अक्वाकल्चर, चेन्नई



डॉ एस कंडन, परियोजना निदेशक, आरजीसीए, सिरकाली, तमिलनाडू



प्रोफे(डॉ) जॉन एलेक्साण्डर बेंजो, वर्ल्ड फिश सेंटर, मलेशिया



डॉ जी गोपकुमार, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, सीएमएफ़आरआई, विरिंहजम, तिरुवनंतपुरम



डॉ सागीव कोलकोवस्की, वैज्ञानिक, मत्स्य विभाग, पश्चिम आस्ट्रेलिया राज्य सरकार



डॉ आई एस ब्राइट सिंह, यूजीसीबीएसआर फ़ैकल्टी, नेशनल सेंटर फॉर अक्वाटिक एनिमल हेल्थ, सीयूएसएटी, कोच्चि



श्री राहुल कुलकर्णी, निदेशक, वेस्ट कोस्ट ग्रुप, मुंबई



श्री राफेल थॉमस, अध्यक्ष, डेटामैट्रिक्स इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, पुणे



आर सुधाकर, वरिष्ठ इंजीनीयर, व्यू 360 टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद



श्री महेश राज मालपे, मुख्य कार्यकारी, आई एफ ए एफ ई ए



श्री सुब्रतो डे, क्षेत्रीय प्रबन्धक, जीएसआई इंडिया, मुंबई



श्री रविशंकर, उपाध्यक्ष, आई टी, सोर्स ट्रेस सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोयंबतूर



श्री एम अब्दुल अलीम बैग, टाटा कन्सल्टंसी सर्विसेस, हैदराबाद



डॉ विवेक रोहितदास वर्तक, मत्स्य वैज्ञानिक, खार भूमि अनुसंधान स्टेशन, पनवेल



श्री पंचू दुराईस्वामी, कंट्री कॉर्डिनेटर इंडिया, बीएपी, ग्लोबल अक्वाकल्चर अलेयन्स, चेन्नई



डॉ टी जी मनोज कुमार, सहायक निदेशक, एमपीईडीए

घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



घटनाचक्र की झलकियाँ



ब्रसेल्स में आयोजित सी फूड एक्सपो ग्लोबल 2017 में एमपीईडीए की भागीदारी

यूरोपीय संघ का समुद्री बाजार

मत्स्य और अक्वाकल्चर उत्पादों के मामले में मूल्य के हिसाब से यूरोपीय संघ विश्व में सबसे अधिक व्यापार करते हैं। वर्ष 2015 में यूरोपीय संघ ने 49.3 अरब यूरो के 13.8 मिलियन टन का व्यापार किया। यूरोपीय संघ द्वारा आयातित कुल 120 अरब यूरो के खाद्य उत्पादों में लगभग 20% का हिस्सा केवल मत्स्य का ही था। आयात किए जाने वाले प्रमुख समुद्री खाद्य मत्स्यों में कॉड, श्रिम्प और सालमन होता है। समुद्री मत्स्य की खपत बढ़कर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष अब 25.5 किलोग्राम तक पहुंच गया है। यूरोपीय संघ के बाजार में पकड़े जाने वाले मत्स्य उत्पादों का उपभोग अधिक होता है।

वर्ष 2009 से ही यूरोपीय संघ के व्यापार संतुलन में कमी बढ़ रही थी और 2015 के दौरान यह अपनी चरम पर थी और इस बात की पुष्टि कर रही थी कि यूरोपीय संघ मत्स्य और अक्वाकल्चर उत्पादों के शुद्ध आयातक बनकर रह गया है। 2015 के दौरान यूरोपीय संघ के बाजार में भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों की भागीदारी मूल्य के हिसाब से 4% और मात्रा के हिसाब से केवल 3% थी। नॉर्वे सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और उसके बाद का स्थान चीन, आइसलैंड, मोरोक्को, संयुक्त राज्य अमेरिका और इक्वाडोर का है।

यह बात ध्यान देने योग्य है कि विश्व का 92% अक्वाकल्चर उत्पादन और 72% मत्स्य की



ओडिशा सरकार के मत्स्य पालन निदेशक डॉ बिजय केतन उपाध्याय भा प्र से, के साथ चर्चा करते हुए एमपीईडीए के सचिव श्री बी श्रीकुमार



एक आयातक के साथ बातचीत करते हुए एमपीईडीए के क्षेत्रीय प्रभाग, मुंबई के उप निदेशक श्री राजकुमार नाइक



सहप्रदर्शकों के स्टालों की झलकियाँ

पकड़ एशिया से होता है इसमें मुख्य रूप से चीन, इंडोनेशिया और भारत से ही होता है।

भारतीय समुद्री खाद्य के लिए यूरोपीय संघ प्रमुख लक्ष्य स्थान है। यूरोपीय संघ को भेजे जाने वाले समुद्री खाद्य मर्चों में से लगभग 20% मूल्य वर्धित मद होते हैं। कुल मूल्य वर्धित उत्पादों में से लगभग 42.06% यूरोपीय संघ को निर्यात किया गया है। स्पेन, इटली, बेल्जियम, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड आदि प्रमुख यूरोपीय संघ के देश हैं जो भारत से श्रिम्प, सेफलोपोड्स और मछलियों का आयात करते हैं।

प्रदर्शनी

सी फूड एक्सपो ग्लोबल (एसईजी) ब्रसेल्स के डायवर्सिफाइड कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है। इस प्रदर्शनी में 140 देशों के प्रदर्शक/ खरीदार/ उद्यमी/ मीडिया आदि के सदस्य भाग लेते हैं। यह विश्व में आयोजित होने वाले सबसे बड़ा समुद्री खाद्य व्यापार आयोजन है, जिसमें 80 विभिन्न देशों के 1879 प्रदर्शकों ने 35682 वर्ग मीटर क्षेत्र में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी की। यह प्रदर्शनी 25 से 27 अप्रैल, 2017 तक बेल्जियम के ब्रसेल्स में एक्सपो सेंटर में आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में समुद्री खाद्य उत्पादों को आधुनिक प्रसंस्करण और पैकेजिंग उपकरणों के साथ अलग-अलग रूपों में प्रशिक्षित, जमाए गए, सूखे और खाने के लिए तैयार उत्पन्न के रूप में पेश किया गया।

भारत की भागीदारी

भारतीय पैविलियन सें 71633 और 7(-)1733 के अंतर्गत एमपीईडीए 21 सह प्रदर्शकों के साथ 480 वर्ग मीटर स्थान बुक करके प्रदर्शनी में भाग लिया। एमपीईडीए ने कई प्रकार के समुद्री खाद्यों को प्रदर्शित किया, जिसमें प्रशिक्षित, जमे हुए, फ्रीज में सूखाये गए और खाने के लिए तैयार उत्पाद शामिल थे। दो डीप फ्रीजरों का प्रयोग करके प्रशिक्षित समुद्री खाद्य को प्रदर्शित किया गया और एक चिल्लर में ताजी मछली की व्यवस्था की गई। जमे हुए उत्पादों में श्रिम्प, स्क्वड, कटलफिश, फ्रिनाफिश, डिब्बाबंद केकड़ा आदि थे। समुद्री खाद्य के अलावा एमपीईडीए के प्रचार साहित्य और पुस्तकों को भी एमपीईडीए के स्टाल में आगंतुकों के लिए प्रदर्शित किया गया



भारतीय पैविलियन की एक झलक



स्विटजरलैंड के एक आयातक श्री मथियास केब्स के साथ चर्चा करते हुए एमपीईडीए के संयुक्त निदेशक श्री जी रतिनाराज



स्विटजरलैंड के श्री मथियास केब्स के साथ एमपीईडीए के अधिकारी

और वितरित भी की गई। पिछले वर्षों की तरह सभी सह-प्रदर्शकों के विवरण युक्त एक विशेष गाइड तैयार किया गया और उसे आगंतुकों को वितरित किया गया, जिससे उन्हें अपने व्यापार आरंभ करने के लिए सही निर्यातक की पहचान करने में मदद मिले।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व एमपीईडीए के सचिव श्री बी श्रीकुमार, एमपीईडीए के वलसाड स्थित क्षेत्रीय प्रभाग के संयुक्त निदेशक (अक्वा) श्री जी रतिनाराज और श्री राजकुमार नाइक, उप निदेशक, क्षेत्रीय

प्रभाग, मुंबई, एमपीईडीए आदि अधिकारियों ने किया।

भारतीय पैविलियन में एमपीईडीए के साथ 21 समुद्री खाद्य निर्यातकों ने सह प्रदर्शक के रूप में भाग लिया। वे थे, मेसर्स अबाद फिशरीस प्राइवेट लिमिटेड और अबाद ओवरसीस प्राइवेट लिमिटेड, कोच्चि, मेसर्स केसल रॉक फिशरीस प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स कलकत्ता सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड, कोलकोता, मेसर्स दीपमाला फूड्स, वेरावल, मेसर्स फोरस्टार फ्रोजन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स गदरे मेरीन एक्सपोर्ट

प्राइवेट लिमिटेड, रत्नागिरी, मेसर्स पेस्का मेरीन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, पोरबंदर, मेसर्स कारुण्या मेरीन एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रत्नागिरी, मेसर्स नाईक सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स रीयल एक्सपोर्ट्स, वेरावल, मेसर्स सागर साप्राट सीफूड्स, पोरबंदर, मेसर्स संचिता मेरीन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई, मेसर्स सेसागा एंटरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई, मेसर्स सेवेनसीस सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स श्री दत्त अक्वाकल्चर फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड, बिलिमोरा, गुजरात, मेसर्स स्टेल्लर मेरीन फूड प्रोसेसर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स उल्का सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई, मेसर्स वी वी मेरीन प्रोडक्ट्स, टूटिकोरिन, मेसर्स वसई फ़ोज़न फूड कंपनी, मुंबई, मेसर्स वेस्ट कोस्ट फूड्स, पोरबंदर, मेसर्स वेस्ट कोस्ट फ़ोज़न फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई आदि।

एस ई जी के पहले ही दिन बहुत से आगंतुक भारतीय पैविलियन के एमपीईडीए स्टाल और अन्य स्टालों पर आए। चिल्लर में प्रदर्शित 9 किलो की कोबिया मछली प्रतिनिधियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र था। एमपीईडीए स्टाल ने खरीदारों और आगंतुकों के लिए भारतीय समुद्री खाद्य व्यंजनों को पकाने के प्रदर्शन के



एमपीईडीए और ईआईए अधिकारियों के साथ भारतीय यूरोपीय संघ के मिशन के सलाहकार, श्री सर्वेश राय, भारतीय दूतावास, ब्रसेल्स (मध्य में)

लिए एक लोकप्रिय शेफ को काम पर लगाया था। भारतीय समुद्री खाद्य और भारत में अपनाए जा रहे बेहतर अक्वाकल्चर प्रणालियों के बारे में चित्रित एक फिल्म को निरंतर प्रदर्शित किया गया।

सीफूड 2017 सूचना सत्र “मत्स्य और अक्वाकल्चर प्रोडक्ट्स पर उपभोक्ता जानकारी” का आयोजन यूरोपीय कमीशन द्वारा 25 अप्रैल, 2017 को आयोजित किया गया। यह सत्र गैरसंसाधित और संसाधित समुद्री खाद्य से संबंधित था और उपभोक्ता जानकारी में सामान्य नाम के साथ साथ वैज्ञानिक नाम और मत्स्य को पकड़ने के लिए प्रयोग किए गए उपकरण,

उत्पादन का तरीका, पकड़े गए और कृषि का स्थान आदि से संबंधित विवरण होने चाहिए।

दूसरे दिन ब्रसेल्स स्थित भारतीय दूतावास के वरिष्ठ अधिकारीगण भारतीय पैविलियन में एमपीईडीए और भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातकों द्वारा गठित स्टालों का दौरा किया। प्रदर्शनी तीसरे दिन संपन्न हुआ और सभी निर्यातकों ने भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के एमपीईडीए और भारतीय दूतावास द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। एसईजी 2017 के दौरान प्राप्त व्यापार संबंधी पूछताछ इस न्यूज़लेटर के संबंधित खंड में अलग से सूचीबद्ध किया गया है।

विज्ञापन टैरिफ

एमपीईडीए न्यूज़ लेटर

प्रत्येक पृष्ठ के लिए दर

अंतिम कवर पृष्ठ	(रंगीन)	₹ 15,000/-	यू एस डॉलर 250
भीतरी कवर पृष्ठ	(रंगीन)	₹ 10,000/-	यू एस डॉलर 200
भीतरी पृष्ठ	(रंगीन)	₹ 8000/-	यू एस डॉलर 150
भीतरी आधा पृष्ठ	(रंगीन)	₹ 4000/-	यू एस डॉलर 75

एक वर्ष (12 माह) या उससे अधिक के कांटेक्ट विज्ञापन के लिए दस प्रतिशत छूट दिया जाएगा। विज्ञापन के लिए सामग्री विज्ञापन दाता को जे पी ई जी या पी डी एफ़ फॉर्मेट या सी एम वाई के मोड में प्रदान करना होगा।

मेकेनिकल आंकड़े : सीजे : 27 x 20 से.मी.
 मुद्रण : ऑफसेट (बहुरंगीन)
 प्रिंट क्षेत्र : पूरा पृष्ठ : 23 x 17.5 से.मी.
 आधा पृष्ठ : 11.5 x 17.5 से.मी.



विवरण के लिए संपर्क करें :
 उप निदेशक (पी & एम पी) / संपादक, एमपीईडीए न्यूज़लेटर
 एमपीईडीए हाउस, पनम्पिल्ली एवेन्यू, कोचीन - 36
 फोन : +91-484-2321722, 2311979
 टैलेफैक्स : +91-484-2312812
 ईमेल : newslet@mpeda.gov.in, pub@mpeda.gov.in

Expertise that Inspires *globally* More than 80 years of experience

CULINARY • CONVENIENCE • INDULGENCE • HEALTHY REDUCTION • NATURAL • FORTIFICATION

Texture and Stability

ICL Food Specialties' global meat, poultry and seafood experts provide proven ideas to accelerate new product development. Focused on trend-inspired applications, our ingredient portfolio offers you new ideas and the creativity to develop your next product innovation.

Kiwans Parmar +91 98195 20479 | kiwans.parmar@icl-group.com
Butchi Raju +91 98490 96699 | butchiraju.harishchemicals@gmail.com
www.iclfood.com



©2017 ICL Food Specialties. A division of ICL Performance Products. All rights reserved.

भारतीय समुद्री उत्पाद निर्यात 2016-17 में सबसे शिखर पर

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रशीतित श्रिम्प और प्रशीतित मछलियों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारत ने वर्ष 2016-17 के दौरान 5.78 अरब डॉलर (रु. 37,870.90 करोड़) मूल्य के 11,34,948 मेट्रिक टन समुद्री खाद्य का निर्यात किया जो कि अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है, जबकि एक वर्ष पहले 4.69 अरब डॉलर के 9,45,892 टन निर्यात किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण पूर्व एशिया प्रमुख आयातक बने रहे जबकि यूरोपीय संघ (ई यू) की मांग इस अवधि के दौरान काफी हद तक बढ़ा। प्रशीतित श्रिम्प प्रमुख निर्यात वस्तु बनी रही और उसके बाद का स्थान प्रशीतित मत्स्य का रहा। निर्यात सारांश रिपोर्ट तालिका 1 में दिया गया है।

2016-17 में प्रशीतित श्रिम्प की औसत इकाई का मूल्य 3.55 की बढ़कर 8.58 डॉलर प्रति किलोग्राम हो गया है, जबकि 2015-16 में यह 8.28 अमेरिकी डॉलर था। (कुल निर्यात का 64.5 मूल्य श्रिम्प होता है।)

मदवार प्रमुख निर्यात मद्दे:

प्रशीतित श्रिम्प प्रमुख निर्यात की वस्तु के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखा, जो मात्रा में 38.28% और डॉलर के हिसाब से कुल आय का 64.50% रहा। श्रिम्प का निर्यात मात्रा के हिसाब से 16.21% और डॉलर के हिसाब से 20.33% (तालिका 2) तक बढ़ा।

अनंतिम

2016-17 के दौरान श्रिम्प का कुल निर्यात 4,34,484 लाख टन और उसका मूल्य 3,726.36 मिलियन यू एस डॉलर रहा। प्रशीतित श्रिम्प के लिए सबसे बड़ा बाजार संयुक्त राज्य अमेरिका (1,65,827 मेट्रिक टन) है, उसके बाद यूरोपीय संघ (77,178 मेट्रिक टन), दक्षिण

तालिका 1 2016-17 और 2015-16 में समुद्री उत्पाद के निर्यात कार्यकलाप

निर्यात विवरण	2016-17	2015-16	वृद्धि %
मात्रा टनों में	11,34,948	9,45,892	19.99
मूल्य रु. करोड़ में	37,870.90	30,420.83	24.49
यू एस डॉलर मिलियन में	5,777.61	4,687.94	23.24
यूनिट मूल्य (यूएस डॉलर /किलोग्राम)	5.09	4.96	2.71

पूर्व एशिया (1,05,763 मेट्रिक टन), जापान (31,284 मेट्रिक टन), मध्य पूर्व देश (19,554 मेट्रिक टन), चीन (7818 मेट्रिक टन) और अन्य देश (27,063 मेट्रिक टन) आदि हैं। 2016-17 में वनामी श्रिम्प का निर्यात 2,56,699 मेट्रिक टन से बढ़कर 3,29,766 टन हो गया है, जो मात्रा के हिसाब से 28.46% की वृद्धि को दर्शाती है। अमेरिकी डॉलर के हिसाब से कुल 49.55% वनामी श्रिम्प संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात किया गया, उसके बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश को 23.28%, यूरोपीय संघ को 13.17%, जापान को 4.53%, मध्य पूर्व देश को 3.02%, चीन को 1.35% और अन्य देशों को 5.10% निर्यात किया गया। ब्लैक टाइगर श्रिम्प के लिए मूल्य के हिसाब से 43.84% भागीदारी के साथ जापान सबसे प्रमुख बाजार है और उसके बाद यू एस डॉलर के हिसाब से अमेरिका (23.44) और दक्षिण पूर्व एशिया (11.33) का स्थान आता है।

प्रशीतित मत्स्य दूसरा सबसे बड़ा निर्यात वस्तु है, जिसकी मात्रा के हिसाब से 26.15% की हिस्सेदारी है और यूएस डॉलर के हिसाब से आय का 11.64% होता है। अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रशीतित मत्स्य का निर्यात 26.92% की वृद्धि को दर्शाती है; लेकिन 2016-17 में इकाई के मूल्य में 2.17% घटकर 2015-16 के मूल्य यू एस डॉलर 2.32 प्रति किग्रा

से 2016-17 में 2.27 अमेरिकी डॉलर/ प्रति किग्रा हो गया है।

प्रशीतित स्क्वड ने क्रमशः मात्रा, रुपया मूल्य और यू एस डॉलर के हिसाब से 21.50%, 59.44% और 57% की वृद्धि दर्ज की है।

प्रशीतित कटलफिश के निर्यात में, मात्रा में 3.47 की गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन रुपये और यूएस डॉलर मूल्य में क्रमशः 18.85 और 16.95 की वृद्धि हुई है। प्रति यूनिट के मूल्य में भी 21.15 की वृद्धि हुई है।

शीतित मद्दे के निर्यात में मात्रा में, रुपये के मूल्य में और यू एस डॉलर के हिसाब से क्रमशः 4.03%, 4.9% और 6.82% की गिरावट दर्ज की गयी है। प्रति इकाई के मूल्य में भी 2.91 से गिरावट आई है।

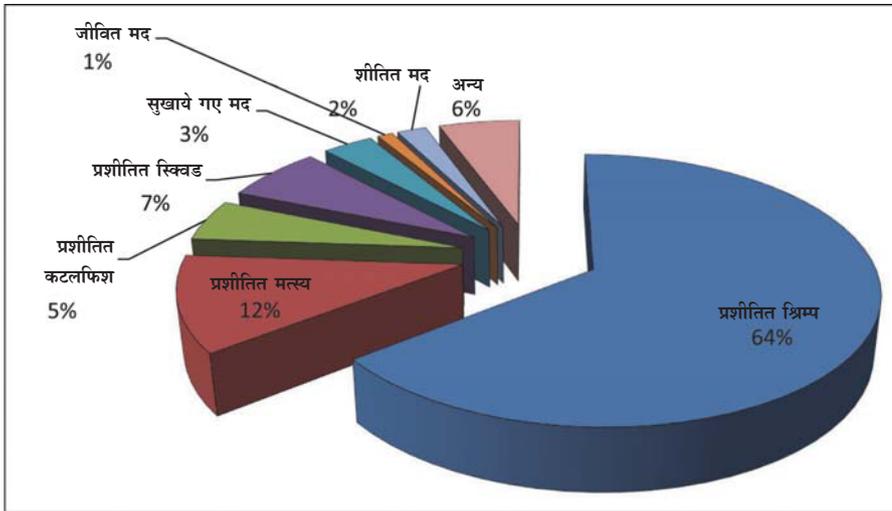
सुखाये गए वस्तुओं ने मात्रा में, रुपये के मूल्य में और यू एस डॉलर के हिसाब से क्रमशः 40.98%, 20.14% और 79.05% की वृद्धि दर्ज की है। प्रति यूनिट मूल्य में भी 27.01% की वृद्धि हुई है।

मात्रा, रुपये के मूल्य और यू एस डॉलर के हिसाब से जीवित मद्दे के निर्यात में क्रमशः 22.05%, 30.74% और 27.81% था। प्रति यूनिट मूल्य में इस वर्ष 4.72% बढ़कर 8.70 यूएस डॉलर से 9.11 यूएस डॉलर हो गया है।

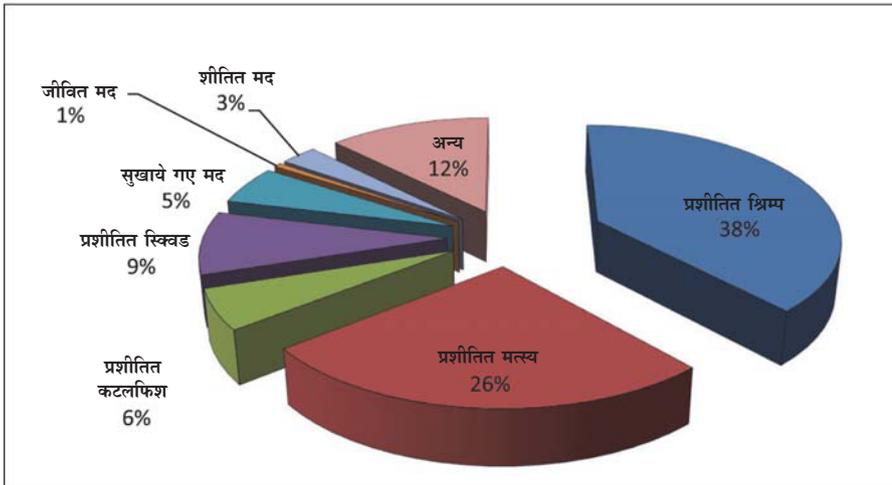
तालिका 2 2016-17 में मदवार निर्यात किए गए समुद्री उत्पाद

मात्रा: मात्रा टन में मूल्य: मूल्य रुपये करोड़ में, (डॉलर): यूएस डॉलर मिलियन में

मद		हिस्सा (%)	2016-17*	2015-16	वृद्धि (%)
प्रशीतित श्रिम्प	मा:	38.28	434484	373866	16.21
	मू:	65.25	24711.15	20045.50	23.28
	डॉ:	64.50	3726.36	3096.68	20.33
	यू मू डॉ:		8.58	8.28	3.55
प्रशीतित मत्स्य	मा:	26.15	296762	228749	29.73
	मू:	11.78	4460.90	3462.25	28.84
	डॉ:	11.64	672.47	529.85	26.92
	यू मू डॉ:		2.27	2.32	2.17
प्रशीतित कटल फिश	मा:	5.58	63320	65596	3.47
	मू:	5.14	1944.50	1636.11	18.85
	डॉ:	5.07	292.73	250.31	16.95
	यू मू डॉ:		4.62	3.82	21.15
प्रशीतित स्क्वड	मा:	8.75	99348	81769	21.50
	मू:	6.80	2575.29	1615.21	59.44
	डॉ:	6.73	388.64	247.53	57.00
	यू मू डॉ:		3.91	3.03	29.22
सुखाये गए मद	मा:	5.38	61071	43320	40.98
	मू:	2.30	871.74	725.58	20.14
	डॉ:	3.46	199.77	111.57	79.05
	यू मू डॉ:		3.27	2.58	27.01
जीवित मद	मा:	0.59	6703	5493	22.05
	मू:	1.07	403.75	308.81	30.74
	डॉ:	1.06	61.05	47.77	27.81
	यू मू डॉ:		9.11	8.70	4.72
शीतित मद	मा:	2.80	31815	33150	4.03
	मू:	2.03	769.81	809.50	4.90
	डॉ:	2.01	116.02	124.51	6.82
	यू मू डॉ:		3.65	3.76	2.91
अन्य	मा:	12.46	141442	113949	24.13
	मू:	5.63	2133.59	1817.87	17.37
	डॉ:	5.55	320.54	279.71	14.60
	यू मू डॉ:		2.27	2.45	7.68
कुल	मा:	100	1134948	945892	19.99
	मू:	100	37870.90	30420.83	24.49
	डॉ:	100	5777.61	4687.94	23.24
	यू मू डॉ:		5.09	4.96	2.71



चित्र 1: 2016-17 में मदवार निर्यात (प्रतिशत मूल्य में)



चित्र 2: 2016-17 में मदवार निर्यात (प्रतिशत मात्रा में)

अन्य मदों में मात्रा, रुपये के मूल्य और यू एस डॉलर के संदर्भ में क्रमशः 24.13, 17.37 और 14.60% निर्यात शामिल होता है।

बाजार वार निर्यात

यू एस डॉलर के हिसाब से 29.98% की हिस्सेदारी के साथ अमेरिका भारतीय समुद्री खाद्य का प्रमुख आयातक रहा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2016-17 में 1,88,617 मेट्रिक टन समुद्री खाद्य का आयात किया। अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में मात्रा, रुपये का मूल्य और यू एस डॉलर में क्रमशः 22.72%, 33%, 29.82% की वृद्धि दर्ज की गई है। यू एस डॉलर के मूल्य में 94.77% की हिस्सेदारी के साथ प्रशीतित श्रिम्प अमेरिका को निर्यात

किया जाने वाला प्रमुख मद रहा। अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले वनामी श्रिम्प की मात्रा में 25.60% की वृद्धि और अमेरिकी डॉलर के हिसाब से 31.75% की वृद्धि हुई। अमेरिका को किए जाने वाले ब्लैक टाइगर श्रिम्प के निर्यात की मात्रा में 45.08% और यूएस डॉलर मूल्य में 30.59% की कमी आई है।

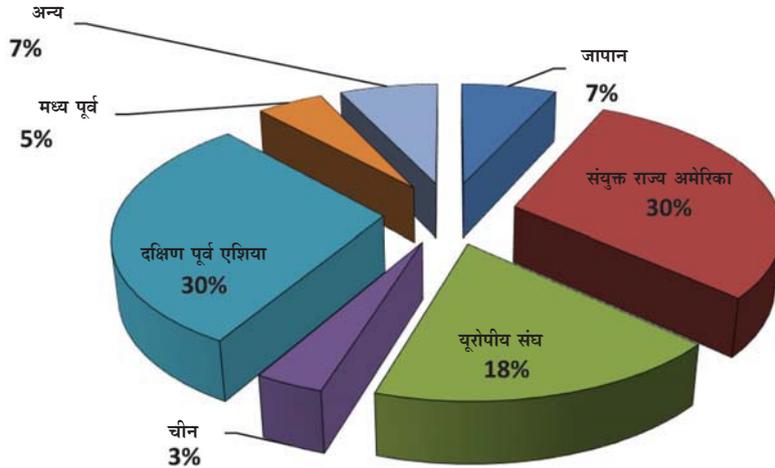
दक्षिण पूर्वी एशिया भारतीय समुद्री उत्पादों के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार गंतव्य रहा जहां पर यू एस डॉलर के हिसाब से 29.91% की हिस्सेदारी है, उसके बाद क्रमशः यूरोपीय संघ (17.98%), जापान (6.83%), मध्य पूर्व देश (4.78%), चीन (3.50%) और अन्य देश (7.03%) रहा। दक्षिण पूर्व एशिया को किए गए कुल निर्यात में मात्रा के हिसाब से 47.41%,

रुपये के मूल्य में 52.84% और यू एस डॉलर के हिसाब से 49.90% की वृद्धि हुई है।

भारतीय समुद्री उत्पादों के लिए प्रमुख दक्षिण पूर्व एशियाई बाजार वियतनाम का है जिसका अमेरिकी डॉलर के हिसाब से 76.57% की भागीदारी है, उसके बाद का स्थान क्रमशः थाईलैंड (12.93%), ताइवान (3.88%), मलेशिया (2.60%), सिंगापुर (2.21%), दक्षिण कोरिया (1.50%) और अन्य देश (0.30%) है। इनमें से केवल वियतनाम में ही 3,18,171 मेट्रिक टन भारतीय समुद्री खाद्य आयात किया गया। मात्रा के हिसाब से अमेरिका, जापान या चीन जैसे किसी भी अन्य बाजारों की तुलना में यह बहुत अधिक है।

भारतीय समुद्री खाद्य के लिए यूरोपीय संघ तीसरा सबसे बड़ा स्थान बना रहा, जिसका मात्रा के हिसाब से 16.73% की हिस्सेदारी है। यूरोपीय संघ को किए गए कुल निर्यात में से 40.66% मात्रा प्रशीतित श्रिम्प का था और यू एस डॉलर के आमदनी के हिसाब से यह यूरोपीय संघ के कुल निर्यात में से 55.15% था। यूरोपीय संघ को किए गए निर्यात में वनामी श्रिम्प की मात्रा में 9.76% की बढ़ोतरी हुई और यू एस डॉलर के हिसाब से 11.40% की वृद्धि को दर्शाया।

भारतीय समुद्री खाद्य के लिए जापान चौथा सबसे बड़ा गंतव्य है, जो यू एस डॉलर के हिसाब से 6.83% और मात्रा के हिसाब से 6.08% है। जापान को किए गए निर्यात की मात्रा में 8.43% और यू एस डॉलर के हिसाब से 2.22% की कमी हुई। प्रशीतित श्रिम्प जापान को निर्यात की प्रमुख वस्तु रही, जो कि कुल मात्रा का 45.31% की हिस्सेदारी है और यू एस डॉलर के हिसाब से जापान को किए गए कुल निर्यात में 77.30% हिस्सा है। जापान को किए गए प्रशीतित श्रिम्प के निर्यात में मात्रा में 8.54% और यूएस डॉलर के हिसाब से 3.60% की कमी हुई। जापान को किए गए ब्लैक टाइगर श्रिम्प के निर्यात में मात्रा में



चित्र 3: बाजार वार निर्यात : 2016-17 (प्रतिशत मूल्य में)

दर्ज हुई है। वनामी श्रिम्प के निर्यात में मात्रा में 21.28% और यूएस डॉलर के हिसाब से मूल्य में 32.93% सुधार हुआ है।

चीन के बाजार में क्रमशः मात्रा, रुपये का मूल्य और यू एस डॉलर के हिसाब से क्रमशः 9.19%, 6.31% और 8.38% की गिरावट देखी गई। प्रशीतित श्रिम्प के निर्यात में भी कमी हुई है।

मध्य पूर्व के देशों को किए गए निर्यात में मात्रा और यू एस डॉलर के मूल्य के हिसाब से नकारात्मक वृद्धि देखी गई और अन्य देशों में पिछले वर्ष की तुलना में मात्रा में और साथ ही साथ मूल्य में सकारात्मक वृद्धि देखी गई।

प्रमुख बाजारों में भारतीय समुद्री उत्पादों के निर्यात विवरण तालिका 3 में दिया गया है।

10,367 मेट्रिक टन से 5,842 मेट्रिक टन कम होकर वर्ष 2016-17 में 44.17% तक घट गया है। हालांकि मूल्य में 2015-16 के 9.60

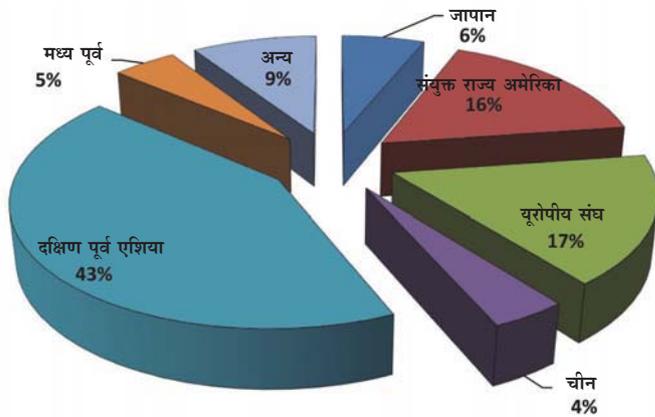
यू एस डॉलर से बढ़कर 2016-17 में प्रति यूनिट का मूल्य 12.40 यू एस डॉलर तक बढ़ गया है, इस प्रकार 29.17% की भारी वृद्धि

प्रमुख बाजारों में भारतीय समुद्री उत्पादों के निर्यात विवरण तालिका 3 में दिया गया है।

तालिका 3 2016-17 में बाजारवार निर्यात किए गए समुद्री उत्पाद

मात्रा: मात्रा टन में मूल्य: मूल्य रुपये करोड़ में, (डॉलर): यूएस डॉलर मिलियन

राज्य	भागीदारी %		2016-17	2015-16	वृद्धि (%)
जापान	6.08	मा:	69039	75393	8.43
	6.92	मू:	2621.37	2610.74	0.41
	6.83	डॉ:	394.50	403.48	2.22
संयुक्त राज्य अमेरिका	16.62	मा:	188617	153695	22.72
	29.98	मू:	11482.16	8633.40	33.00
	30.32	डॉ:	1731.81	1334.05	29.82
यूरोपियन यूनियन	16.73	मा:	189833	186349	1.87
	18.20	मू:	6892.19	6311.45	9.20
	17.98	डॉ:	1038.59	970.77	6.99
चीन	4.00	मा:	45443	50042	9.19
	3.54	मू:	1341.94	1432.25	6.31
	3.50	डॉ:	202.19	220.69	8.38
दक्षिण पूर्व एशिया	42.72	मा:	484819	328900	47.41
	30.27	मू:	11461.83	7499.16	52.84
	29.91	डॉ:	1728.19	1152.86	49.90
मध्य पूर्व देश	4.67	मा:	52973	53905	1.73
	4.83	मू:	1830.58	1793.67	2.06
	4.78	डॉ:	275.93	276.46	0.19
अन्य	9.18	मा:	104224	97609	6.78
	5.92	मू:	2240.83	2140.16	4.70
	7.03	डॉ:	406.40	329.62	23.29
कुल	100	मा:	1134948	945892	19.99
	100	मू:	37870.90	30420.83	24.49
	100	डॉ:	5777.61	4687.94	23.24



चित्र 4: बाजार वार निर्यात : 2016-17 (प्रतिशत मात्रा में)

बन्दरगाहवार निर्यात

समुद्री उत्पादों को 30 विभिन्न समुद्र/ वायु/ भूमि बंदरगाहों के माध्यम से निर्यात किया गया। समुद्री माल का संचालन करने वाले प्रमुख बंदरगाह हैं, वैजाग, कोच्चि, कोलकाता, पिपाव, जेएनपी, कृष्णापटनम और तुतिकोरिन। 2015-16 के मुकाबले वैजाग, कोच्चि, कोलकाता, पिपाव, जेएनपी, कृष्णापटनम और तुतिकोरिन से निर्यात में सुधार हुआ है। बन्दरगाहवार निर्यात के विवरण तालिका 4 में दिए गए हैं।

तालिका 4. 2016-17 में बन्दरगाह वार समुद्री उत्पाद निर्यात

मात्रा: मात्रा टन में मूल्य: मूल्य रुपये करोड़ में, (डॉलर): यूएस डॉलर मिलियन

बन्दरगाह	भागीदारी	2016-17	2015-16	वृद्धि %	
वैजाग	मा:	14.10	159973	128718	24.28
	मू:	24.54	9,294.31	7,161.00	29.79
	डॉ:	24.27	1,401.94	1,105.76	26.78
कोच्चि	मा:	13.74	155989	145193	7.44
	मू:	12.84	4,860.98	4,447.05	9.31
	डॉ:	12.69	733.24	684.35	7.14
कोलकोता	मा:	9.22	104668	91054	14.95
	मू:	11.75	4,451.67	3,430.99	29.75
	डॉ:	11.61	671.04	530.91	26.39
पिपाव	मा:	20.48	232391	204799	13.47
	मू:	11.14	4,217.45	3,429.91	22.96
	डॉ:	10.90	629.56	525.31	19.84
जे एन पी	मा:	13.21	149914	125751	19.22
	मू:	10.79	4,084.96	3,437.53	18.83
	डॉ:	10.66	615.93	529.03	16.43
कृष्णापटनम	मा:	5.47	62049	38412	61.53
	मू:	9.77	3,701.63	2,167.01	70.82
	डॉ:	9.66	557.87	334.45	66.80
तुतिकोरिन	मा:	3.70	42026	40591	3.54
	मू:	5.86	2,220.52	1,999.16	11.07
	डॉ:	5.79	334.77	308.25	8.60
चेन्नई	मा:	3.29	37305	39021	4.40
	मू:	4.47	1,693.87	1,918.02	11.69
	डॉ:	4.42	255.50	296.86	13.93
मैंगलोर/ आईसीडी	मा:	11.14	126390	83954	50.55
	मू:	4.18	1,584.03	1,048.08	51.14
	डॉ:	4.22	243.72	160.63	51.72
गोवा	मा:	3.81	43199	31681	36.36
	मू:	1.69	641.41	490.48	30.77
	डॉ:	1.68	96.79	75.09	28.90
योग	मा:	100	1134948	945892	19.99
	मू:	100	37,870.90	30,420.83	24.49
	डॉ:	100	5,777.61	4,687.94	23.24

WORLD'S MOST ADVANCED MULTI-FUNCTIONAL TUNNEL FREEZER



- ▶ Multi-functional Quick Tunnel Freezer, from 250 to 1,500 Kgs/h, including Infeed conveyor, glazer (spraying/dip), Hardener, synchronized automatic control system for full-line, can freeze all kinds of products (IQF, Head-On in boxes, Nobashi, Breaded, etc.).
- ▶ Contact Plate Freezer 500 to 1,500 Kgs/Shift.
- ▶ Water Chiller 3,000 to 10,000 Ltrs/h, Insulated water tank and falling film unit.



Contact: B. S. Sankara Rao

Mobile: +91 9866674760, +91 8978334062

B. S. ENGINEERING SERVICES

[Refrigeration & Engineering works]

Visakhapatnam, India.

E-mail: bsee.vizag@gmail.com



GLORY CO., LTD.

Leading in Freezing Equipment

Ho Chi Minh City, Vietnam.

E-mail: info@glory.vn

भोपाल, मध्य प्रदेश में “कृषकों की बैठक”

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए), भोपाल, मध्यप्रदेश के अलंकारिक मत्स्य प्रभाग ने 19 अप्रैल, 2017 को मत्स्यपालन विभाग, पात्रा मत्स्य बीज फार्म, भोपाल के मत्स्य अनुसंधान अधिकारी के कार्यालय में कृषकों के लिए एक एकल दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया।

श्री डी पी साहू, सहायक निदेशक मत्स्य पालन (प्रशिक्षण और सीएम हेल्पलाइन), मत्स्य पालन निदेशालय, भोपाल ने किसानों की बैठक का उद्घाटन किया। श्री एस बी सिंह, अनुसंधान अधिकारी, श्री फरुख शेख, अनुसंधान अधिकारी, मत्स्य अनुसंधान अधिकारी का कार्यालय, भोपाल और मत्स्य पालन निदेशालय, भोपाल के सहायक अभियंता श्री बी एस चतुर्वेदी आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे। बैठक में राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए अलंकारिक मत्स्य कृषक, हितधारक और उद्यमी सहित 30 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री मोहम्मद आरिफ अंसारी, कार्यक्रम प्रबन्धक, अलंकारिक मत्स्य विभाग, एमपीईडीए, मध्यप्रदेश ने कार्यक्रम का समन्वयन किया और मध्य प्रदेश के साथ साथ पूरे देश में अलंकारिक मत्स्य के क्षेत्र में एमपीईडीए की उपलब्धियों और कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री डी पी साहू, सहायक निदेशक मत्स्य पालन ने मध्य प्रदेश और पूरे देश में अलंकारिक अक्वाकल्चर के सतत विकास के लिए एमपीईडीए द्वारा विकसित और हस्तांतरित प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मध्य प्रदेश में अलंकारिक मत्स्य के



प्रारम्भिक भाषण देते हुए भोपाल के मत्स्य पालन निदेशालय के मत्स्यपालन सहायक निदेशक श्री डी पी साहू



भाग लेने वालों को संबोधित करते हुए एमपीईडीए, मध्यप्रदेश के अलंकारिक मत्स्य विभाग के कार्यक्रम प्रबन्धक श्री मोहम्मद आरिफ अंसारी

क्षेत्र के विकास के लिए लघु पैमाने के सीमांत किसानों के महत्व पर बल दिया और कृषक समुदाय को सलाह देते हुए कहा कि एकीकृत, स्थाई और लागत प्रभावी अलंकारिक मत्स्य कृषि को अपनायें। उन्होंने मध्यप्रदेश में संभावित अलंकारिक मत्स्य संसाधनों और बाजारों के अधिकतम इस्तेमाल के लिए कृषि समुदाय को स्थान विशिष्ट पर्यावरण अनुकूल प्रदर्शन मॉडल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने समितियों के गठन करने की प्रक्रिया, उद्देश्य और लक्ष्यों और अध्यक्ष तथा सदस्यों की जिम्मेदारियों

के बारे में भी बताया।

श्री एस बी सिंह, अनुसंधान अधिकारी, भोपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि मध्य प्रदेश में अलंकारिक मत्स्य कृषि के लिए जबरदस्त अवसर है, क्योंकि यह राज्य मत्स्य उत्पादन में भारत में 16वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन विभाग के अनुसंधान अधिकारी के कार्यालय के मत्स्य पालन केंद्र ने 1984 से ही अलंकारिक अक्वाकल्चर के अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उन्होंने स्थाई अलंकारिक अक्वाकल्चर के



भाग लेने वालों की एक झलक

लिए तर्कसंगत और पर्यावरण अनुकूल तरीके से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए अनुसंधान कार्यालय की भूमिका के बारे में भी बताया।

श्री फय्याज अहमद, राष्ट्रीय प्रबंधक, सटोल केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई ने सटोनिल/सैटनिन पीए के रासायनिक गुणों और मत्स्य पालन के क्षेत्र में इसके महत्व के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने जानकारी से संबन्धित ब्रोशर और पाठ्य सामग्रियाँ प्रतिभागियों को वितरित की।

खरगोन से एक प्रगतिशील किसान और उद्यमी श्री सरफराज खान, धारापुरी, धार के एक अभिनव किसान श्री जाकिर खान, बड़वानी के एक प्रगतिशील किसान श्री विशाल त्रिवेदी, उज्जैन के एक प्रगतिशील किसान श्री मनोज तिवारी, धर से एक मोती (पेर्ल) किसान श्री भगवान पाटीदार, भोपाल और जबलपुर के उद्यमि श्री आदिल अफजल खान और श्री दिलजीत

सिंह आदि ने अपने अनुभवों को साझा किया और मध्यप्रदेश में अलंकारिक मत्स्य कृषि के विकास के बारे में विचार व्यक्त किया। उन्होंने अलंकारिक संसाधनों के समुचित उपयोग के महत्व पर बल दिया क्योंकि राज्य में बेहतर पर्यावरण की स्थिति उपलब्ध है। प्रगतिशील कृषकों को कम जोखिम और उच्च लाभकारी कृषि पद्धित जैसे, शुक्रात करने वालों को अलंकारिक मत्स्य के शावकों को पालना, अलंकारिक मछलियों का पालनपोषण, भोजन की व्यवस्था और प्रबंधन, जीवित खाद्य की कृषि आदि अपनाने के महत्व को समझाया। श्रीमती शशिकला गोलयाट, डी डी एफ भोपाल, श्री मुकुंद राव बंसोरकर, सहायक मत्स्य अधिकारी, भोपाल, श्री संजय बाथम, मत्स्य निरीक्षक (एफ आई), भोपाल, श्री जेपी तिलहते, एफ आई भोपाल, मत्स्यपालन विभाग, भोपाल, डॉ अमीन खान, फैकल्टी एक्वाकल्चर और श्री दिनेश ठाकरे, मत्स्य पालन सहायक, जीव विज्ञान व मत्स्य पालन विभाग, अटल बिहारी वाजपेयी

हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल और श्री कामिल अंसारी, सचिव, आगाज समाज सेवा संस्थान (एएसएसएस), शाहोदोल आदि अधिकारियों ने भी अलंकारिक मत्स्य कृषकों के विचार विमर्श बैठक में भाग लिया।

कृषकों के विचार विमर्श सत्र में अलंकारिक मत्स्य की कृषि से संबंधित विभिन्न पहलुओं, और “अक्वा अक्वेरिया इंडिया 2017” में भाग लेने के बारे में चर्चा की। प्रतिभागियों ने प्रथम राज्य स्तरीय अलंकारिक मत्स्य विपणन सोसायटी (ओ एफ एम एस) के गठन के लिए अपनी एकता प्रदर्शित की और समिति का नाम “सेंट्रल इंडिया ओर्नमेंटल फिश मार्केटिंग सोसायटी” (सी आई ओ एफ एम एस) रखने का प्रस्ताव रखा। मध्य प्रदेश के कार्यक्रम प्रबंधक श्री मोहम्मद अरिफ अंसारी, ओ एफ डी, एमपीईडीए के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मार्च, 2017 के दौरान भारत के चुने हुए बन्दरगाहों में अवतरित समुद्री मछलियों के विवरण

सुध्राकांत मोहपात्रा, अफजल वी वी, नीतू एन जे व जोइस वी थॉमस, नेटफिश, एमपीईडीए

भूमिका

एमपीईडीए के मत्स्यन प्रमाणीकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नेटफिश भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट के बन्दरगाहों में नौकाओं के आगमन और मत्स्य के अवतरण के संबंध में सूचनाओं को रिकॉर्ड करते हैं। भारतीय तट के आस पास पकड़ी जाने वाली समुद्री मछलियों को देश के 9 समुद्री राज्यों के 47 प्रमुख बंदरगाहों और अवतरण केन्द्रों पर (तालिका 1) जहाजों के आगमन और मछलियों के अवतरण के आंकड़ों की रिकार्डिंग करके नेट फिश उसका मॉनिटर करता है। इस प्रकार एकत्र किए गए आंकड़ों को पकड़ी गई मत्स्यों की प्रजातिवार, राज्यवार, क्षेत्र वार और बंदरगाहवार मूल्यांकन के लिए एम एस ऑफिस (एक्सेल)

तालिका 1 आंकड़े एकत्रित करने के लिए चयन किए गए बन्दरगाह और अवतरण केन्द्र

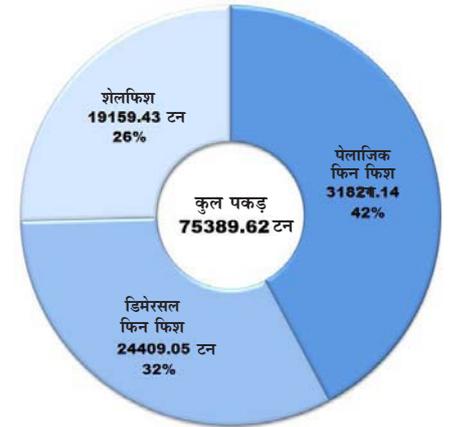
क्रमांक	राज्य	मत्स्यन बन्दरगाह
1	केरल	बेपौर
2		पुतियाप्पा
3		तोपुंपुडी
4		मुनंबम
5		शक्तिकुलंगरा
6		तोडुप्पल्ली
7		कायमकुलम
8		विङ्गिन्जम
9	कर्नाटक	मँगलोर
10		मालपे
11		गंगोली
12		तडरी
13		कारवार
14		होन्नावर

15	महाराष्ट्र	हरने
16		न्यू फेरी व्हाफ
17		रत्नगिरी (मिरकरवाड़ा)
18		सासोन डॉक
19	गुजरात	वेरावेल
20		पोरबंदर
21		मंगरोल
22	पश्चिम बंगाल	दीघा (शंकरपुर)
23		देशप्राण
24		नमखाना
25		सुल्तानपुर
26		काकद्वीप
27		रायदिघी
28	उड़ीशा	पाराद्वीप
29		बलरामाढी
30		बहाबलपुर
31		धमारा
32	आंध्रप्रदेश	काकीनाड़ा
33		मछलीपटनम
34		निज़ामपटनम
35		विशाखापटनम
36	तमिलनाडु	चेन्नई
37		पज़हैयार
38		नागपट्टिणम
39		तूतुकुडी
40		कडलूर
41		मंडपम
42		चिन्नमुट्टम
43		कोलाचाल
44		पांडिचेरी
45		करईकल
46	गोवा	कटबोना
47		मालिम

पर प्रक्रिया की जाती है। यह रिपोर्ट मार्च, 2017 के दौरान भारत के प्रमुख बन्दरगाहों पर अवतरित मत्स्यों के आंकड़ों पर प्रकाश डालती है।

अवतरण के आधार पर आकलन

मार्च, 2017 के दौरान कुल 75,389.62 टन समुद्री मछलियाँ भारत के 9 समुद्री राज्यों के चुने हुए 47 अवतरण स्थानों पर अवतरीत हुईं। कुल पकड़ में से 31821.14 टन (42%) पेलाजिक फिनफिश स्रोत की रही, 24,409.05 टन (32%) डिमेरसल फिनफिश की और 19,159.43 टन (26%) भागीदारी शेलफिश की रही। (चित्र 1)



चित्र 1 मार्च, 2017 के दौरान श्रेणी वार मछलियों के अवतरण

माह के दौरान कुल 111 प्रकार की मछलियों की पकड़ रिकॉर्ड की गई, जिनमें से स्क्वड, इंडियन ऑइल सारडीन, इंडियन मेकेरेल, जापनीस थ्रेडफिन ब्रीम और डस्की फिन्ड बुल्स आई प्रथम पाँच प्रजातियां रही। स्क्वड की कुल पकड़ 7,682.27 टन की रही जो कुल पकड़ की 10% थी और इस अवधि के दौरान पकड़ी गई विभिन्न मत्स्य मदों की मात्रा में सबसे

www.salemmicrobes.com



Shrimp Hatchery - Shrimp Farming - Fish Hatchery - Fish Farming

"Through technology, innovation and our strong commitment to product quality and service, we aim to help Aqua farmers to accomplish their goal of good production with maximum return on investment"

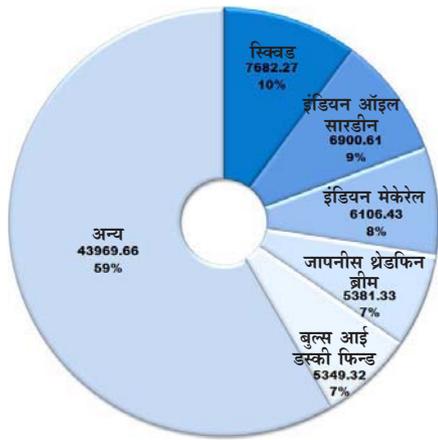


SALEM MICROBES PRIVATE LIMITED

(An I S O 9001: 2008 certified company)

Regd. Off : No. 21/10C, Bajanai Madam Street, Gugai, Salem - 636 006. Tamilnadu. India.
Customer Care : 91 +427 + 2469928 / 94432 46447 | E-Mail : salemmicrobes@yahoo.co.in

उच्चतम मात्रा थी। इन पांच मुख्य प्रजातियों की भागीदारी कुल पकड़ का 41% रहा। (चित्र 2 देखें) रिबन फिश, क्रोकर, क्रटलफिश और टूना आदि की भागीदारी अवतरित होने वाली मछलियों में प्रमुख रही और प्रत्येक मद की भागीदारी 2,500 टन से अधिक रही। माह के



चित्र: 2 मार्च, 2017 के दौरान अवतरित प्रमुख मदें

दौरान डीप सी लोबस्टर का अवतरण सबसे कम 0.03 टन रिकॉर्ड की गई।

माह के दौरान रिकॉर्ड की गई विभिन्न मछलियों के मदों की श्रेणीवार मात्रा तालिका 2 में दर्शाया गया है। अवतरित पेलाजिक फिन फिश की प्रजाति में सबसे अधिक मात्रा इंडियन ऑइल सारडीन 6,900.61 टन और उसके बाद इंडियन मेकेरेल 6,106.43 टन और रिबन फिश की मात्रा 4,046.60 टन रही। डिमेरसेल फिन फिश के मामले में सबसे अधिक भागीदारी बुल्स आईस की थी और यह 6,508.61 टन रिकॉर्ड की गई, उसके बाद का स्थान जापानीस थ्रेड फिन ब्रीम और क्रोकर्स की रही जो क्रमशः 5,381.33 टन और 3,683.78 टन रही। क्रस्टसियन्स और मोल्लुस्कान शामिल शेलफिश कुल अवतरण का लगभग 26% रहा जिसमें से मोल्लुस्कान की भागीदारी 15% और क्रस्टसियन्स की भागीदारी 10% की रही। शेलफिश के अवतरण में 40% से अधिक

स्विड की रही उसके बाद पेनाईड श्रिम्प की रही जिसकी भागीदारी 33% थी। पेनाईड श्रिम्प में डीप सी श्रिम्प की मात्रा सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई (1,504.31 टन)

तालिका 2. मार्च, 2017 के दौरान विभिन्न प्रजातियों के मछलियों के श्रेणीवार अवतरण

क्रमांक	मछली का मद	मात्रा टन में	कुल अवतरण का %
पेलाजिक फिनफिश			
1	इंडियन ऑइल सारडीन	6900.61	9.15
2	इंडियन मेकेरेल	6106.43	8.10
3	रिबन फिश	4046.60	5.37
4	टूना	3131.44	4.15
5	स्काड्स	1761.20	2.34
6	एंचोवीस	1534.50	2.04
7	सीयर फिश	1504.52	2.00
8	हॉर्स मेकेरेल	1328.51	1.76
9	लेस्सेर सारडीन्स	1002.50	1.33
10	स्नेप्पर	940.32	1.25
11	बरकुडास	792.14	1.05
12	लेदर जैकेट	722.79	0.96
13	बॉम्बे डक	348.73	0.46
14	ट्रिवालीस	261.45	0.35
15	डोलफिन फिश	256.60	0.34
16	सैल फिश	244.05	0.32
17	हल्फ बीक्स	185.60	0.25
18	मरलिन्स	175.36	0.23
19	ओरियंटल बोनियो	160.70	0.21
20	क्वीन फिशोस	86.73	0.12
21	हैरिंग्स	80.52	0.11
22	मुल्लेट	70.86	0.09
23	सी बास	36.28	0.05
24	कोबिया	34.43	0.05
25	फ्लेट नीडल फिश	24.30	0.03
26	इंडियन इलिशा	21.08	0.03
27	इंडियन साल्मन	18.70	0.02

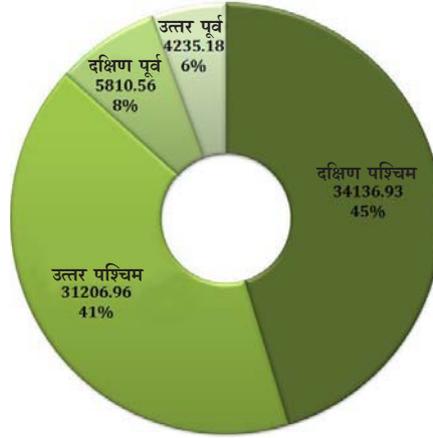
28	हिल्सा	18.24	0.02
29	लेडी फिश	13.35	0.02
30	सिल्वर सिल्लागो	6.88	0.01
31	मिल्क फिश	2.14	0.00
32	रेनबो रन्नर	1.89	0.00
33	इंडियन थ्रेड फिश	1.71	0.00
कुल		31821.14	42.21
डिमेरसेल फिनफिश			
34	बुल्स आईस	6508.61	8.63
35	जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	5381.33	7.14
36	क्रोकर्स	3683.78	4.89
37	लिजार्ड फिश	2312.74	3.07
38	कैट फिश	1589.44	2.11
39	सोल फिश	1263.20	1.68
40	मून फिश	1132.21	1.50
41	पोम्फ्रेट्स	651.78	0.86
42	रीफ कोड्स	584.57	0.78
43	गोट फिश	498.71	0.66
44	ईल	256.85	0.34
45	रेस	162.21	0.22
46	पोनी फिशोस	148.65	0.20
47	पैट फिश	54.80	0.07
48	व्हिप फिन डल्वर बिड्डी	45.37	0.06
49	टाइगर पेरच	36.65	0.05
50	इंडियन हालिबट	26.60	0.04
51	एम्पर ब्रीम	26.07	0.03
52	घोल	17.91	0.02
53	सी ब्रीम्स	14.06	0.02
54	स्पाइन फूट्स	4.35	0.01
55	बांडेड सिक्ल फिश	3.00	0.00
56	ट्रिगर फिश	2.83	0.00
57	व्हाइट स्नेपर	2.70	0.00
58	फ्राइल फिश	0.53	0.00
59	स्पॉटेड बटर फिश	0.12	0.00

कुल			
शेलफिश			
क्रस्टासियन्स			
60	पेनाइड थ्रिम्प	6347.97	8.42
61	सी क्रैब	944.08	1.25
62	पेनाइड थ्रिम्प से भिन्न	166.80	0.22
63	मड क्रैब	69.01	0.09
64	लोबस्टर	57.04	0.08
कुल		7584.91	10.06
मोल्लुस्क्स			
65	स्क्वड	7682.27	10.19
66	कटल फिश	2868.50	3.80
67	ऑक्टोपस	1023.54	1.36
68	व्हेल्क	0.22	0.00
कुल		11574.52	15.35
कुल शेलफिश		19159.43	25.41
कुल पकड़		75389.62	100.00

क्षेत्रवार अवतरण

क्षेत्र वार अवतरण के आंकड़ों के मूल्यांकन करने पर, यह देखा गया है कि दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें केरल, कर्नाटक और गोवा राज्यों के तटों में फैले हुए चयन किए गए 16 अवतरण स्थानों से सबसे सबसे अधिक 34,136.93 टन (45%) रिकॉर्ड की गई है। महाराष्ट्र और गुजरात के तट शामिल उत्तर पश्चिम क्षेत्र और उसके 7 चुने हुए अवतरण स्थानों की भागीदारी 31,206.96 टन (41%) रही। (चित्र 3 देखें) दक्षिण पूर्व क्षेत्र के तमिलनाडू और आंध्र प्रदेश शामिल 14 बन्दरगाहों की भागीदारी सबसे कम यानि कुल पकड़ का केवल 8% रहा, जबकि मार्च, 2017 के दौरान उड़ीशा और पश्चिम बंगाल शामिल उत्तर पूर्वी तट के 10 चुने हुए अवतरण स्थानों से सबसे कम मात्रा (4235.18 टन) रिकॉर्ड किया गया।

दक्षिण पश्चिम, दक्षिण पूर्व और उत्तर पूर्व के



चित्र 3. मार्च, 2017 के दौरान रिकॉर्ड किए गए क्षेत्र वार अवतरण

क्षेत्रों में अवतरण में पेलोजिक फिनफिश की अधिकता रही और दक्षिण पश्चिम के तटों पर अवतरित पेलोजिक फिनफिश की मात्रा अप्रत्याशित रूप से अधिक रही (चित्र 4 देखें)। उत्तर पश्चिम क्षेत्र में अवतरण में डिमेरसल फिनफिश के अवतरण की मात्रा अन्य दोनों श्रेणियों के अवतरण के मुकाबले अधिक रही। दक्षिण को छोड़कर सभी क्षेत्रों में शेल फिश सबसे कम अवतरित हुई।

प्रत्येक क्षेत्र में अवतरण में जिन पाँच मुख्य मत्स्य के मदों की प्रमुखता रही उसे तालिका 3 में दर्शाया गया है।

तालिका 3. मार्च, 2017 के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में अवतरित प्रमुख मदें		
मद	मात्रा टन में	क्षेत्र के अवतरण में से
दक्षिण पश्चिम		
इंडियन ऑइल सारडीन	6232.81	18.26
इंडियन मेकेरल	4525.51	13.26
स्क्वड	2838.19	8.31
बुल्सआईडस्की फिन्ड	2808.69	8.23
जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	2388.34	7.00
उत्तर पश्चिम		
स्क्वड	4468.74	14.32

जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	2854.71	9.15
रिबन फिश	2827.00	9.06
क्रोकर	2616.37	8.38
बुल्सआईडस्की फिन्ड	2534.14	8.12
दक्षिण पूर्व		
टूना	1005.94	17.31
सीयर फिश	442.94	7.62
ब्राउन थ्रिम्प	388.20	6.68
कटल फिश	350.62	6.03
स्क्वीड	300.50	5.17
उत्तर पूर्व		
क्रोकर	835.68	19.73
इंडियन मेकेरल	412.51	9.74
सी कैब	383.13	9.05
मरीन थ्रिम्प (करिक्काड़ी)	255.24	6.03
रिबन फिश	252.49	5.96

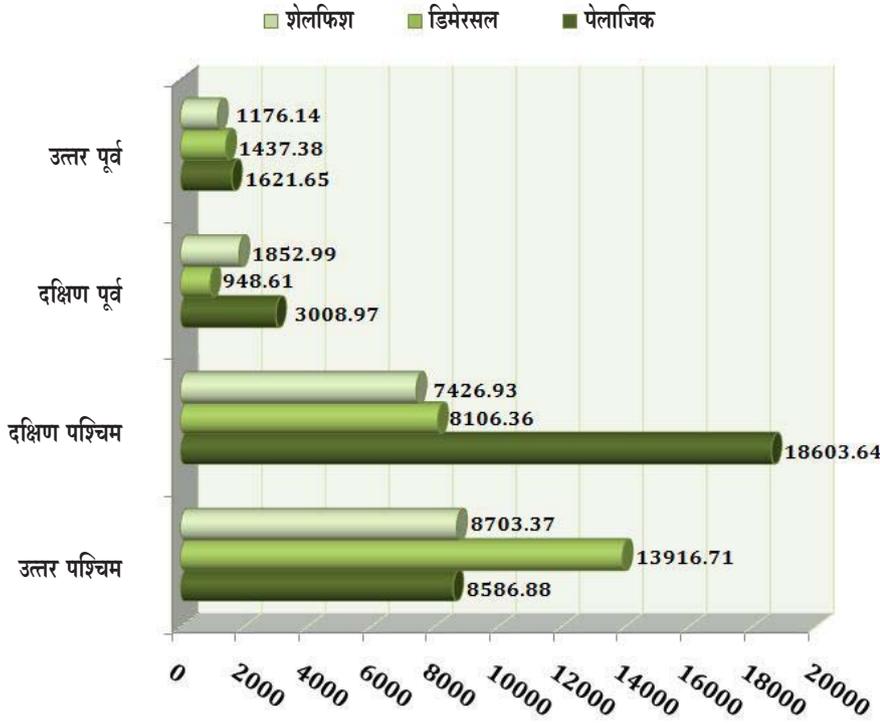
राज्यवार अवतरण

इस अवधि के दौरान सबसे अधिक समुद्री मछलियाँ का अवतरण कर्नाटक में रिकॉर्ड किया गया, जो 20,657.12 टन रही, और यह कुल पकड़ की 27% से अधिक रहा (चित्र 5 देखें)। माह के दौरान गुजरात में लगभग 18,946.41 टन की पकड़ रिकॉर्ड की गई, जो कुल पकड़ की लगभग 25% भाग था। 12,314.46 टन (16%) के साथ केरल तीसरे स्थान पर और 16% की भागीदारी (12,260.55 टन) के साथ महाराष्ट्र चौथे स्थान पर रहा। कुल पकड़ का 85% पश्चिमी तट के ये चार राज्यों में पकड़ी गई। सबसे अधिक मात्रा में पकड़ 2998.27 टन (4%) आंध्र प्रदेश में रिकॉर्ड की गई। माह में सबसे कम समुद्री मछली की पकड़ गोवा में रिकॉर्ड की गई जहां केवल 1,165.35 टन ही अवतरित हुई।

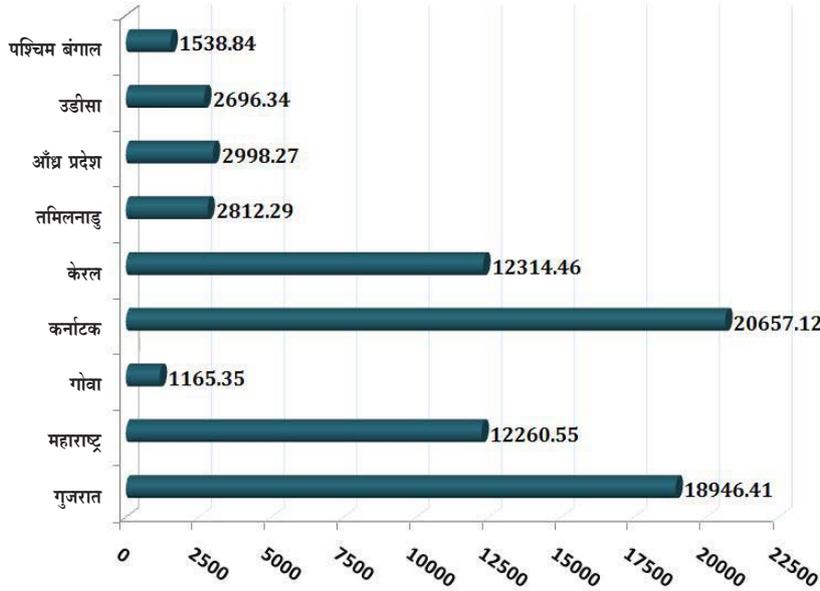
मार्च के दौरान प्रत्येक राज्य में हुए अवतरण में

तालिका 4. मार्च, 2017 के दौरान विभिन्न राज्यों में अवतरित प्रमुख मर्दों

मर्द	मात्रा टन में	राज्य के अवतरण का कुल
गुजरात		
स्क्वड	2580.00	13.62
रिबनफिश	2475.50	13.07
बुल्स आई डस्की फिन्ड	1754.00	9.26
जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	1519.60	8.02
क्रोकर	1344.90	7.10
महाराष्ट्र		
स्क्वड	1888.74	15.41
जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	1335.11	10.89
क्रोकर	1271.47	10.37
बुल्स आई डस्की फिन्ड	780.14	6.36
इंडियन मेकेरेल	713.97	5.82
गोवा		
इंडियन मेकेरेल	481.50	41.32
मून फिश	224.55	19.27
नीडिल फिश	166.50	14.29
टूना	80.55	6.91
इंडियन ऑइल सारडीन	76.45	6.56
कर्नाटक		
इंडियन ऑइल सारडीन	5392.21	26.10
इंडियन मेकेरेल	3170.12	15.35
जापनीस थ्रेड फिन ब्रीम	1653.06	8.00
स्क्वड	1555.36	7.53
बुल्स आई डस्की फिन्ड	1406.69	6.81
केरल		
स्क्वड	1277.58	10.37
कटलफिश	1131.41	9.19
डीप सी थ्रिम्प	1125.11	9.14



चित्र 4 प्रत्येक क्षेत्र के कुल अवतरण में श्रेणीवार भागीदारी (टन में) की तुलना



चित्र 5 मार्च, 2017 के दौरान राज्यवार मत्स्य अवतरण (टन में)

जिन पाँच मत्स्य मर्दों की प्रमुखता रही, उसके विवरण तालिका 4 में दिया गया है। 8 समुद्री राज्यों में रिपोर्ट किए गए अवतरण में गुजरात को छोड़कर शेष राज्यों में इंडियन मेकेरेल प्रमुख 5 मर्दों में रही। 5 राज्यों में अवतरित प्रजातियों में स्क्वड शामिल रही जबकि टूना चार राज्यों की

सूची में रही। जापानीस थ्रेड बिन ब्रीम, डस्की फिन्ड बुल्स आई आदि की भागीदारी तीन राज्यों में महत्वपूर्ण रही, हालांकि राज्यों के मर्दों में विभिन्नता रही।

बंदरगाहवार अवतरण

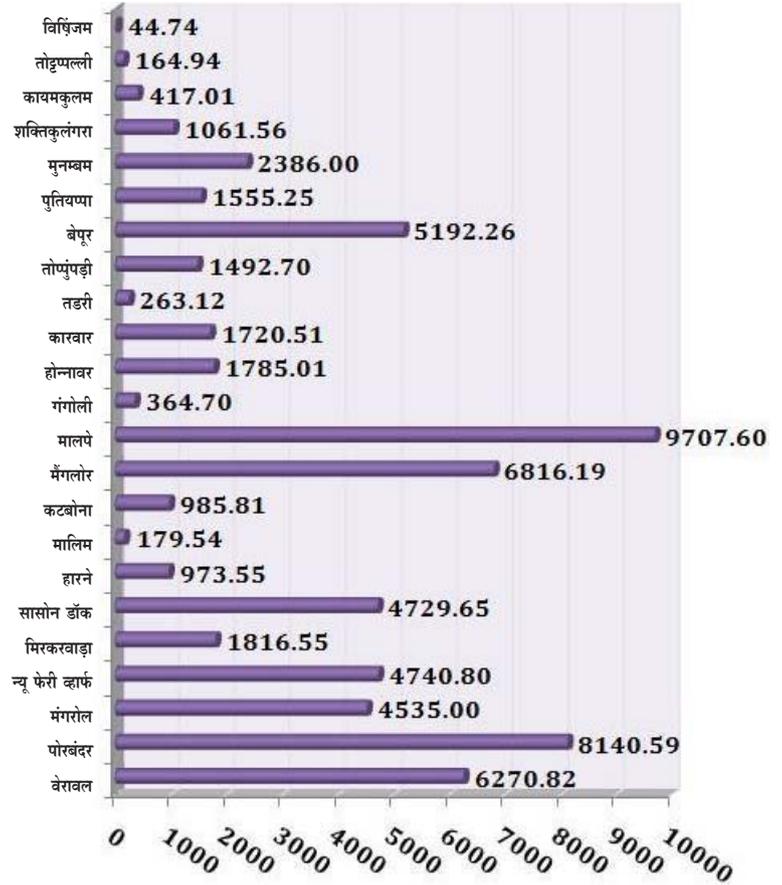
माह के दौरान 47 बंदरगाहों में से, जिसे आंकड़े

टूना	932.71	7.57
इंडियन मेकेरेल	873.89	7.10
तमिल नाडु		
टूना	344.04	12.23
कटलफिश	322.57	11.47
इंडियन स्काड	242.55	8.62
स्क्वड	173.68	6.18
इंडियन मेकेरेल	118.40	4.21
आंध्र प्रदेश		
टूना	661.90	22.08
सीयर फिश	394.86	13.17
ब्राउन थ्रिम्प	359.00	11.97
इंडियन मेकेरेल	174.65	5.83
टाइगर प्रोन	159.70	5.33
उड़ीशा		
क्रोकर	688.78	25.54
सी क्रैब	352.94	13.09
मेरीन थ्रिम्प (करिक्काड़ी)	181.32	6.72
इंडियन मेकेरेल	173.02	6.42
हॉर्स मेकेरेल	136.57	5.06
पश्चिम बंगाल		
इंडियन मेकेरेल	239.49	15.56
क्रोकर	146.90	9.55
रिबन फिश	137.58	8.94
इंडियन ऑइल सारडीन	106.81	6.94
गोल्डेन आंचोवी	91.96	5.98

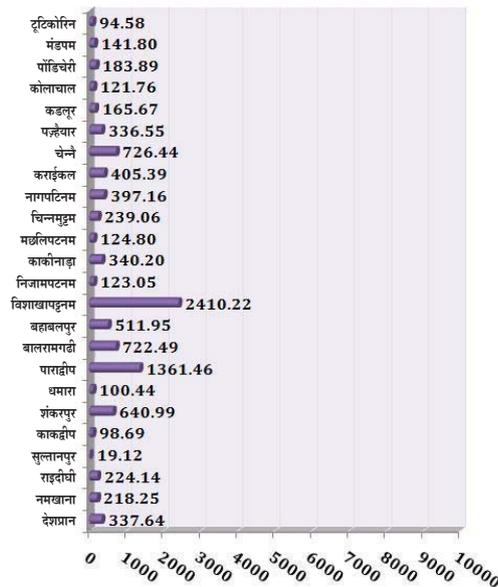
एकत्रित करने के लिए चयन किए गए थे, 23 पश्चिम तट के और 24 पूर्वी तट के थे और दोनों तटों के बंदरगाहवार अवतरण क्रमशः चित्र 6 और 7 में दर्शाया गया है। इन बन्दरगाहों में से, कर्नाटक के मालपे बन्दरगाह में सबसे अधिक क्रमशः 9,707.60 टन (13%) अवतरण दर्ज किए गए, उसके बाद का स्थान 8,140.59 टन

(11%) के साथ गुजरात के पोरबंदर बन्दरगाह सबसे अधिक पकड़ रिकॉर्ड की गई, वह है का रहा। इस अवधि के दौरान रिपोर्ट किए गए 6,816.19 टन के साथ मैंगलोर बन्दरगाह तीसरे स्थान पर रहा। पूर्वी तट पर जिस बन्दरगाह में

सबसे अधिक पकड़ रिकॉर्ड की गई, वह है विशाखापटनम बन्दरगाह, जहां पर 2,410.22 टन मछलियों का अवतरण हुआ। कुल 47 बन्दरगाह में से 17 में 1000 टन से अधिक का



चित्र 6. मार्च, 2017 के दौरान पश्चिमी तट में स्थित बन्दरगाहों में अवतरण (टन में)



चित्र 7 मार्च, 2017 के दौरान पूर्वी तट पर स्थित बन्दरगाहों में अवतरण (टन में)

अवतरण हुआ, जिसमें से 15 पश्चिमी तट पर है। सबसे कम मात्रा में अवतरण पश्चिम बंगाल के सुल्तानपुर बन्दरगाह पर हुआ (19.12 टन)।

जहाजों के आगमन के आधार पर आकलन

मार्च में चुने हुए बन्दरगाहों में 32,019 जहाजों के आगमन दर्ज किए गए, उसमें से जिन बन्दरगाहों में माह के दौरान 1000 से अधिक जहाजों के आगमन दर्ज किए गए हैं उसके विवरण तालिका 5 में दिया गया है। गुजरात के वेरावल बन्दरगाह में सबसे अधिक जहाजों के आगमन रिकॉर्ड किये गए और वहां पर कुल 3,713 जहाजों के आगमन हुए, उसके बाद का स्थान

मालपे बन्दरगाह का रहा और वहाँ पर 2,685 जहाजों के आगमन दर्ज हुए। अपनी पकड़ के साथ बन्दरगाह में पहुँचने वाले मत्स्य यानों में से 75% से अधिक ट्रोलर की श्रेणी के थे, और शेष जहाजें पर्स सीनेर्स, रिंग सीनेर्स, गिल नेटेर्स और पारंपरिक नौकाएँ थी।

तुलनात्मक विश्लेषण

मार्च माह के आंकड़ों की तुलना जनवरी और फरवरी के आंकड़ों के साथ तालिका 6 में प्रस्तुत की गई है। मार्च, 2017 में रिकॉर्ड की गई कुल पकड़ में फरवरी की तुलना में 6000 टन की कमी देखी गई है। फरवरी के मुकाबले पेलेजिक

फिनफिश के अवतरण में 7% की कमी हुई है, जबकि डिमेरसल फिनफिश के अवतरण में 2% की कमी हुई है और शेल फिश के अवतरण में 5% की वृद्धि हुई है। अवतरित होने वाले विभिन्न मत्स्य के मदों में सबसे अधिक मात्रा के रिकॉर्ड के साथ इंडियन ऑइल सारडीन को दूसरे स्थान पर पीछे धकेलते हुए स्क्वड सबसे ऊपर बनी रही। मछलियों के अवतरण के मामले में सभी राज्यों में कर्नाटक प्रथम स्थान पर रहा, हालांकि भागीदारी में 6% की कमी हुई और सबसे अधिक अवतरण के साथ मालपे बंदरगाह प्रथम स्थान पर रहा। जहाजों के कुल अवतरण में मार्च माह में लगभग 800 जहाजों की वृद्धि देखी गई है।

सारांश

मार्च, 2017 के दौरान भारत के प्रमुख 47 मत्स्य बन्दरगाहों में कुल मिलाकर 75,389.62 टन समुद्री मत्स्य का अवतरण हुआ, जिनमें पेलेजिक फिन फिश की भागीदारी डिमेरसल फिनफिश और शेलफिश दोनों की मात्रा से अधिक रही। मात्रा के हिसाब से अवतरित होने वाले प्रमुख मत्स्य मद के रूप में स्क्वड रिकॉर्ड की गई। उत्तर पश्चिम और दक्षिण पश्चिम शामिल पश्चिमी तट में कुल पकड़ के 86% अवतरण रिकॉर्ड की गई। 9 समुद्र तटीय राज्यों में सबसे अधिक अवतरण कर्नाटक में दर्ज की गई। चुने हुए लगभग 17 बन्दरगाहों में 1,000 टन से अधिक समुद्री मत्स्य का अवतरण दर्ज हुए और मालपे बन्दरगाह में सबसे अधिक जहाजों के आगमन दर्ज किए गए। माह में सबसे अधिक जहाजों के आगमन वेरावल बन्दरगाह में हुआ।

सारिणी 5 मार्च, 2017 के दौरान 1000 से अधिक जहाजों के आगमन रिकॉर्ड किए गए मत्स्य बन्दरगाह

क्रमांक	मत्स्य बन्दरगाह	राज्य	जहाजों के आगमन की संख्या
1	वेरावल	गुजरात	3713
2	मालपे	कर्नाटक	2685
3	पोरबंदर	गुजरात	2653
4	मंगरोल	गुजरात	2212
5	मैंगलोर	कर्नाटक	1616
6	न्यू फेरी वार्फ	महाराष्ट्र	1470
7	हारने	महाराष्ट्र	1013

सारिणी 6 आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा

	जनवरी, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017
कुल अवतरण	77651.58 टन	81632.97 टन	75389.62 टन
पेलेजिक फिन फिश का अवतरण	46%	49%	42%
डिमेरसेल फिन फिश का अवतरण	33%	30%	32%
शेल फिश का अवतरण	21%	21%	26%
सबसे अधिक अवतरित होने वाली प्रजाति	इंडियन ऑइल सारडीन (15%)	इंडियन ऑइल सारडीन (17%)	स्क्वड (10%)
राज्य में रिकॉर्ड किए गए सर्वाधिक अवतरण	कर्नाटक (32%)	कर्नाटक (33%)	कर्नाटक (27%)
सर्वाधिक अवतरण रिकॉर्ड किए गए बन्दरगाह	पोरबंदर (11%)	मालपे (12%)	मालपे (13%)
जहाजों के कुल अवतरण	33,651	31,205	32,019

Tel :
+91-22 67412824



Madhu Chemicals
Quality Through Innovation

Email :
info@madhuchemicals.com

Aquaculture, also known as aquafarming, is the farming of fish, crustaceans, molluscs, aquatic plants, algae, and other aquatic organisms. Aquaculture involves cultivating freshwater and saltwater populations under controlled conditions, and can be contrasted with commercial fishing, which is the harvesting of wild fish

Our Products



Benzalkonium Chloride 50%	Indian	50 Kgs.
Benzalkonium Chloride 80%	Indian	50 Kgs.
Di Decyl Di Methyl Ammonium Chloride 80%	Akzo-Noble - Sweden	170 Kgs.
Ethylene Diamine Tetraacetic Acid 2na	China	25 Kgs.
Glutaraldehyde 50%	BASF	230 Kgs
Iodine	Chile	50 Kgs.
Nonyl Phenol Ethoxylate (Alphox)	Imported	220 Kgs
Potassium Mono Persulfate/ Triple Salt/ Caroot	German	25 Kgs.
Potassium Permanganate Fine Crystal	Indian	50 Kgs.
Propylene Glycol (Usp / Tech)	Imported	215 Kgs.
Sodium Perborate Mono (Oxygen Contain 15%)	European	20 Kgs.
Sodium Perborate Tetra ((Oxygen Contain 10%)	European	25 Kgs.
Sodium Percarbonate Granules (Oxygen Contain 13%)	China	25 Kgs.
Sodium Percarbonate Tablets (Oxygen Contain 12%)	China	25 Kgs.
Yucca	American	19.95 Kgs.

404, Marathon Max, Mulund Goregaon Link Road,
Opposite Nirmal Lifestyle, Mulund West, Mumbai - 400080.

Mob : +91 9323433533

नेटफिश द्वारा तूतूकुडी के तरुवाइकुलम मत्स्य अवतरण केंद्र का सफाई अभियान

तरुवाइकुलम तमिलनाडु के तूतूकुडी जिले में एक गांव है और मत्स्यन यहाँ पर एक प्रमुख उद्योग है। इस गांव के मछुआरों को जिन्हें तरवई फिशर्स कहा जाता है, मछली पकड़ने के लिए यंत्रिकृत और गैर यंत्रिकृत देशी नौकाओं का उपयोग करते हैं और वे टूना, श्रिम्प और लोबस्टर जैसी वाणिज्यिक मछलियों को पकड़ते हैं। तरुवाइकुलम के मत्स्य अवतरण केंद्र पर लगभग 75 यंत्रिकृत नौकाएं उपलब्ध हैं। निर्यात वस्तुओं के अवतरण के मामले में इस अवतरण केंद्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए नेटफिश ने इस स्थान को मछली की गुणवत्ता प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता, मछली पकड़ने वाले जहाजों की स्वच्छता से प्रबंध करने, अवतरण केंद्र, अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम आदि पर जागरूकता फैलाने के लिए एक संभावित स्थान के रूप में चयन किया है।

तरुवाइकुलम अवतरण केंद्र और आसपास के समुद्र तट प्लास्टिक के कूड़ों, टूटी फूटी जाल के टुकड़ों, थर्मोकॉल और अन्य सामान्य अपशिष्टों के साथ प्रदूषित है। इस स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए तरुवाइकुलम में 16 मार्च 2017 के पूर्वाह्न में तरुवाइकुलम सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के लगभग 45 छात्रों की भागीदारी से एक



आयोजन का उद्घाटन

सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर नेट फिश, तुतीकोरिन के राज्य समन्वयक डॉ विनोत एस रवीन्द्रन ने स्वागत भाषण दिया और नेट फिश के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए और भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के संदर्भ में इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ शाइन कुमार सी एस, उप निदेशक, एमपीएडए एस आर ओ तूतूकुडी ने उद्घाटन भाषण दिया और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अवतरण केंद्रों पर मछलियों की स्वच्छतापूर्ण देखभाल और मुख्य रूप से जैविक प्रदूषण के

कारण अस्वीकरण से बचने के महत्व के बारे में समझाया। डॉ आई जगदीस, प्रधान वैज्ञानिक, सीएमएफआरआई ने मुख्य भाषण दिया और स्थाई मत्स्यन और समुद्री पारिस्थितिकी के अनुरक्षण के महत्व के बारे में बताया। डॉ गणेशन, सहायक प्रोफेसर, फिशरीज कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, तूतूकुडी ने समुद्री प्रदूषण और उससे समुद्री जीवों पर पड़ने वाले घातक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।

राज्य के मत्स्य पालन विभाग के श्री टी विजयाराघवन ने गैरकानूनी तरीके से मछली पकड़ने के तरीकों जैसे पर्स सीनिंग, पेयर ट्रेलिंग, ब्लास्ट करके मछली पकड़ना और पुराने जालों



सफाई कार्यों में लगे छात्र और मछुआरे

को समुद्र में छोड़ देना; और उसके प्रभाव के बारे में बताया। डॉ. टैगोर डी-रॉस, निदेशक, सीआरएसडी रोज ने समुद्र तटों और बंदरगाहों की सफाई में सामुदायिक भागीदारी के महत्व के बारे में बताया। सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, तरुवाइकुलम के संकाय श्री एस एंटोनी रविकांत ने समुद्र तटों और अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई में छात्रों की भूमिका पर बात की।

तरुवाइकुलम के मछुआरे संघ के नेता श्री टी लुर्द राज ने अवतरण केन्द्रों पर बाह्यसंरचना सुविधाओं के विकास के लिए सरकार की सहायता की आवश्यकता के बारे में बताया। तरुवाइकुलम में यंत्रीकृत नौकाओं के नेता श्री पी एंटोनी चर्चिल ने प्रतिबंधित मत्स्यन जाल और मौजूदा मत्स्यन कानूनों, नियमों और विनियमों को सही तरीके से कार्यान्वित करने के संबंध में बात की।

उद्घाटन के बाद अधिकारियों, छात्रों और मछुआरों ने अवतरण केंद्र और समुद्र तट की



अभियान का उदघाटन सत्र

सफाई की। प्रतिभागियों को पांच समूहों में विभाजित किया गया - दो समूह अवतरण हॉल की सफाई में लग गए और तीन समूह समुद्र तट की सफाई में लग गए। हाथ के दस्ताने, जूट के बस्ते (50 किलो क्षमता के), बांस से बनी टोकरियाँ, झाड़ू, ब्लीचिंग पाउडर, बाल्टियाँ और फिनोल जैसे संग्रहण किट उन्हें दिये गए।

लगभग एक घंटे तक चले सफाई कार्यकलाप के द्वारा लगभग 350-600 किलोग्राम

(लगभग) बैग सहित प्लास्टिक, नायलॉन की रस्सियाँ, बहकर किनारे लगे सीमेंट के खाली प्लास्टिक बैग, जालों के टुकड़े आदि समुद्र तट से एकत्र किए गए। ब्लीचिंग पाउडर और फिनोल छिड़कने के बाद अवतरण केंद्र को साफ पानी से धोया गया। मछुआरों के बीच सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान अत्यधिक प्रभावी साबित हुआ और अब वे निर्यात के संदर्भ में मत्स्य अवतरण केंद्र की सफाई के महत्व को समझने लग गए हैं।

अंशदान आदेश/ नवीकरण फार्म

कृपया एमपीईडीए न्यूज़ लेटर के अंशदाता के रूप में मुझे / हमें नामांकित करें/ मेरे/ हमारे विद्यमान अंशदान का नवीकरण करें। एक वर्ष के लिए अंशदान शुल्क की राशि सचिव, एमपीईडीए के नाम जारी रु. 1000/- के कोचि में अदेय स्थानीय चेक/ डी डी सं.
.....तारीख इसके साथ संलग्न है।

पत्रिका को निम्नलिखित पते पर भिजवा दें:

.....
.....

दूरभाष सं.: फ़ैक्स :

ईमेल:

विवरण के लिए कृपया संपर्क करें:

संपादक, एमपीईडीए न्यूज़ लेटर, एमपीईडीए हाऊस, पनम्पिल्ली नगर, कोचि - 682 036

दूरभाष : 2311979, 2321722, फ़ैक्स : 91-484-2312812. ईमेल : newslet@mpeda.gov.in

आईसीएआर-सीआईबीए ने पेसेफिक वाईट श्रिम्प (पनेऊस वनामी) फ़ार्मिंग पर एक मोबाइल एप “वनामी श्रिम्पएप” को लाँच किया

आई सीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्राकिशवाटर अक्वाकल्चर (आईसीएआर-सीआईबीए) ने “वनामी श्रिम्पएप” नामक एक एंड्रॉइड आधारित एक मोबाइल एप को लाँच किया है, ताकि श्रिम्प फ़ार्मिंग क्षेत्र के हितधारकों के बीच तकनीकी जानकारी का प्रसार किया जा सके। वर्तमान में यह एप “अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न” के रूप में पेसेफिक वाईट श्रिम्प (पनेऊस वनामी) फ़ार्मिंग के बेहतर प्रबंधन प्रणालियों पर जानकारी प्रदान करता है और यह राज्यों के तटीय क्षेत्रों के श्रिम्प कृषकों और क्षेत्रीय स्तर के कार्यकर्ताओं को लक्ष्य करता है। उपयोग करने वाले ग्राहक सामग्री को या तो विषय वस्तु के रूप में या कुंजी शब्द खोज के माध्यम से देख सकता है। इसके अलावा, उपयोग करने वाले अपनी पूछताछ को “पूछ ताछ करें” विकल्प के माध्यम से भी पोस्ट कर सकते हैं और उसका जवाब उन्हें दो कार्य दिवसों के भीतर दिया जाएगा। वर्तमान में पी. वनामी को बहुत कम लवणता से लेकर समुद्रीय लवणता तक विभिन्न स्तर के तकनोलोजी को अपनाकर कृषि की जा रही है। जिसमें व्यापक, शून्य पानी विनिमय से लेकर बायोफ्लॉक आधारित गहन प्रणालियां और विभिन्न प्रोटीन सामग्रियों के साथ तैयार किए गए फ़ीड आदि शामिल है। वर्तमान में पी वनामी श्रिम्प की फ़ार्मिंग 9 तटीय राज्यों में लगभग 60,000 हेक्टेयर में की जा रही है। जिनमें से अधिकतर छोटे



पैमाने के कृषक है और उससे 3.6 लाख टन का उत्पादन होता है और निर्यात से रु 22,000 करोड़ मूल्य प्राप्त होता है।

श्रिम्प की कृषि, राज्यों के तटीय इलाकों के लगभग 1.5 लाख कृषि परिवारों और 2.0 लाख कृषि श्रमिकों को आजीविका प्रदान करती है। एप को हिंदी, तेलगू, तमिल, उड़िया, बंगाली और गुजराती भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। तकनीकी विकास के आधार पर एप को नियमित अंतराल पर अपडेट किया जाएगा। डॉ एम कुमारन, श्री पी आर आनंद, डॉ डी डेबोरल विमला, श्री जे अशोक कुमार और डॉ

के के विजयन आदि वैज्ञानिकों के दल ने इस “वनामीश्रिम्पएप” को विकसित किया है।

आईसीएआर-सीआईबीए के “स्थापना दिवस” के अवसर पर 4 अप्रैल, 2017 को “वनामीश्रिम्पएप” का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ सीआईबी के निदेशक डॉ के के विजयन की उपस्थिति में “द हिन्दू” अखबार समूह के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी श्री बाबुराज वी नायर द्वारा किया गया। “वनामीश्रिम्पएप” का शुभारंभ के बारे में हितधारकों को मोबाइल व्हाट्सएप, फेसबुक, ग्रुप एसएमएस, आधिकारिक पत्र, ईमेल और व्यापक उपयोग के लिए वेबसाइटों

जैसे सामाजिक माध्यम से भेजी जा रही है। इस एप को भारतीय श्रिम्प कृषकों से प्राप्त “अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों” के आधार पर विकसित किया गया है। यही हालात दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशियाई देशों और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कहीं और भी वनामी कृषि पर लागू हो सकता है। इस ऐप को मुफ्त में गूगल प्लेस्टोर से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

(<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.vanami.shrimpapp&hl=en>)



ARCL Organics Ltd

The only manufacturer of PMC Binder in India

SPREADING OUT GLOBALLY & INNOVATIVELY

WATER STABILITY is an IMPORTANT Criteria in SHRIMP & FISH FEED.

WHAT BINDER TO USE ?
HERE WE HAVE THE ANSWER-

AQUA STRONGBOND



Advantages of AQUA STRONGBOND

- Low Inclusion Level.
- Better Water Stability.
- Cost Effective.
- Better Feed Pelleting Properties.
- Less Moisture Absorbing Property.
- It leaves more space in the formulation for the inclusion of other essential ingredients.
- Environmental Friendly.
- It acts as a toxin binder.
- It is Melamine Free & Dioxin Free.
- Less dust formation during transporting.




ARCL Organics Ltd
13, Camac Street, Kolkata- 700017
Ph: +91-33 22832865, Fax: 91- 33 2283 2857
Email: aqua@arcl.in
Mukesh Mundhra, Director;
Biswajit Chand: (M) 93391 46661

AQUA STRONGBOND IS ENVIRONMENTAL FRIENDLY AND IT IS HIGHLY BIODEGRADABLE



Binder To Improve Quality of AGRICULTURAL PELLETS

- Active Ingredient: Polymethylolcarbamide
- Use Level: Will vary depending on feed type, ingredients and processing conditions.
Shrimp Feed: 4 to 7 kg / ton
Fish Feed: 1 to 3 kg / ton
- Packaging: 25 kilogram, tied inner poly bag with sewn outer woven nylon outer bag.
- Storage: Store in a dry, cool place.




Serving the INDUSTRY Since 1959

www.arclorganics.com

अलंकारिक मत्स्य कृषि को बढ़ावा देने के लिए एमपीईडीए द्वारा जागरूकता अभियान

क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने मार्च, 2017 के दौरान केरल के विभिन्न स्थानों पर 8 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

कोच्चि ने व्याख्यान दिए और अलंकारिक मत्स्य प्रजनन इकाइयों की स्थापना के लिए एमपीईडीए की वित्तीय योजनाओं के बारे में समझाया।

लिए सब्सिडी योजना के बारे में 2 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। एमपीईडीए के अधिकारियों द्वारा अलंकारिक मत्स्य उद्योग की वर्तमान स्थिति पर एक संक्षिप्त विवरण के साथ



कार्यक्रमों का उद्देश्य एमपीईडीए द्वारा अलंकारिक मत्स्य कृषि और एमपीईडीए के वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम से कुल 378 प्रतिभागियों को लाभ प्राप्त हुआ। इस अभियान में अलंकारिक मत्स्य कृषि के बुनियादी पहलुओं पर डॉ रंजीत कुमार सी आर, तकनीकी सलाहकार, क्षेत्रीय कार्यालय,

क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम

एमपीईडीए ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम के माध्यम से आंध्र प्रदेश, श्रीकाकुलम जिले के रानस्तलम में 8 मार्च को और उप क्षेत्रीय कार्यालय, भीमावरम के माध्यम से नेल्लोर जिले के मुथुकुर गांव में 23 मार्च, 2017 को अलंकारिक मत्स्य इकाइयों के

अभियान का शुभारंभ हुआ। श्री के अनिल कुमार, तकनीकी सलाहकार, क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम ने अलंकारिक मत्स्य प्रजनन इकाइयों की स्थापना के लिए एमपीईडीए की वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम से कुल 115 सदस्य लाभान्वित हुए। प्रतिभागियों को सम्बद्ध विषय



पर साहित्य वितरित किए गए। इस अभियान में संबंधित क्षेत्र के कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति भी रही।

कार्यक्रम प्रबन्धक, मध्यप्रदेश

एमपीईडीए, अलंकारिक मत्स्य विभाग

(ओएफडी), भोपाल, मध्य प्रदेश ने देवास, भोपाल और जबलपुर जिलों में मार्च, 2017 में “अलंकारिक मत्स्य फ़ार्मिंग: एक उद्यमता” पर छह जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। आयोजित कार्यक्रमों में 168 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश के अलंकारिक मत्स्य

विभाग के कार्यक्रम प्रबन्धक श्री मोहम्मद अरिफ अंसारी ने राज्य के भीतर अलंकारिक मत्स्य पालन के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और एमपीईडीए की योजना के माध्यम से विस्तार के बारे में प्रतिभागियों को बताया। कार्यक्रम में इस क्षेत्र के कुछ प्रतिष्ठित व्यक्ति भी मौजूद रहे।





Shree GANESH

Frozen Food Pack Tray

- Material used Food Stuff (NON TOXIC) & Frozen grade Low temperature resistance at -40° Centigrade.(Block Process use)
- Regular laboratory test for **Quality Maintain & control**
- Production capacity : 20,000 trays per day.
- We also make Plastic tray as per your special required size and design.
- Packing Capacity : 200 Gms. to 2 Kg. Suitable for Retail Sale to Restaurants and directly to the Consumers







Promise to Pack
SQUID, CUTTLE FISH, OCTOPUS,
RIBBON FISH, SHRIMP & Other Items

SHREE GANESH PLAST PACKAGING

Plot No. G-2805, Lodhika G.I.D.C., Vill. Metoda, Nr. 66 K.V. Sub Station, Kranti Gate, Dist. Rajkot - 360 021 (Gujarat) India
E-mail : ganeshplast2004@gmail.com TELE FAX : (F) 02827 - 287935 Mobile : 98256 12813 / 97129 12813

अलंकारिक मत्स्य कृषि और अलंकारिक मत्स्य प्रजनन और फ़ार्मिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने 23-24 मार्च, 2017 को एरणाकुलम के कच्चेरिप्पडी स्थित आशीरभवन में “अलंकारिक मत्स्य कृषि में जैव सुरक्षा का कार्यान्वयन” पर एक 2 दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केरल के विभिन्न भागों से 28 अलंकारिक मत्स्य प्रजनकों ने भाग लिया जो एमपीईडीए स्कीमों के लाभार्थी थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य अलंकारिक मत्स्य प्रजनकों को अलंकारिक मत्स्य कृषि में जैविक सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानने के लिए, जोखिम के कारणों का आकलन करने के लिए और महत्वपूर्ण नियंत्रण सीमाओं की पहचान करने का अवसर प्रदान करना था। इस प्रशिक्षण में विभिन्न रोगों के लिए संगरोध और उपचारात्मक उपायों को भी शामिल किया गया।

केयूएफओएस के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ अन्ना मेर्सी (आरआई) कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम सह-समन्वयक थी। इस कार्यक्रम में अलंकारिक मत्स्यों में जैविक सुरक्षा, जोखिम वाले कारकों का मूल्यांकन, महत्वपूर्ण नियंत्रण पॉइंट्स, रोगजनकों का बहिष्करण, संगरोध, रोग और उपचार के उपायों को लागू करना और जैवसुरक्षा में ख्याल रखने वाली चीजों की पहचान करना आदि विषयों को शामिल किया गया। एमपीडीए के सहायक निदेशक श्रीमती रेबेका जोस ने प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित की। डॉ रंजीतकुमार, पाठ्यक्रम समन्वयक (ओएफडी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।



प्रतिभागियों की एक झलक

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई

(क) आदर्श अलंकारिक मत्स्य कृषि पर उन्नत प्रशिक्षण

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई ने मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र (एफ आर एंड ई सी), तमिलनाडु फिशरीज यूनिवर्सिटी के सहयोग से 21 से 23 मार्च, 2017 तक माधवराम दूध कॉलोनी में “आदर्श अलंकारिक मत्स्य कृषि” पर एक 3 दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में चेन्नई राज्य के विभिन्न हिस्सों से 33 लाभार्थियों ने भाग लिया। यह एमपीईडीए द्वारा तमिलनाडु फिशरीज यूनिवर्सिटी के मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र में आयोजित पहला उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

एमपीईडीए क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई के नेटफिश राज्य समन्वयक डॉ आर बालसुब्रमण्यम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ

मणिकंठवेलु ने मुख्य भाषण दिया। फिशरीज रिसर्च और एक्सटेंशन सेंटर के प्रोफेसर डॉ उमा ने बधाई संदेश दिया। एमपीईडीए चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय के अलंकारिक मत्स्य प्रभाग के कार्यक्रम प्रबंधक डॉ सतीश सहायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अलंकारिक मत्स्य के इतिहास और प्रजनन तथा अनुवंशिकी के आधुनिक तरीके, जल, संसाधन और गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांत, अलंकारिक मत्स्य के लिए जीवित खाद्य कृषि, सामान्य बीमारियां और अलंकारिक मत्स्य के स्वास्थ्य प्रबंधन, जल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का प्रयोग, अलंकारिक मत्स्य कृषि को बढ़ाने के लिए सौर ऊर्जा को उपयोग में लाना, अलंकारिक मत्स्य का व्यापार, विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने में एमपीईडीए की भूमिका आदि विषय प्रस्तुत किए गए।

कक्षाओं का आयोजन डॉ एस शिवकुमार सहायक प्रोफेसर, के वी के, काट्टुपक्कम, डॉ माणिकंठवेलु, प्रोफेसर और प्रमुख एफआर



प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक झलक



फार्म के दौरे का एक दृश्य

हिस्सों के 21 लाभार्थियों ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया। यह एमपीईडीए द्वारा तमिलनाडु फिशरीज यूनिवर्सिटी के मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र में आयोजित दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एमपीईडीए, क्षेत्रीय केंद्र, चेन्नई के उप निदेशक श्री विजयकुमार सी यारागल ने की। मुख्य भाषण डॉ माणिकंठवेलु, प्रोफेसर और प्रमुख, फिशरीज रिसर्च और एक्सटेंशन सेंटर ने दिया। फिशरीज रिसर्च और एक्सटेंशन सेंटर के प्रोफेसर डॉ उमा ने बधाई संदेश दिया। एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई के अलंकारिक मत्स्य प्रभाग के कार्यक्रम प्रबंधक डॉ सतीश सहायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान अलंकारिक मत्स्य कृषि से परिचय इतिहास और संभावनाएं, जल संसाधन और गुणवत्ता प्रबंधन के सिद्धांत, अलंकारिक मत्स्य फार्मों के प्रबंधन और धन की व्यवस्था, अलंकारिक मत्स्य के लिए जीवित खाद्य कृषि, अलंकारिक मत्स्य के स्वास्थ्य प्रबंधन, अलंकारिक मत्स्य फार्मों के वाणिज्यिक स्तर पर विस्तार के लिए प्रजनन, अलंकारिक मत्स्य के आधुनिक तरीके से प्रजनन और अनुवंशिकी, अलंकारिक मत्स्य फार्मों के डिजाइन और

और इसी, डॉ इलया रानी, जीवित खाद्य सलाहकार (लाइव फीड कंसल्टेंट), कोलात्तूर, डॉ ए उमा, प्रोफेसर और प्रमुख एफआर और इसी, डॉ राजारामन, अलंकारिक मत्स्य विशेषज्ञ, कोलात्तूर, डॉ के कृष्णकुमार, ऑसिल अक्वापोनिक्स, श्री विजित स्माइलिन राज, श्री बी जयवेल, पॉलीलाईनिंग सलाहकार और डॉ सतीश सहायक, कार्यक्रम प्रबंधक, ओ एफ डी, एमपीईडीए, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई आदि लोगों ने किया।

प्रतिभागियों के लिए एमपीईडीए स्कीम के तहत स्थापित एक ग्रेड यूनिट पर एक क्षेत्रीय दौरे का भी आयोजन किया गया, जहां अलंकारिक मत्स्य

की विभिन्न किस्मों के लिए प्रजनन गतिविधियों के बारे में प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

(ख) “अलंकारिक मत्स्य कृषि” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई ने तमिलनाडु फिशरीज यूनिवर्सिटी के मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र (एफआर एंड ईसी) के सहयोग से चेन्नई में माधवराम मिल्क कालोनी में 28 फरवरी से 3 मार्च 2017 तक “अलंकारिक मत्स्य कृषि” पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। राज्य के विभिन्न



श्रोताओं को संबोधित करते हुए एमपीईडीए, आर ओ चेन्नई के उप निदेशक श्री विजयकुमार सी यारागल



प्रशिक्षार्थियों की एक झलक

निर्माण, पुनः परिसंचरण अक्वाकल्चर सिस्टम्स, खाद्य और खिलाने के तरीके, खाद्य गठन और तैयारी, अलंकारिक मत्स्य का निर्यात और पैकिंग के तरीके आदि विषय लिए गए।

डॉ माणिकंठवेलु, प्रोफेसर और प्रमुख एफआर एंड ईसी पाठ्यक्रम के निदेशक थे। अन्य विशेषज्ञों में नंदनम गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ डल्मिन, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज के डॉ इलया रानी, कोलतूर के जीवित खाद्य सलाहकार (लाइव फीड कंसल्टेंट) डॉ ए उमा, प्रोफेसर और प्रमुख. एफआर एंड ईसी, ओर्नमेंटल फिश कल्चर सोसायटी, कोलतूर के अध्यक्ष श्री वीरमैनदान, के वी के, काडुपक्कम के सहायक प्रोफेसर डॉ एस शिवकुमार,

नंदनम गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ महेश, ओसिल अक्वापोनिक्स डॉ के कृष्णकुमार, फिशरीस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी के प्रोफेसर डॉ एन फेलिक्स और एमपीईडीए, चेन्नई के अलंकारिक मत्स्य विभाग के कार्यक्रम प्रबन्धक सतीश सहायक आदि रहे। फार्म में किए जा रहे गतिविधियों के बारे में परिचय कराने के लिए प्रतिभागियों के लिए एमपीईडीए से सहायता प्राप्त ग्रेड यूनिट पर क्षेत्रीय दौरे का भी आयोजन किया गया।

प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया था कि वे कार्यक्रम के बारे में अपनी प्रतिक्रियाएं दें और प्रशिक्षण कार्यक्रम को समाप्त करते हुए

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी जारी किए गए। समापन समारोह के अवसर पर श्री विजयकुमार सी यारागल, उप निदेशक, एमपीईडीए, आर डी चेन्नई, डॉ. माणिकंठवेलु, प्रोफेसर और प्रमुख, मत्स्य अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, श्री बी जयवेल, पॉली लाइनिंग तालाब निर्माण सलाहकार और डॉ सतीश सहायक, परियोजना प्रबन्धक, ओ एच डी, एमपीईडीए, आर डी, चेन्नई आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

एमपीईडीए, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता, सी आई एफ ई, कोलकाता के सहयोग से 27 से 29 मार्च, 2017 तक अलंकारिक मत्स्य प्रजनन और कृषि पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुब्रतो रॉय, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता ने की और डॉ बी के महापात्र, प्रिंसिपल वैज्ञानिक और ओ आई सी, सी आई एफ ई, कोलकाता, डॉ सुहेन्दू दत्ता, प्रिंसिपल वैज्ञानिक, सीआईएफई, कोलकाता और श्रीमती सुभलक्ष्मी बनर्जी, पीएम, ओएफडी आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान स्वदेशी और विदेशी अलंकारिक मत्स्यों की पहचान और प्रजनन, अलंकारिक मत्स्य कृषि के लिए पानी की गुणवत्ता के मानकों का महत्व और विभिन्न पानी के मापदंड, अलंकारिक मत्स्य के लिए जीवित खाद्य का महत्व और कृषि तकनीकों का विश्लेषण, अलंकारिक मत्स्यों की आम बीमारियाँ और उसके नियंत्रण के उपाय, अलंकारिक मत्स्यों के रंगों के रखरखाव और संवर्धन के लिए खाद्य आदि विषयों को प्रशिक्षण में शामिल किए गए। डॉ बी के महापात्रा, डॉ सुभेन्द्र दत्ता, डॉ एस मुनीकुमार, डॉ ए बिस्वास,



भागीदारों की एक झलक

श्री डी के सिंह और श्री पी के बेहरा ने कक्षाओं का आयोजन किया।

कार्यक्रम में कृत्रिम खाद्य की तैयारी, कांच के अक्वेरियम का निर्माण और उसके रखरखाव, फिल्टर प्रणाली और अक्वेरियम में विभिन्न फिल्टर की स्थापना पर व्यावहारिक सत्र भी आयोजित किए गए। प्रशिक्षुओं को सीआईएफई, कोलकाता की विभिन्न सुविधाओं, सीआईएफई के नम प्रयोगशाला, और उसमें चल रही अनुसंधान परियोजनाओं से भी परिचय कराया गया। कार्यक्रम के अंत में भागीदारी प्रमाणपत्र और क्षेत्रीय भाषा में प्रशिक्षण मैनुअल का भी वितरण किया गया।

उप क्षेत्रीय कार्यालय

क्षेत्र के संभावित अलंकारिक मत्स्य पालन में रुचि रखने वाले लोगों के लिए “अलंकारिक मत्स्य उत्पादन और विपणन” पर एक 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एस आर ओ, मैंगलोर द्वारा के वी के, कंकानडी, मैंगलोर के सहयोग से 6 से 8 मार्च, 2017 तक के वी के, कंकानडी, मंगलौर द्वारा प्रदान किए गए संगोष्ठी हॉल में आयोजित किया गया। अलंकारिक मत्स्य के प्रति उत्साही और क्षेत्र के स्वयं सहायता दल के सदस्यों सहित 20 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण

कार्यक्रम में भाग लिया।

लायंस क्लब, छोटा मैंगलोर के श्रीमती सपना हरीश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और कॉलेज ऑफ फिशरीस, मंगलोर के प्रभारी



डीन डॉ ई जी जयराज ने अध्यक्षता की। आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्र, कंकानाडी, मंगलौर के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ शिवकुमार मगधा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

तकनीकी सत्रों का आयोजन डॉ शिवकुमार मगधा, डॉ ई जी जयराज, के वी के, कंकानाडी, मैंगलोर के फिशरीज डिवीजन के वैज्ञानिक डॉ अन्नप्पा स्वामी, कॉलेज ऑफ फिशरीज, मैंगलोर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ फील्ड सहायक श्री अशोक खडवी और वरुण बागलोदी, टी सी, ओ एफ डी ने किया। अलंकारिक मत्स्य के क्षेत्र में उपलब्ध अवसर, भारत में और दुनिया भर में अलंकारिक मत्स्य व्यवसाय में उपलब्ध अवसर, अलंकारिक मत्स्य के लिए खाद्य, अलंकारिक मत्स्य फार्मों में पानी की

गुणवत्ता प्रबंधन, अलंकारिक मत्स्य का विपणन और रोग प्रबंधन आदि विषयों को कार्यक्रम के दौरान कवर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सफल उद्यमियों के खेतों में एक प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की गई। प्रशिक्षार्थियों के लिए एक फीड बैक सत्र भी आयोजित किया गया और ब्रोशर तथा प्रमाण पत्र के वितरण के साथ प्रशिक्षण समाप्त हुआ।

अलंकारिक मत्स्य प्रभाग, बिहार

एमपीईडीए, बिहार के अलंकारिक मत्स्य प्रभाग ने डी एन एस के क्षेत्रीय सहकारिता प्रबंधन संस्थान में 29 से 31, मार्च 2017 तक एक तीन दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20

और रोग प्रबंधन, अक्वेरियम का निर्माण और एमपीईडीए की योजनाओं आदि विषयों को कवर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कक्षाओं का संचालन मास्टर डेविड, कृषि समन्वयक, श्री एच एन ठाकुर, मत्स्य विशेषज्ञ (फिशरीज एक्सपर्ट), डी एन एस क्षेत्रीय सहकारिता प्रबंधन संस्थान, पटना, श्री पुरुषोत्तम कुमार, बी टी एम, एटीएमए और श्री अविनाश कुमार, टीसी, ओएचडी द्वारा किया गया।

व्याख्यान पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को प्रदर्शित करके समझाया गया। प्रतिभागियों को राज्य मत्स्य पालन अनुसंधान केंद्र, मितापुर के अलंकारिक मत्स्य प्रजनन अनुभाग में ले

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन एमपीएडए, आर डी विजयवाड़ा के उप निदेशक श्री आर्चिमान लाहिरी ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने अलंकारिक मत्स्य कृषि के महत्व और अलंकारिक मत्स्य उद्योग की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री पी हरि बाबू, एसोसिएट डीन और कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस, मुतुकुर की अध्यक्षता में हुई। डॉ टी वी रमणा, श्री वेंकटेश्वरा वेटिनरी यूनिवर्सिटी, तिरुपति ने मुख्य भाषण दिया। डॉ चंद्रशेखर राव, सहायक प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर, श्री के गुरुनाथम रेड्डी, स्थानीय उद्यमी और श्री के अनिल कुमार, तकनीकी सलाहकार (ओएफडी), एमपीईडीए, आंध्र प्रदेश आदि लोगों ने बधाई संदेश दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम



कार्यक्रम की एक झलक

प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डी एन एस क्षेत्रीय सहकारिता प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ के पी रंजन ने किया। श्री ए एन झा और श्री एच एन ठाकुर आदि अन्य गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे। यह एमपीईडीए के अलंकारिक मत्स्य विभाग, बिहार द्वारा आयोजित प्रथम बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम था।

प्रशिक्षण में अलंकारिक मत्स्य प्रजनन और उसके इतिहास, साधारण अंडे देने वाले और जीवन धारकों की पहचान, साधारण अलंकारिक मत्स्य की जैविकता, पानी की गुणवत्ता, खाद्य

जाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम ने आंध्र प्रदेश के एस पी एस आर नेल्लोर जिले के मुतुकुर में 10 से 13 अप्रैल, 2017 तक श्रीवेंकटेश्वरा वेटिनरी यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ फिशरीस साइंस के मत्स्य विज्ञान अक्वाकल्चर विभाग के सहयोग से “अलंकारिक मत्स्य प्रजनन और कृषि” पर एक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

में 30 लाभार्थियों ने भाग लिया।

तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ ए चंद्रशेखर राव, सहायक प्रोफेसर और पाठ्यक्रम समन्वयक, सीएफएससी, मुतुकुर, डॉ डी आर के रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर, डॉ पी हरि बाबू, प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर, श्री हरि साडू, सीएफएससी, मुतुकुर, श्री पी आनंद प्रसाद, सीएफएससी, मुतुकुर, सुश्री हरिनी, सीएफएससी, मुतुकुर, डॉ ए सी एस राव, सहायक प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर, श्री सी प्रभंजन कुमार रेड्डी, सीएफएससी, मुतुकुर, डॉ के

माधवी, सहायक प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर, कुमारी के त्रिवेणी, सीएफएससी, मुतुकुर, डॉ टी टी नीरजा, सहायक प्रोफेसर, सीएफएससी, मुतुकुर और श्री के गुरुनाथम रेड्डी, मैसर्स मारुती अक्वा फार्म, इनामादुगु आदि लोगों ने किया। अलंकारिक मत्स्यों में अंडा देने वाले और प्रजनन

करने वाले मत्स्य, अक्वेरियम का निर्माण और उसका रखरखाव, पानी की गुणवत्ता प्रबंधन, अक्वेरियम के सामान, अक्वेरियम निर्माण, अलंकारिक मत्स्य खाद्य और खाद्य की तैयारी, अक्वेरियम मत्स्यों की बीमारियाँ, फिल्टरेशन, पैकिंग और परिवहन, अलंकारिक मत्स्य विपणन

की रणनीति और उद्यमता विकास जैसे विषय प्रस्तुत करके उस पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के भाग के रूप में प्रशिक्षार्थियों को एक कृषि प्रदर्शक यात्रा भी कराया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन के दौरान प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।



प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन



संकाय सदस्यों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

Ensure Seafood safety with advanced Chemical and Microbial testing technologies

Test more than
150 samples in 2
hours

Features:

- ✓ Full Automation of EIA/ ELISA Procedure
- ✓ Versatility to meet Lab Demands
- ✓ Unique Modular Design
- ✓ Intelligent Resource Management
- ✓ **Romer AgraQuant VDR Kit with Gemini EIA Automation** for huge sample load
- ✓ Highly approved and reliable confirmatory method for easy enumeration – **Compact Dry VP**



Compact Dry *Vibrio parahaemolyticus*

Sb

SHAH
BROTHERS
Future. Ready.

Wadala Shree Ram Industrial Estate, Unit No-C-32, Third Floor, G D Ambekar Marg, Wadala, Mumbai, Maharashtra 400031

Email ID: info@shahbros.com Web: www.shahbros.com Tel No.: 022 43560400/428

अक्वाकल्चर परिदृश्य

“उत्तरदायित्वपूर्ण श्रिम्प कृषि और अक्वाकल्चर में वैविध्यकरण” पर संगोष्ठी

एल. वनामी को अपनाने सहित वर्तमान मत्स्यपालन तरीकों के बदलते परिवेश में उड़ीसा के जगतसिंहपुर जिले में वैज्ञानिक श्रिम्प कृषि तेजी से विकसित हो रही है। इससे पहले जो बड़े जलाशय पारंपरिक घेरी कृषि के तहत थी उसे लाभप्रद लगने की वजह से एल वनामी के वैज्ञानिक कृषि में परिवर्तित किए जा रहे हैं। यद्यपि लगभग 3000 हेक्टेयर के एक बड़े क्षेत्र को वैज्ञानिक श्रिम्प कृषि के तहत लाया गया है, फिर भी कुछ किसान अभी भी कम फायदेमंद परंपरागत कृषि पद्धति को जारी रखे हुए हैं, जिनमें से कुछ मड क्रैब को पालने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। गिफ्ट तिलापिया की कृषि को हाल ही में जिले में सफल प्रदर्शन के बाद स्वीकृति मिल रही है। इस संदर्भ में, मत्स्यपालन में हुए हाल के विकास के बारे में कृषकों को शिक्षित करने के लिए जगतसिंहपुर जिले के एरसामा में 22 मार्च 2017 को “उत्तरदायित्वपूर्ण श्रिम्प कृषि और अक्वाकल्चर में वैविध्यकरण” पर एमपीईडीए के क्षेत्रीय प्रभाग, भुवनेश्वर द्वारा एक



कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जगतसिंहपुर के समाहर्ता श्रीमती यामिनी सारंगी भा प्र से

संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में अक्वाकृषक, एमपीईडीए और राज्य मत्स्य विभाग के अधिकारियों सहित 118 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पंजीकरण के बाद प्रतिभागियों को प्रचार सामग्री, तालाब के आंकड़ा पुस्तिका और बेहतर प्रबंधन तरीकों पर पत्रक आदि प्रदान किए गए।

जगतसिंहपुर के समाहर्ता व जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती यामिनी सारंगी भा प्र से ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संगोष्ठी में उपस्थित अन्य मान्य व्यक्तियों में एमपीईडीए के प्राधिकरण सदस्य श्री बी के साहू, जगतसिंहपुर के जिला मत्स्य अधिकारी श्री जन नारायणन समल, एरसामा के खंड विकास अधिकारी एस सी आचार्य,



ओएस आदि थे।

श्री यू सी मोहपात्रा, उप निदेशक, एमपीईडीए, क्षेत्रीय प्रभाग, भुवनेश्वर ने अपने स्वागत भाषण में उड़ीसा में श्रिम्प कृषि के विकास के हाल के रुझानों और देश के निर्यात में राज्य की हिस्सेदारी पर एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने एमपीईडीए के वित्तीय योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बात की जिसमें जीपीएस मैपिंग और फार्म का नामांकन करना, निर्यात के लिए अक्वाकल्चर के वैविध्यकरण, अक्वा क्लबों के माध्यम से सहकारी दृष्टिकोण, गोपालपुर में पीसीआर निदान प्रयोगशाला में सुधार, भुवनेश्वर में गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला आदि शामिल हैं।

श्रीमती यामिनी सारंगी भा प्र से ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान किसानों को तकनीकी सत्र के दौरान विशेषज्ञों के साथ बातचीत और चर्चा के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के बारे में जानकारी देने के लिए उन्हें सही समय में अवसर प्रदान करने की सराहना की। उन्होंने अधिक से अधिक उद्यमियों को तटीय अक्वाकल्चर के लिए आगे आने और पट्टे पर सरकार से उपयुक्त भूमि प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में सहायक व्यवसाय की सुविधा भी होगी।

एमपीईडीए के प्राधिकरण सदस्य श्री बसंत कुमार साहू ने किसानों से अनुरोध किया कि वे कृषि विशेषज्ञों के साथ नियमित संपर्क करके अक्वाकल्चर में हाल के घटनाक्रमों के बारे में जागरूक रहें। उन्होंने सहकारी दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा कि संपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए अक्वा क्लबों का गठन करें। तटीय मत्स्यपालन के इस उपक्रम से ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिलेगा और इससे उनकी आमदनी में सुधार होने के साथ साथ अप्रत्यक्ष रूप से देश को



तकनीकी सत्र की एक झलक

भी निर्यात से आय की प्राप्ति होगी। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे एल वनामी कृषि के विस्तार पर सतर्क रहें और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होने वाली बीमारी की घटनाओं को रोकें, ताकि अधिक से अधिक कृषक सफल फसलों को देखने के बाद श्रिम्प कृषि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो।

श्री जनार्जन समल, जिला मत्स्य पालन अधिकारी, जगतसिंहपुर ने अपने बधाई संदेश के दौरान किसानों द्वारा पंजीकरण के प्रति बेरुखी दिखाने के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की और किसानों को सुझाव दिया कि अपने श्रिम्प फार्मों को सी ए ए के साथ पंजीकृत कराएं। उन्होंने राज्य सरकार की सहायता योजनाओं, सी ए ए पंजीकरण की प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तार से बताया और आश्वासन दिया कि कार्यप्रणाली के अनुपालन के लिए सहायता करेंगे और अक्वाकल्चर के क्षेत्र में बेहतर विकास के लिए दिशानिर्देश देंगे। उन्होंने पट्टे पर उपयुक्त सरकारी भूमि की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी और किसानों से अनुरोध किया कि वे इसका लाभ उठाएँ।

उद्घाटन समारोह के दौरान श्री एस सी आचार्य,

ओएस, खंड विकास अधिकारी, इरसामा ने बधाई दी और जिले में श्रिम्प फार्मों के अपने पूर्व अनुभवों और वर्तमान सुधार के बारे में बात की। श्री एन वी ताम्बाडा, सहायक निदेशक, एमपीईडीए क्षेत्रीय प्रभाग, भुवनेश्वर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

एल वनामी कृषि की बेहतर प्रबंधन प्रथाएं, हालिया उभरती बीमारियां, उसके रोकथाम और नियंत्रण, गुणवत्ता के मुद्दे, निर्यात करने के लिए अक्वाकल्चर में वैविध्यकरण जैसे मड क्रैब और तिलापिया आदि के बारे में चर्चा की गई। प्रतिभागियों के लाभ के लिए अक्वा सोसाइटी के माध्यम से बीएमपी को अपनाने के बारे में स्थानीय भाषा में एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

एक समूहिक चर्चा का भी आयोजन किया गया, जिसमें भाग लेने वाले कृषक विभिन्न पहलुओं पर अपने संदेह को दूर करने के लिए अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर सकते थे। श्री एम एस शिरोडकर, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एमपीईडीए के धन्यवाद ज्ञापन के साथ तकनीकी सत्र संपन्न हुआ।

एमपीईडीए के क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा द्वारा आयोजित कृषकों की बैठक

एमपीईडीए के क्षेत्रीय प्रभाग, विजयवाड़ा ने “अक्वाकल्चर में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग” पर गुंटूर जिले के रेपल्ले में 22 मार्च, 2017 को और “2017 में अक्वाकल्चर की समस्याएँ और संभावनाएँ” पर प्रकाशम जिले के वेटापालेम में 10 मार्च, 2017 को एक एक करके दो बैठकें आयोजित की गईं।

गुंटूर जिले में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्रगतिशील श्रिम्प कृषक और (वर्ष 2013 और 2015) के लिए एमपीईडीए के सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार विजेता श्री विश्वनाथपल्ली वेंकटेश्वरराव ने किया। तकनीकी सत्रों का आयोजन श्री सी जे संपत कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), श्री आर्चिमान लाहिरी, उप निदेशक, डॉ पी श्रीनिवासुलु, सहायक निदेशक और श्री अप्पाला नायडू सहायक परियोजना प्रबंधक, आर जी सी ए ने किया। इस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र के 150 कृषकों ने भाग लिया था।

प्रकाशम जिले के कार्यक्रम का उद्घाटन प्रगतिशील श्रिम्प कृषक और चिराला के माननीय विधायक श्री अमाची कृष्ण मोहन ने किया। तकनीकी सत्रों का संचालन एमपीईडीए के श्री सी जे संपत कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), श्री आर्चिमान लाहिरी, उप निदेशक, डॉ पी श्रीनिवासुलु, सहायक निदेशक एन ई सी एस ए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के षण्मुख राव और आर जी सी ए के सहायक परियोजना प्रबंधक श्री अप्पाला नायडू ने किया। इस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र के 100 किसानों ने भाग लिया।

सभी बैठकों में श्रिम्प कृषि में एंटीबायोटिक



प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एमपीईए के श्री सी जे संपत कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण)



उद्घाटन भाषण देते हुए चिराला के माननीय विधायक श्री अमाची कृष्ण मोहन

के उपयोग के जोखिम, श्रिम्प के रोग और उसका प्रबंधन, अक्वाकल्चर के लिए उपलब्ध वैकल्पिक प्रजातियां, मत्स्यपालन के विकास के लिए एमपीईडीए की नई योजना, अक्वाकल्चर में वैविध्यकरण, स्थाई विकास के लिए अक्वा सोसाइटियों के गठन में नाक्सा की भूमिका,

श्रिम्प कृषि के लिए बेहतर प्रबंधन प्रणालियाँ जैसे विषय प्रस्तुत करके उस पर चर्चा की गई। कृषकों ने श्रिम्प कृषि में बेहतर प्रबंधन प्रणालियों पर तेलुगू भाषा में एक जानकारीपूर्ण वीडियो लाने के लिए एमपीईडीए द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

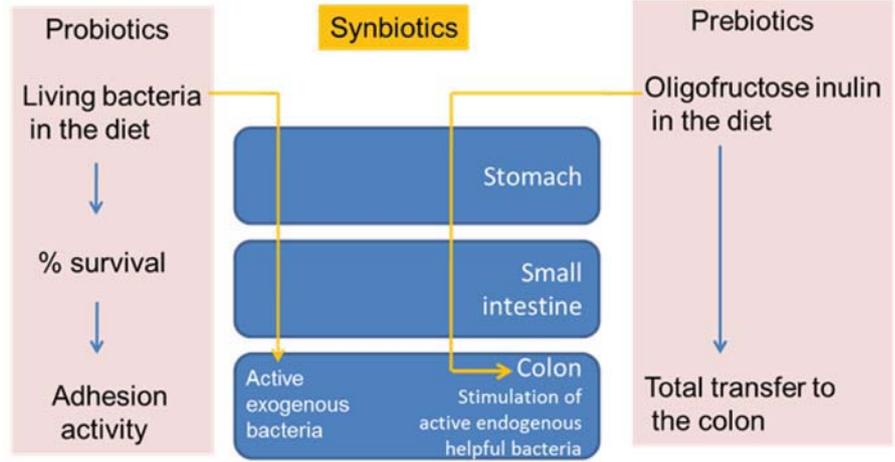
अक्वाकल्चर में सिन्बायोटिक्स

शामना एन, के ए मार्टिन जेवियर और एन पी साहू, आईसीएआरसीआई एफई, वसोवा, मुंबई 400 061, महाराष्ट्र

भूमिका

अक्वाकल्चर को अब विश्वभर में एक लाभदायक उद्यम माना जाता है। अच्छी प्रबंधन प्रणालियों को अपनाए बिना इसके विस्तार करने से व्हाइट स्पॉट सिंड्रोम वायरस (डब्लू एस एस वी), शीघ्र मरने की बीमारी (एली मोर्टेलिटी सिंड्रोम) (ईएमएस) जैसे और अन्य संक्रामक रोगों का कारण बना। हाल के दिनों में इन प्रकोपों को दवाओं या एंटीबायोटिक दवाओं द्वारा नियंत्रित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण में एंटीबायोटिक दवाओं के अवशिष्ट का प्रभाव पड़ा। रोगों की रोकथाम और उसका इलाज मत्स्यपालन के कुल व्यय का 5 से 5.5 होता है। हानिकारक प्रभावों के बारे में जाने बिना किसान एक बार प्रकोप होने पर तालाब में एंटीबायोटिक दवाओं को उंडेल देते हैं। मछलियों में एंटीबायोटिक के प्रतिरोधी रोगजनकों से और उसके अवशेषों से बचने के लिए अक्वा फार्मों में प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स का प्रयोग जैविक नियंत्रण रूप में किए जा रहे थे (क्रिज़ुला एट अल., 2011)। प्रोबायोटिक्स द्वारा प्राप्त पारिस्थितिकी संतुलन को प्रीबायोटिक्स को शामिल करके बढ़ाया जा सकता है। इस संयोजन को अन्यथा सिन्बायोटिक के रूप में जाना जाता है और मछलियों और शेलफिश को सिर्नर्जिसम के माध्यम से बेहतर विकास और रोग प्रतिरोध प्रदान करता है।

अक्वाकल्चर फार्मों में प्रोबायोटिक्स की विस्तृत विविधता वाले मिश्रणों का आयोजन किया गया है और लैक्टोबैसिलस, यीस्ट (खमीर) और बैसिलस प्रजातियां (क्रिज़ुला एट अल 2011) सबसे अच्छी होने की रिपोर्टिंग की गई है। इनमें से कुछ को व्यावसायिक रूप से सफल होने के बारे में रिपोर्ट किया गया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि इन जीवित सूक्ष्मजीवों के बेहतर प्रदर्शन



के लिए प्रीबायोटिक्स आवश्यक हैं। प्रीबायोटिक्स गैरपाचन योग्य खाद्य घटक है जो कि मेजबान (होस्ट) को हितकारी रूप में कोलेन्स में एक या सीमित संख्या में जीवाणुओं की वृद्धि और/ या गतिविधि को उत्तेजित करता है (गिब्सन और रोबरफ़ोर्ड, 1995)।

प्रोबायोटिक्स की कार्यप्रणाली

प्रोबायोटिक्स की कार्यप्रणाली निरोधक यौगिकों के उत्पादन पर आधारित है जैसे बैक्टीरियोसिस जो अन्य सूक्ष्मजीवों को रोकते हैं जो आसंजन स्थान और पोषक तत्वों के लिए प्रतिस्पर्धा द्वारा झुंड में बढ़ने से रोकता है। इनमें से कुछ रोगाणु पेट में होने वाले स्थानांतरण को रोकता है और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में वृद्धि करती है। प्रोबायोटिक्स से स्रावित डिफेन्सिन और केमोकाइन्स जैसी रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स मेजबान (होस्ट) की प्रतिरक्षा प्रणाली का भी समर्थन करती है। माइक्रोबियल पाचन कोशिका अतिरिक्त एंजाइम और पोषक तत्वों का उत्पादन करके प्रोबायोटिक्स को समर्थन देती है।

प्रीबायोटिक्स की कार्यप्रणाली

अध्ययन किए गए आम प्रीबायोटिक्स में ओलिगोसैकेराइड, पेप्टाइड्स और कुछ प्रोटीन

शामिल है। मन्नानोलिगोसेकेराइड (एमओएस), ज़ीलानोलिगोसेकेराइड (एक्सओएस), फ्रुट्टोलीगो-साचहाइड (एफओएस), इनुलीन इत्यादि का मछलियों में अच्छी तरह से अध्ययन किया गया है। प्रीबायोटिक्स की कार्यप्रणाली के पीछे की संभावित मेकेनिस्म छोटी आंतों के मार्ग में लाभकारी बैक्टीरिया के एक खाद्य स्रोत के रूप में कार्य करना है, जो छोटी शृंखला फैटी एसिड और कई विटामिन के संश्लेषण के रूप में कार्य करके उसका समर्थन करते हैं। ल्यूकोसाइट्स में बढ़ी हुई फैटी एसिड की छोटी शृंखला के साथ जी युग्म प्रोटीन रिसेप्टर्स मछली की प्रतिरक्षा को बढ़ाते हैं। इसके अलावा वे पेट में हानिकारक रोगजनक बैक्टीरिया के विकास को भी रोकते हैं और पित्त अम्ल के चयापचय में सहायता करते हैं। इन प्रीबायोटिक्स के पाचन से पेट में पीएच की कमी होती है, और एंजाइमों की पाचन गतिविधि को बढ़ा सकते हैं।

अक्वाकल्चर में प्रीबायोटिक्स और प्रोबायोटिक्स के प्रयोग में होने वाली बाधाएं

प्रोबायोटिक्स को खाद्य के रूप में, पर्यावरण के माध्यम से और जैव खाद्य संवर्धन के माध्यम से मछलियों को दिए जा सकते हैं। सभी सीमाओं के बावजूद यह देखा गया है कि खाद्य के माध्यम

से दिया जाना सबसे उत्तम तरीका है। लेकिन खुराक का निर्णय करते समय होने वाली हानि और झुंडों की संख्या पर विचार किए जाने चाहिए। मत्स्य के पेट में बैक्टीरियाओं के जीवित रहने और बने रहने को सुनिश्चित करने के लिए प्रोबायोटिक्स और प्रोबायोटिक्स का संयोजन सहायक होता है।

अक्वाकल्चर में सिन्बायोटिक्स की अवधारणायें

सिन्बायोटिक्स प्रोबायोटिक और प्रोबायोटिक दोनों की आपूर्ति के मिश्रित प्रभाव को प्राप्त करने के लिए किए जाने वाला एक संयोजन है। दोनों के सिनेर्जेटिक कार्रवाई अलग से लाभकारी प्रभाव को बढ़ाता है। यदि अलग से दिया जाए तो बैक्टीरियल जमावड़ा और ऑल्लिगोसेकेराइड की गुणों के आधार पर पेट और आंत में उसके प्रोबायोटिक और प्रोबायोटिक कार्य अलग अलग हो सकता है। उदाहरण के लिए मनुष्यों में प्रोबायोटिक्स बड़ी आंत में प्रभावी होते हैं जबकि प्रोबायोटिक्स मुख्य रूप से छोटी आंत में प्रभावी होते हैं। इसलिए जब इसे एक साथ दिये जाते हैं, तो इस कमी को दूर किया जा सकता है और दिये जाने वाले खुराक को भी कम किया जा सकता है। प्रोबायोटिक्स के साथ पूरक के रूप में दिये जाने वाले प्रोबायोटिक्स की सफलता मुख्य रूप से आंत में बैक्टीरिया के विकास की चयनित उत्तेजना के कारण से होते हैं। इस प्रकार जीव की समग्र प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार हो जाता है।

अक्वाकल्चर में इस संबंध में बहुत ही कम अध्ययन हुआ है। रोड्रिगज एस्ट्राडा एट अल (2009) ने पहली बार मछली में सिन्बायोटिक्स के उपयोग के बारे में रिपोर्ट किया है, और उसके बाद इस मामले में कुछ और अध्ययन किए गए हैं। एन्ट्रोकोकस एसपीपी और बैसिलस एफओएस, एमओएस और एक्सओएस के साथ सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले साधन हैं। डैनियल एट अल, (2010) ने रिपोर्ट किया है कि बैसिलस एसपीपी और मन्ना

ऑल्लिगोसेकेराइड (एमओएस) के संयोजन ने यूरोपीय लॉबस्टर के लारवा के विकास और प्रतिरक्षा में काफी सुधार हुआ है। दिमितरोगलू एट अल द्वारा किए गए एक और अध्ययन, (2010) ने रिपोर्ट किया है कि एमओएस और सोयाबीन भोजन खिलाये गए गिल्टहेड सी ब्रीम में, सोयाबीन भोजन खिलाये गए समूह में आंत माइक्रोफ्लोरा में बेहतर गतिविधि दिखाई है। रिफसाइट एट अल. (2006) ने रिपोर्ट की है कि इनुलीन (75 ग्राम /किग्रा शरीर का वजन) बढ़ा है और अटलांटिक सालमन में गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल ट्रेक्ट के द्रव्यमान में भी वृद्धि हुई है, जबकि तिलापिया में 26 ग्रा./ कि.ग्रा. की खुराक पर एफओएस ने वृद्धि का दर दिखाया है।

भविष्य की संभावनाएं

जब हम मछली को सिन्बायोटिक्स देते हैं तो हम एक समय में एक रोगाणु और एक अपच वाले पॉलिमर से निपटते हैं। हालांकि हम जिन सकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करते रहे हैं उसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हो सकते हैं, जिसके बारे में संयोजन की सिफारिश करने से पहले हमें अच्छी तरह से अध्ययन करने की जरूरत है। किण्वन प्रौद्योगिकियों में हुई प्रगति ने सही बैक्टीरिया के झुंड और प्रोबायोटिक मैट्रिक्स की पहचान करने में हमारी मदद की ताकि सिन्बायोटिक्स के रूप में उसका उपयोग किया जा सके। लेकिन किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि सभी ऑल्लिगोसेकेराइड प्रोबायोटिक्स के रूप में कार्य नहीं कर सकते हैं। इसलिए, ऑल्लिगोसेकेराइड के आर्थिक उत्पादन के साथ लाभकारी ऑल्लिगोसेकेराइड और बैक्टीरिया झुंड के संयोजन की पहचान करने के लिए विस्तृत शोध होने चाहिए। इसके अलावा सिन्बायोटिक्स क्रिया के तंत्र पर अध्ययन से स्वास्थ्य के पहलुओं में हस्तक्षेप करने के लिए नए मार्ग प्रशस्त होगा।

निष्कर्ष

एक रणनीति जिसमें प्रोबायोटिक्स का लागत प्रभावी उत्पादन होता है और एक मानक खुराक

तथा समन्वय के संयोजन से अक्वाकल्चर फार्मों में उत्पादन में वृद्धि होगा।

संदर्भ:

1. आर्कादियोस दिमित्रोगलू, दानिएल ली मेरीफ्रील्ड, पीटर सिंग्रग, जॉन स्वीटमेन, रॉय मोटेड, साइमन जॉन डेविस (2010). एफ़ेक्ट्स ऑफ मन्ना ओल्लिगोसेकेराइड (एमओएस) सप्लिमेंटेशन ऑन ग्रोथ पेरफोरमन्स, फीड यूटिलाईजेशंस, इंटेस्टाइनल हिस्टोलोजी एंड गट माइक्रोबायोटा ऑफ गिल्टहेड सी ब्रीम (स्परुस औराटा)। अक्वाकल्चर, 300:182188.
2. कार्ली एल डैनियेलसा, डैनियल एल मेरीफील्ड, डोमिनिक पी बूथरोयड, साइमन जे डेविस, जेन आर फैक्टर, केटी ई आनॉल्ड (2010). एफ़ेक्ट ऑफ डाइटरी बासिल्लस एसपीपी एंड मन्ना ऑल्लिगोसेकेराइड (एमओएस) ऑन यूरोपियन लॉबस्टर (होमारुस गम्मारुस एल.) लारवा ग्रोथ पेरफोरमन्स, गट मोरफोलोजी एंड गट माइक्रोबोटा। एक्वाकल्चर, 304: 4957
3. डेलजेन एन एम एंड रॉबरफ्रोइड, एम बी (1994). फिसियोलोजिकल एफ़ेक्ट्स ऑफ नॉन डाइजेस्टेबिल ऑल्लिगोसेकेराइड्स. लेबेम्स. विस.टेकनोल. 27: 16.
4. रेबेका सेरेज़ुला, जोस मेसेगुएर और मा एंजेल्स एस्टेबान (2011). करंट नॉलेज इन सिन्बायोटिक्स यूस फॉर फिश एक्वाकल्चर: ए रिव्यू. जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट डोई: 10.4172/21559546. एस 1008
5. रोड्रिगजएस्ट्राडा यू, सतोह एस, हागा वाई, फूशिमी एच, स्वीटमेन जे (2009). एन्ट्रोकोकस फाइकालिस, मन्नानोलिओगॉसेकेराइड एंड पॉलीहाइड्रो-ब्यूटिक एसिड ऑन ग्रोथ पेरफोरमन्स एंड इम्यून रेस्पॉस ऑफ रेनबो ट्रोट ऑकोरिचस मायकिस. एक्वाकल्चर सई 57:609617



Looking for a Perfect Bench Scale for Your Seafood Production?

The ICS469 bench scale is ideal for high quality food production where fast weighing and manual portioning in hygienic sensitive areas is required.



+ Increase Productivity

With the help of an ICS469 ergonomic workstation and the colorWeight® display the operator can work more efficiently and speed up production.



+ Monitor Efficiency

Connect your ICS469 scale via Ethernet, WLAN or USB for easy data transfer. Monitor your weighing results from anywhere in real-time with data collection software Collect+.



+ Built for Efficient Cleaning

IP69K protected terminals and hermetic sealed load cells engineered in conjunction with platform designs conforming to the latest hygienic guidelines enable efficient and easy cleaning access to all areas.



+ Compliance

The ICS469 product line is designed using the latest hygienic design guidelines and meets international food standards.



For more information on our ICS469 product range, visit

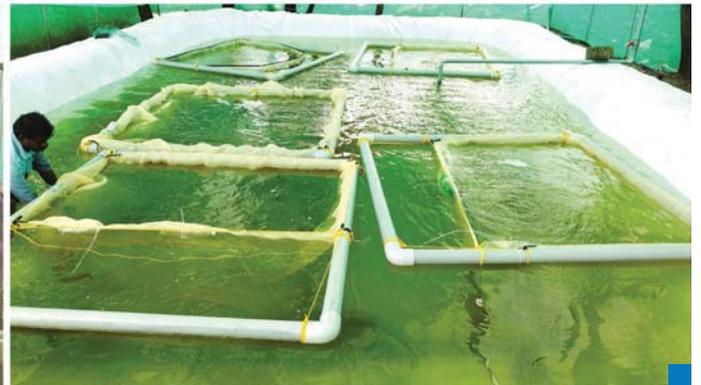
► www.mt.com/ics-scales

METTLER TOLEDO

एमपीएडीए स्वदक्षता परियोजना जीआईएफटी अंगुलों की सप्लाई करते हैं

केंद्रीय वाणिज्य सचिव सुश्री रीता तियोतिया द्वारा औपचारिक रूप से 16 मार्च 2017 को आरंभ की गई एमपीएडीए की स्वदक्षता परियोजना (एसएसपी) ने नर्सरी में पाले गए आनुवंशिक रूप से सुधारे गए पालने वाले तिलोपिया (गिफ्ट) के अंगुलों की आपूर्ति शुरू कर दी है। एमपीएडीए के अध्यक्ष डॉ. ए जयतिलक, भा प्र से ने प्रथम बैच के बीज का हस्तांतरण किया। इस संभावित प्रजाति के 100,000 से अधिक अंगुल ताज़ा पानी में मत्स्यपालन करने वाले केरल के मत्स्य पालन विभाग द्वारा लाइसेंस प्राप्त किसानों को वितरित किया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत, कोचीन के बाहरी इलाके में स्थित वल्लारपाडम परियोजना कॉम्प्लेक्स में एमपीएडीए की एसएसपी इकाई में बाजार में विक्रय योग्य होने तक पालने के लिए गिफ्ट के बीजों की खरीद विजयवाड़ा के आर जी सी ए की सुविधा से और तमिलनाडु के कृष्णागिरि के मत्स्यपालन सुविधा से प्राप्त किया जाता है। नर्सरी यूनिट रोग और मृत्यु दर को कम करने के लिए और जल संरक्षण के लिए आरएएस का उपयोग करता है। इसमें वर्षा जल को जमा करने का तंत्र भी है। इस सुविधा ने गिफ्ट के पालन के लिए हाल ही में एक पोली लाइन तालाब तैयार किया है। एमपीएडीए इस प्रोजेक्ट कॉम्प्लेक्स में अक्वाकल्चर के और अधिक नई प्रजातियों की हैचरी और नर्सरी की सुविधा को शामिल करने की योजना बनाई है, ताकि गुणवत्ता वाले बीज एक्वा किसानों को दिया जा सके।



एमपीईडीए प्रकाशन के लिए विशेष पैकेज

क्रमांक	सामान्य प्रकाशन	विशेष पैकेज
1	इंडियन फिशरी हैंडबुक	<p>स्टॉक क्लीयरिंग के भाग के रूप में एमपीईडीए के मूल्य वाले प्रकाशनों के 13 पुस्तकों के एक सेट के लिए रु 300/मात्र।</p> <p>स्टॉक खत्म होने तक ऑफर रहेगा।</p>
2	एक्स्पॉर्टर्स डायरी डिजिटल सीडी	
3	प्रोडक्ट कैटलोग	
आलंकारिक मत्स्य प्रकाशन		
4	ओर्नमेंटल ट्रेडर्स/ एक्स्पॉर्टर्स डाइरैक्टरी	
5	वाटर क्वालिटी इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 1	
6	इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट ऑफ लाइव फिश इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 2	
7	लाइव फुड कल्चर फॉर दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 3	
8	बायो सेक्युरिटी इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 4	
9	लिविंग ज्यूवल्स ए हैंड बुक ऑन फ्रेशवाटर ओर्नमेंटल फिश	
अक्वाकल्चर प्रकाशन		
10	डीसीसेस इन ब्राकिशवाटर अक्वाकल्चर	
11	डीसीसेस ऑफ कल्चर्ड थ्रिम्प एंड प्रोन्स इन इंडिया	
12	ब्रीडिंग, सीड प्रोडक्शन एंड फार्मिंग ऑफ मड कैब	
13	हैचरी सीड प्रोडक्शन एंड फार्मिंग ऑफ कोबिया इनिशिएटिव	

एमपीईडीए के प्रकाशनों /पत्रिकाओं की मूल्य सूची

क्रमांक	पत्रिकायें	वार्षिक चंदा (रु.)
1	प्राइम वीकली (प्राइस इंडिकेटर ऑफ मरीन प्रोडक्ट्स)	350.00
2	एमपीईडीए न्यूज़ लेटर	1000.00
सामान्य प्रकाशन		मूल्य प्रति कॉपी (डाके खर्च अलग से)
3	इंडियन फिशरी हैंड बुक	250.00
4	एक्स्पॉर्टर्स डायरी डिजिटल सीडी	50.00
5	प्रोडक्ट कैटलोग	150.00
6	कॉफी टेबल बुक	900.00
अलंकारिक मत्स्य प्रकाशनों		
7	ओर्नमेंटल ट्रेडर्स/ एक्स्पॉर्टर्स डाइरैक्टरी	25.00
8	वाटर क्वालिटी इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 1	125.00
9	इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट ऑफ लाइव फिश इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 2	125.00
10	लाइव फूड कल्चर फॉर दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 3	125.00
11	बायो सेक्युरिटी इन दी ओर्नमेंटल अक्वाटिक इंडस्ट्री सीरियल 4	125.00
12	लिविंग ज्यूवल्स ए हैंड बुक ऑन फ्रेश वाटर ओर्नमेंटल फिश	150.00
अक्वाकल्चर प्रकाशनों		
13	डीसीसेस इन ब्राकिवाटर अक्वाकल्चर	100.00
14	डीसीसेस ऑफ कल्चर्ड थ्रिम्प एंड प्रोन्स इन इंडिया	100.00
15	ब्रीडिंग, सीड प्रोडक्शन एंड फार्मिंग ऑफ मड कैब	50.00
16	हैचरी सीड प्रोडक्शन एंड फार्मिंग ऑफ कोबिया इनिशिएटिव	50.00

वर्ल्डफिश राज्य के मत्स्य उत्पादन को बढ़ायेगा

वर्ल्डफिश उड़ीसा को और अधिक मत्स्य उत्पादन के लिए समर्थन देगा और राज्य को देश में प्रमुख मत्स्य उत्पादक राज्य बनायेगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पहल से राज्य में कुपोषण की समस्या को कम करने के साथ साथ उड़ीसा में पोषण की सुरक्षा को भी सुनिश्चित कर सकेगा।

इसके लिए मत्स्य पालन विभाग के निदेशक बिजय केतन उपाध्याय ने वर्ल्डफिश, पेनांग के प्रोग्राम लीडर (अक्वाकल्चर एंड जेनेटिक्स) के प्रोफेसर जॉन बेन्जी के साथ इस मामले पर चर्चा की।

श्री उपाध्याय और प्रोफेसर बेन्जी ने वर्ल्डफिश के तकनीकी सहयोग से उड़ीसा में किए जा रहे प्रसार के बारे में चर्चा की। यह काफी फलदायी और अद्भुत सत्र रहा और मत्स्य पालन निदेशालय ने भविष्य के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

वास्तव में उड़ीसा में अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन

में ताजे पानी के अक्वाकल्चर की भागीदारी लगभग 80 की है और प्रति व्यक्ति मछली की खपत भी 11.23 किलोग्राम प्रति वर्ष है।

इससे यह पता चलता है कि राज्य में मछली की बहुत अधिक मांग है। उड़ीसा मत्स्य पालन नीति 2015 में उत्पादकता में वृद्धि सबसे अधिक प्राथमिकता वाले लक्ष्य के रूप में दर्शाया गया है, इसलिए राज्य को तिलापिया जैसे उच्च उत्पादक किस्मों के पालन को शुरू करने के लिए वैविध्यकरण करने की आवश्यकता है।

स्थानीय तिलापिया उसके छोटे आकार और कम वृद्धि दर के कारण अच्छे बाजार मूल्य प्राप्त नहीं कर पा रहा है। गिफ्ट जो कि वर्ल्डफिश से एक उपहार है, जिसे आंध्र प्रदेश के आरजीसीए-एमपीईडीए केंद्र के माध्यम से भारत में लाया जा रहा है।

वर्तमान में उड़ीसा सरकार वर्ल्डफिश के सहयोग से कौसल्यागंगा मत्स्य फार्म पर एक गिफ्ट पालन केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

इससे वर्ल्डफिश की गतिविधियों के तहत सभी किसानों को बीज के वितरण करने में सहायता मिलेगी जिसमें व्यापक रूप से दोनों, पोली और मोनोकल्चर प्रणाली को सघन रूप से शामिल किया जा सकेगा। इससे वर्तमान 2.5 टन/प्रति हेक्टेयर/ प्रति वर्ष होने वाले वर्तमान मत्स्य उत्पादन को 5 से 10 लाख टन/ प्रति हेक्टेयर/ प्रति वर्ष तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत मत्स्य उत्पादन के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है, लेकिन प्रमुख 10 तिलापिया उत्पादक देशों की सूची में भारत शामिल नहीं है, जिसका विश्व स्तर पर 47 लाख मेट्रिक टन का उत्पादन होता है।

वर्ल्डफिश के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत एक चयनात्मक प्रजनन कार्यक्रम के माध्यम से उत्पादित आनुवंशिक रूप से सुधारे गए तिलापिया में तेजी से विकास प्राप्त करने और खाद्य को तीव्र रूपांतरण करने की क्षमता जैसी विभिन्न विशेषताएं हैं।

-www.dailypioneer.com

समुद्री मत्स्यहरण में भारत ने 2016 में 6.6 की वृद्धि दर्ज की

भारत में समुद्री मत्स्यहरण में पिछले वर्ष के मुकाबले वर्ष 2016 में 6.6 की वृद्धि दर्ज की है, जबकि सार्डिन के अवतरण में गिरावट जारी रही।

केन्द्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) के सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय तटों में कुल मत्स्य अवतरण 3.63 मिलियन टन तक पहुंच गया है। लगातार चौथे वर्ष भी सबसे अधिक मछली के अवतरण के लिए गुजरात सबसे आगे रहा, उसके बाद का स्थान तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल का रहा। सभी तटीय राज्यों के मुकाबले पश्चिम बंगाल,

कर्नाटक, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र और दमन और दीव में समुद्री मछलियों के अवतरण में वृद्धि देखी गई है।

वर्ष 2013 से ही सारडीन की पकड़ में गिरावट आई है। 2016 से मैकेरल ने उस स्थान को ले लिया है, क्योंकि भारतीय तटों में अधिकतम अवतरित होने वाली मछली यही रही। 1998 के बाद यह पहली बार है कि मत्स्य की सबसे अधिक पकड़ के मामले में सार्डिन ने अपनी स्थिति खोई है। 2.44 लाख टन सार्डिन के मुकाबले मैकेरल की पकड़ 2.5 लाख टन रहा। हिलसा शाड की पकड़ में हुई भारी वृद्धि ने

पश्चिम बंगाल को अपने समुद्री मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने में मदद की है, जबकि आंध्र प्रदेश और उड़ीसा में हुए चक्रवाती तूफानों से इन दोनों राज्यों में मत्स्यहरण दिनों में कमी की और पकड़ में भी गिरावट आई है।

वर्ष 2016 में समुद्री मछली के अवतरण का अनुमान रुपये 48,381 करोड़ का रहा, जो उससे एक वर्ष पहले की तुलना में 12 अधिक था। खुदरा स्तर पर रुपये 73,289 करोड़ के मूल्य की गणना की गई है।

सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ ए गोपालकृष्णन ने कहा कि मत्स्य उत्पादन को

टिकाऊस्तर पर बनाए रखने के लिए नियंत्रण उपायों को लागू करने की तत्काल आवश्यकता है। मांग को पूरा करने के लिए हमें अप्रयुक्त और

गैर परंपरागत संसाधनों को प्रयोग में लाना होगा। जलवायु परिवर्तन विशेष रूप से समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि और समुद्र के स्तर में वृद्धि ने

समुद्री मछलियों को प्रभावित किया है।'

-www.economictimes.indiatimes.com

वेम्बनाड में 49 मत्स्य प्रजातियों के होने का पता चला

27 मई, 2017 को दक्षिणी वेम्बनाड झील में आयोजित वार्षिक मत्स्य गणना के दौरान कुल 49 प्रजातियों की पहचान की गई है।

पिछले वर्ष 43 मत्स्य और पांच शैल फिश प्रजातियों की पहचान की गई थी। लगभग 100 शोधकर्ताओं और 12 संस्थानों के छात्रों सहित शिक्षा विदों ने आधे दिन के इस कार्यक्रम में भाग लिया। टीमों ने पूरे झील में स्थित 15 स्थानों से एकत्र मछलियों की पहचान की।

वे दक्षिण क्षेत्र के वेम्बनाड झील के पूर्वी, पश्चिमी और नदी के क्षेत्रों में भी गए। केरल विश्वविद्यालय (केयूएफओएस) के मत्स्य पालन और समुद्री विज्ञान के पूर्व अनुसंधान निदेशक के.वी. जयचंद्रन ने कहा कि "छात्रों ने मछलियों की लगभग 37 प्रजातियों और शैल फिश की 7 से 10 प्रजातियों की पहचान की है, जिनमें से 10 प्रजातियां सभी क्षेत्रों में पाए गए, जबकि 13 प्रजातियां केवल दो यात्राओं में ही पाए गए हैं।"

पारिस्थितिकी और पर्यावरण में अनुसंधान के अशोक ट्रस्ट ने ही इसका आयोजन किया था।

राज्य मत्स्य पालन विभाग, केरला स्टेट बायोडाइवर्सिटी बोर्ड, कुफोस, संयुक्त वेम्बनाड कायल संस्करण समिति, वेम्बनाड नेचर क्लब और बायो डाइवर्सिटी इंडिया जैसे विविध एजेंसियां इस पहल का हिस्सा रहे।

- दी टाइम्स ऑफ इंडिया

तमिलनाडु में मछली की बिक्री ऑनलाइन आरंभ

तमिलनाडु सरकार ने www.meengal.com नामक वेबसाइट के माध्यम से मत्स्य और मत्स्य से बने खाद्य वस्तुओं की बिक्री 25 मई 2017 से ऑनलाइन आरंभ कर दी है।

जारी किए गए एक सरकारी विज्ञापित में कहा गया है कि इस पहल को तमिलनाडु फिशरीज डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड प्रोत्साहित कर रहे हैं और ऑनलाइन उत्पादों की बिक्री

औपचारिक रूप से मत्स्य विभाग के मंत्री श्री डी जयकुमार ने एक समारोह में आरंभ की।

फिशरीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के वेबसाइट के अनुसार राज्य में मीठे पानी, खारे पानी, नदी के मुहाने और ठंडे पानी की धाराएं जैसे विभिन्न प्रकार के जलाशय हैं।

इन जलाशयों में 4.5 लाख मेट्रिक टन मत्स्य के उत्पादन करने की क्षमता है। 50 मीटर से कम

की गहराई से 0.719 मिलियन टन और 50 मीटर से अधिक की गहराई से 0.35 मिलियन टन समुद्री मत्स्य पकड़ने की क्षमता का भी अनुमान लगाया गया है।

इसमें कहा गया है कि राज्य में खाद्य की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए मत्स्यहरण महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। पीटीआई विज एस एस

-www.indiatoday.intoday.in

चिलिका में 17 नई मत्स्य प्रजातियाँ पाई गईं

शोधकर्ताओं ने वर्ष 2011 और 2017 के बीच चिलिका की खाड़ी में 17 नई मत्स्य प्रजातियां की खोज की है। विश्व बैंक की आर्थिक सहायता से बंगाल के बैरकपुर स्थित केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान द्वारा यह अनुसंधान आयोजित किया गया था।

अध्ययन ने झील में 335 मत्स्य प्रजातियों की

उपस्थिति का पता लगाया है और झील को एक रामसर स्थान (अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि) के रूप में नामाकरण किया गया है।

अप्रैल माह में राज्य सरकार को सौंपे गए अनुसंधान रिपोर्ट के अनुसार नई मत्स्य प्रजातियों को मार्च 2012 और जून 2016 के बीच दर्ज किया गया है।

चिलिका विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सस्मिता लेंका ने कहा "वर्ष 2015 में इस झील में मत्स्य प्रजातियों की कुल संख्या 318 थी और नए अध्ययन के अनुसार अब यह 335 तक बढ़ गया है, यह खाड़ी की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाता है। चिलिका में केकड़ों की प्रजातियाँ भी अब 35 तक बढ़ गया

हे और अनुसंधान के दौरान और 9 नई प्रजातियां को दर्ज किया गया है।

वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि कुछ नई प्रजातियों का बाजार मूल्य बहुत अच्छा है। उदाहरण के लिए, नियोट्रोपियस अथेरिनोइड्स (इंडियन पोटासी) अपने चमकदार और अनोखी रंगों के कारण अलंकारिक मत्स्य के बाजार में बहुत ही एक लोकप्रिय मत्स्य है। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा “कुछ नई मत्स्य प्रजातियां व्यावसायिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।” वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि चिलिका के 129 प्रजातियां को वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण की सूची में शामिल किया गया है और उसमें से 13 उच्च मूल्य वाली वाणिज्यिक प्रजातियां हैं।

अनुसंधान में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया जिसे पूरा होने में लगभग 66 महीने लग गए। अनुसंधान दल ने अक्सर 12 स्टेशनों से मछली पकड़ने की नावों से नमूने एकत्र करने के अलावा 33 मत्स्य अवतरण केंद्रों का भी लागातार सर्वेक्षण किया। उपलब्धता के आधार पर सर्वेक्षण के लिए लगभग दो से पांच मत्स्यन नौकाओं का उपयोग किया गया था। झील के मत्स्य विविधता के शोध आयोजित करने के लिए रुपये 87 लाख व्यय किये गए।

हालांकि रिपोर्ट से यह पता चला है कि मुगिल सेफालूस (जिसे स्थानीय स्तर पर खेंगा कहा जाता है), डैसियिना अल्बिडा (स्थानीय रूप से बोरोगा कहा जाता है) और एलुथिर्नमा टेट्राडेक्टाइलम (जिसे स्थानीय रूप से सहला के रूप में जाना जाता है) की पकड़ में कमी आई है। अधिकारियों

के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दूसरी तरफ, चेल्लोन मैक्रोलेपिस (डांगला) और इत्रोप्लस सुगटेनसिस (कुंडला) की पकड़ स्थिर बनी रही। अनुसंधानकर्ताओं ने झील में मत्स्यन कार्यकलापों को और अधिक बढ़ाने को रोकने और वर्तमान मत्स्यन प्रणाली को बनाए रखने की सिफारिश की है। अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि “झील के लिए अनुमानित अधिकतम टिकाऊपज (एम एस वाय) 11,760 टन है, जबकि झील से औसतन वार्षिक पकड़ 12,140 टन हो रही है। इससे यह पता चलता है कि औसत वार्षिक पकड़ एमएसवाई से अधिक हो गया है। इसलिए अधि मत्स्यन को रोकने के लिए मत्स्यन को कम से कम वर्तमान स्तर पर बनाए रखने की आवश्यकता है।”

-www.telegraphindia.com

गहरे समुद्र में मत्स्य पालन के लिए बंगाल पिंजर कृषि करेगा

जैसा कि नाम से ही पता चलता है गहरे समुद्र में मत्स्यपालन की एक नई पद्धति पिंजर कृषि जल्द ही बंगाल में शुरू की जाएगी। इस पद्धति में समुद्र के बीच में तैरने वाले बड़े बड़े अस्थायी पिंजरों के भीतर मछली को पाला जाता है।

इस प्रकार की मत्स्य कृषि नॉर्वे, थाईलैंड, जापान, फिलीपींस और कुछ अन्य देशों में सफलतापूर्वक प्रयोग में लाये जा रहे हैं। यह परियोजना प्राथमिक चरण में है। मंडरमानी तट से दो किलोमीटर दूर जी आई पाइप और नेटलॉन मेष से बने दो 4.5 मीटर व्यास के पिंजरों को स्थापित किया गया है। मछलियों को दिये जाने वाले खाद्य को समुद्री पक्षियों से बचाने के लिए पिंजरों को जाल से ढक दिया गया है। उसे स्थिर बनाए रखने के लिए पिंजर को बोयाओं के साथ बांध रखे हैं।

प्रत्येक पिंजर आठ से दस वर्षों तक चलने वाले हैं। पायलट परियोजना के लिए मत्स्य अंगुलों



के प्रजनन सितंबर में आरंभ किया जाएगा, जो छह महीने के भीतर सही आकार यानी 1 से 1.5 किलो तक बढ़ जायेगा। इन पिंजरों में अधिकतर भेटकी और पोम्फ्रेट को पाला जाएगा, क्योंकि इन मछलियों की बहुत अधिक मांग है और साथ ही साथ महंगी भी हैं। बड़ी संख्या में इस तरह के गहरे समुद्र कृषि से मछलियों के कीमतों में भी गिरावट आएगी। इसे झीलों और अंतर्देशीय हैचरियों पर दबाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है; खुले समुद्र में

किए जाने वाले कृषि से कोई पर्यावरणीय प्रभाव भी नहीं होता। वैज्ञानिक भी पिंजरों में मोती की कृषि करने की व्यवहार्यता पर शोध कर रहे हैं। राज्य में पश्चिम बंगाल पशु पालन एवं मत्स्य पालन विज्ञान विश्वविद्यालय इस परियोजना का प्रभारी है, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अगुवाई वाली अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना पर मृदा खेती का एक हिस्सा है। पांच अन्य राज्य भी इस परियोजना के भागीदार है।

-www.uniindia.com



AQUA MART

by WESTCOAST

Your Trusted Partner for Aquaculture Solutions

“ Improved Success through Advanced Technologies ”




SHRIMP & FISH SEED




XPERCOUNT 2




NURSERY TANKS




PE LINING




SHRIMP & FISH FEED




DO METERS




REFRACTOMETERS




SHRIMP HARVESTER

Re-seller enquiries solicited • E-mail: aquamart@westcoast.in

West Coast Fine Foods (India) Private Limited

1401-D, Lotus Corporate Park, Gram Path, Goregaon East, Mumbai 400063, Mobile: +91 7045112255 • Website: www.aquamartindia.in

Received at Seafood Expo Global, Brussels 2017

Shrimp

1. **Umair Bhamji**
Sales Manager
Cater Choice
Neville Road, Bradford
BD4 8TU England, UK
Tel: 1274301910
Mob: 07985 106 062
E-mail: umairbhamji@iscukltd.co.uk
Web: cater-choice.co.uk
*Shrimp- 6/8,8/12,
90/120, 100/200, 100/150*
2. **Adam Jones**
Business Development
Manager, Birmingham
Euro Foods Group
Heath Road, Wednesbury
WS10 8 XL
Tel: 44(0)121 568 3700
Mob: 4(0)7885 367 284
E-mail: ajones@eurofoods.co.uk
Web: eurofoods.co.uk
Shrimp
3. **Thierry Truilhier**
Inter Caraibes Seafood
Fresh & Frozen Seafood
Z.A. Galisbay, Marigot
97150 Saint martin, French
West Indies
Tel: 59 05 90 87 20 79
Mob: 59 06 90 07 03 04
Email: ic.seafood@wanadoor.fr
Shrimp
4. **Jian Lan BSc.**
Director
FRESHASIA FOODS
21 Hailey Road, Erith
KENT, DA18 4AA
Tel: 44(0)2083115756
Mob: 44(0)7913249598
E-mail: j.lan@freshasia.co.uk
Web: www.freshasia.co.uk
Shrimp
5. **Z Zheng**
Commodity Trading
Department Managing
Dalian Rich Enterprise
Group Co. Ltd.
Cotton Island Dalianwan
Town Ganjingzi
District Dalian,
China 116113
Tel: 86 411 87129966
86-13998627581
8641187129966
E-mail: zz@dlrichgroup.com
Web: www.richseafood.com
Headless Vannamei
6. **Hong Bin Zhang**
General Manager
Zhoushan Cereals Oils
& Foodstuffs Import &
Export Co. Ltd.
No.2 Wenhua road,
Zhoushan, Zhejiang,
China – 316000
Tel: 86(580) 8080058
Mob: 86 13505802345
E-mail: zcof@zscf.cn,
zcof@zscf.com,
Web: 13505802345@139.com
Red Shrimp (Sea Caught)
7. **Valeria Storchak**
RES FOOD
115201 Russia, Mascow,
1st Varshavskiy Proezd,
1A/9
Tel: 7(495)7822251 - 106
Mob: 7(962)367-77-34
7(926)711-92-64
E-mail: storchak@resfood.ru
Web: www.resfood.ru
*PD Vannamei 16/20
21/25, 26/30,31/40
41/50 PD & PDTO*
8. **Saleem Khandaker**
Managing Director
Sunrise Foods
519 Staniforth Road,
Sheffield S94RA
1142434705
Mob: 7515001664
E-mail: sunrisefoodsuk@gmail.com
*Shrimp - 8/12,6/8 UT Block IQF,
91/120, 100/200 Block IQF*
9. **Michael Hansen**
Vestey Foods UK Ltd.
Seafood Category Manager
29 Ullswater Crescent,
Coulsdon, Surrey CR5 2HR
UK
Tel: 44(0)20 8668 9344
Mob: 44(0) 7795 190972
E-mail: m.hansen@vestey.com
Web: www.vesteyfoods.com
Shrimp
10. **Kely Chen**
Sales Manager
Bestsource Foods Co. Ltd.
No.17, Intel Street,Fushan,
Yantai City, Shandong
Province, China
Mob: 86 13863899704
E-mail: kelly@bestsourcefoods.com,
kelyseafoods@163.com
Web: www.bestsource foods.com
Shrimp

FISH

1. **Mehdi Kellib Coo**
North Atlantic Pacific Seafood
State Fish Pier. Gloucester
Mass.01931.USA
Tel: 1.401.219.4458
E-mail: mehdi@fish4all.org
Web: www.fish4all.org
Grouper Fillets
2. **Sohail Firdous**
Managing Director
Seagold Mine Limited
Suite 21, Unimix House,
Abbey Road, London NW
10 7TR, UK
Tel: 44(0)7835 037657/
2035387667

Mob: 7538605413
E-mail: mail@seagoldmine.co.uk,
ali@seagoldmine.co.uk
Web: www.seagoldmine.co.uk
Snappers

3. Luis Guillermo Ortega O

Owner
M/s.Pesca de la Reina
Despacho,Edificio Atolon
98 Mercamadrid,
Madrid 28008, Spain
Tel:34 915154944
Mob: 34-639110685
E-mail:
gerencia@pescadelareina.com
Web: www.pescadelareina.com
Fresh Tuna, Sword Fish

4. Jihad Tazout

Purchasing Manager
Responsable Achats
VMM
Route El Jadida, Km 9
Z.I. Lissasfa, Route 1077
20190 Casablanca – maroc
Tel: 212 5 22 90 10 61
E-mail: i.tazout@vmm.co.ma
Web: www.star.co.ma
Tuna

5. J & B Wilde's

UK
Tel: 1612239823
E-mail: briangwilde@yahoo.co.uk
Ribbon fish & Yellow Croaker

6. Julio Orlan

Import/export, Business
Development
Mob: 972-54-3022376
1-913-6363478
598-99-635072
E-mail: Julioorlan@netgate.com.uy
Mackerel, Grouper

CEPHALOPODS

1. Dipl Eng Trifon Stefanov Prom Ltd.

26,"Bansko shose" Str.
8800 Silven, BULGARIA
Tel: 359 44 624933
Mob: 359 888 534340

Email: ekoprom_sliven@abv.bg,
trifon.ekoprom@abv.bg
*Bay Octopus whole or Cleaned
20/40*

2. Doris Lin

Lequality Life Co. Ltd.
No.99, Sec. 1,Guotai Rd.,
Fengshan Dist.Kaohsiung
City 830, Taiwan
Tel:886 7 743 8058 # 303
886 905 280996
Mob: 886-7745-6185
E-mail: bum.shng@msa.hinet.net
Web: www.lequality.com
Squid, Cuttlefish

3. Lakis Charalambous

Import Manager
D & A Charalambous
Frozen Foods Ltd.
Store & Warehouse,
68-70 N.Nikolaides Str.
8010, Paphos, Cyprus
Tel: 00357 99 534734,
00357 26 951156
00357 26 932746
E-mail:
d.a.charalambous@cytanet.com.cy
Web: www.dacfoods.com
Squid, Cuttlefish

4. Nana Papuashvili

Export Department
INALCA S.p.A.
via Spilamberto, 30/C
41014 Castelvetro (MO)
Italy
Tel: 39.059 5333280
Mob: 390595333285
E-mail: papuashvili@inalca.it
Web: www.inalca.it
Squid, Cuttlefish

MIXED ITEMS / OTHER

1. Thomas Jansson

Sales Manager
Jo Food Ab
Pirhus 1 Fishamnen 414 58
Goteborg, Sweden
Tel: 460 31 704 8490
Mob: 460 705 44 8490
E-mail:

thomas.jansson@jofood.se
Web: www.jofood.se
Canned Crab Meat

2. George M Antony

Business Development
Manager,
Maggi Foods Ltd.
A1 Aladdin Business
Center Greenford,
Middlesex, UB6 8UH
Tel: 2088134029
Mob: 7886110513
E-mail: georgecusat@gmail.com
Web: www.maggifoods.com
All kinds of seafood

3. Kannan Sivanathan

Joint Ventures Consultant
Business Connections
London
Tel: 44(0)2089330192/
7956392869
E-mail:
kannan@londonconnection.org
*Fresh Tuna, Sword fish, Red
Snapper, Squid, Cuttlefish*

4. Martin & Sons

Germany
E-mail:
mathu@martin-sons.com
All kinds of seafood

5. Horia Baciu

Key Account Manager
Mob: 731034748
E-mail: horia@minus22.ro
All kinds of seafood

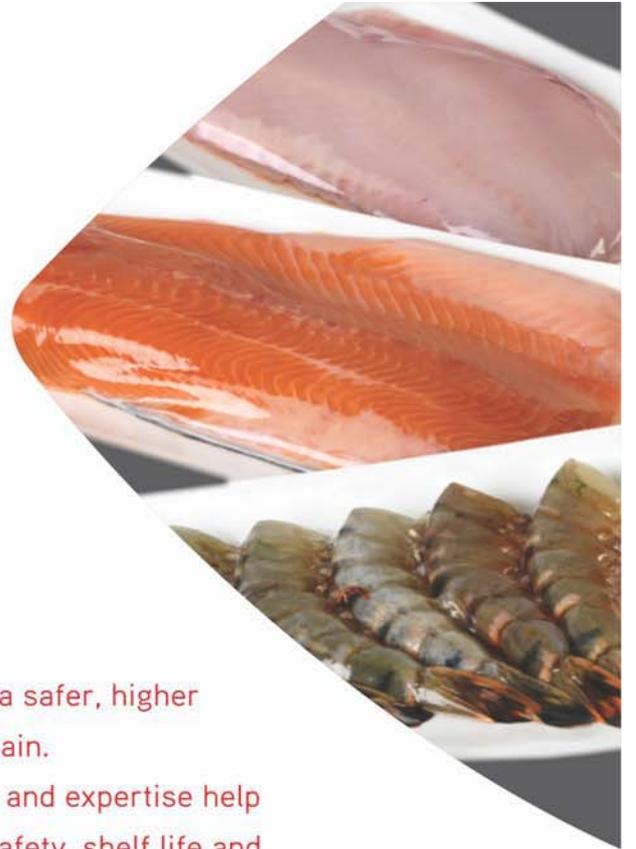
6. Simon Flechard

Flechard S A S
Laiterie Du Pont Morin
Z.I.61140 La Chapelle-d"
Andaine France
Tel: 33(0)2 33 30 36 37
Fax: 33(0)233384565
Mob: 33(0)621 20 88 90
E-mail: s.flechard@flechard.com,
contact@flechard.com
Web: www.flechard.com
All kinds of seafood

- 7. Li Honghui**
Director of Markets and Resources
Guangdong Gaozhou Boyang Aquatic Products Co. Ltd.
No.168 Golden Star Road
Gold Mountain Development Zone, Gaozhaou, Maoming, Guagdong, China
Tel: 1358009 6266
E-mail: 1444738759@qq.com
All kinds of seafood
- 8. Rose Peng**
Project Director
Fishex
Rm.3308-3309, Block e, Poly World Trade Center, No.1022 XinGang Easty Road, Haizhu, Dist.Guangzhou, China P C 510 308
Tel: 86-20-66339113
Mob: 8615018717199
E-mail:info@chinafishex.com
Web: chinafishex.com
All kinds of seafood
- 9. Haim A Vioz**
Managing Director
M/s. TIRAN Shipping (1997) Ltd.
44 Jaffa St.
P.O.B. 33196
Haifa 31331, ISRAEL
Tel: 972-4-8555770
Mob: 972-54-6718880
Email: havioz@tiran.co.il
Web: www.tiran.co.il
All kinds of seafood
- 10. Mani Sletten**
Proprietor
Commercial Director
M/s. Sletten Norge AS
Kongshvnveien 28, 0193 Oslo, Norway
Tel:47 22 08 36 50
Mob: 47 40 400 700
E-mail: mani@slettennorge.com
Web: www.slettennorge.com
Fish and Shrimp
- 11. Rintu Mathew**
Sales Manager,
Exhibitions & Events Management
Dubai World Trade Centre
P.O.BOX 9292,DUBAI,UAE
Tel: 971 4 308 6037
Mob: 971 55 547 5369
E-mail: rintu.mathew@dwtc.com
Web: www.dwtc.com
All kinds of seafood
- 12. Eric Yan**
JD Fresh BU Seafood Dept.
General Manager
5/F, Block A, No.18 Kechuang 11 Street, BDA, China
Tel: 1089129256
Mob: 13683500522
E-mail: yanqing@jd.com
All kinds of seafood
- 13. Jerome Deddouche**
Delicemer
Cipal S.A.S.- B.P.50-394
Rue de Flins - 78410 BOUAFLE
Tel: 01 30 90 46 15
Mob: 06 60 70 84 60
E-mail: jdeddouche@delicemer.fr
Web: www.delicemer.fr
Crab Meat
- 14. Dimas Noval Fernandez**
DELICRAB
Muelle Del Rendlello, S/N (El Musel)
33290 GUON (Asturias) Espana
Tel: 34 985 30 88 30
Mob: 34 616 71 65 35
E-mail: info@delicrab.es
Web: www.delicrab.es
Seafood, Crab
- 15. Jahed Ahmed**
JMCO Foods
67-69 Lozells Road,
Lozells, Birmingham B19 2TS. UK
Tel: 0121 551 0386
Mob: 07904 324 842
E-mail: info@jmcofoods.com
Web: www.jmcofoods.com
All kinds of seafood
- 16. Aslan Mamrezhepov**
General Director
Seafood Group LLP
461, Suynbaya ave., Almaty, RK
Mob: 7 702 221 21 12
E-mail: aslanmak@gmail.com
Web: www.seafoodgroup.kz
All kinds of seafood
- 17. Malcolm Large**
Head of International Trade & Regions.
Seafish
Seafish, 18 Logie Mill, Logie Green Road, Edinburgh EH7 4 HS
Tel:44(0)1772798924
Mob: 44(0)7876 035729
E-mail: malcoplm.large@seafish.co.uk
Web: www.seafish.org
All kinds of seafood
- 18. David Li**
Oriental Food Import & Export UG
Karlsbader Str. 12
40625 Dusseldorf
Tel: 0211-56 64 98 01
Mob: 0174-73 21 758
E-mail: orientalfood168@yahoo.com
Cuttlefish, Squid, Vannamei
- 19. Cristian Darmane Scu**
General Manager
Romfood Trading
Romania
E-mail: cristian.darmanescu@ramfood.yu
Shrimp- Wild Caught and farmed, Cuttlefish, Squid, Octopus Seafood Mix

- 20. Peter Ronnow Ph.D.**
Chief Science Officer
VITSAB International AB
Krossverksgatan 5H
216 16 Limhamn, Sweden
Tel: 46 40 555 472
Mob: 46 706 890 631
E-mail: peter.ronnow@vitsab.com
Web: www.vitsab.com
All kinds of seafood
- 21. Kimberly Lozada Aldamas**
Adex Asociacion De
Exportadores
Ejecutiva comercial Trade
Executive
Av.Javier Prado Este 2875
San Borja, Lima 41 – Peru
Tel: (511)618-3333
Anexo: 4204
Email: klozada@adexperu.org.pe
Web: www.adexperu.
All kinds of seafood
- 22. Per E Silsand**
Managing Director / CEO
Priority Cargo As
Strandliven 10
NO-1410 Kolbotn, Norway
Tel: 47 9760 0402
E-mail: per@prioritycargo.no
Web: www.prioritycarto.no
Fresh Tuna
- 23. Paolo Scarpa**
CEO
San Marco Ittica S R L
Ingrosso e Sede Legale:
Via Nicola Magri,7-Livorno
Tel: 0586 426119
Mob: 0039 344 3852448
E-mail: info@sanmarcoittica.com
*Squid, Cuttlefish, Shrimps,
Octopus*
- 24. M Dominique Praud**
Directeur Commercial
SEA PRO SAS
Les Petites Bazinieres
6 Rue Benjamin Franklin
85000 La Roche Sur Yon
France
Tel: 02 52 37 86 86
Mob: 06 29 50 11 40
E-mail: dominique@seaprosas.com
Website: www.seaprosas.com
Shrimps & Cephalopods
- 25. Gino Moorhamers**
Sales & Pricing coordinator
Americas
Hamburg Sud
Gramayestraat 4 (Bus 5)
B-2000 Antwerpen
Belgium
Tel: 32(0)3 201 19 72
Mob: 32(0)4 98 24 44 49
E-mail:
gino.moorhamers@hamburgsud.com
Web: www.hamburgsud-line.com
All kinds of seafood
- 26. Miyoung Ha**
Deputy General Manager
Exhibition Team 1,
Busan Exhibition &
Convention Center
55 APEC-ro,Haeundae-gu,
Busan, Korea 48060
Tel: 82 51 740 7450
Mob: 82 10 8517 3275,
82517403404
E-mail rainbee@bexco.co.kr
Web: www.bexco.co.kr
All kinds of seafood
- 27. Lezanah**
Web: www.rio-jo.com
Crab Meat
- 28. Jeroen Booten**
Otrac Belgium
Generaal de Wittelaan
9/15, 2800 Mechelen
Belgium
Tel: 32 15 28 48 13
Mob: 32 496 10 96 59
E-mail:
jeroen.booten@otrabc Belgium.be
All kinds of seafood
- 29. Moris Marwan Farkouh**
Managing Director
GFI Stockholm AB
Gransbovagen 4A, 152
42 Sodertalje, SWEDEN
Tel: 46(0)86186270
Mob: 46(0)70-795 27 42
E-mail: info@gardenfood.se,
moris@gardenfood.se
All kinds of seafood
- 30. Bogdan Shaldugin**
Comercial Manager
Exposolutions Group
Tel: 7(499)922-44-17
7(499)963-80-08
7(499) 963-81-91
Mob: 7(985)382-74-68
E-mail:
b.shaldugin@rusfishexpo.com
Web: www.rusfishexpo.ru
All kinds of seafood
- 31. Pham Thanh Bonh**
Vice General Director
Bao Quang Producing
&J Trading Co. Ltd.
No.45/52 to Ngoc Van
Tay Ho Hanai, Vietnam
Tel: 04 3772 3626
Mob: 903407869
E-mail: binhpham@baoquang.vn
Scampi, Squid
- 32. Na Na Xu**
Purchasing manager
Asia Mg Industrial Ltd
P.O.:066000 QinHuangdao
HeBei China
Tel: 0086-15076096588
Mob: 15076096588
E-mail: anvis66666@hotmail.com
Lobster, Sea White Shrimp
- 33. Fiorina Chen**
Purchasing Director
Hongkong Cloison
International Co. Ltd.
Unit A/3/f, Cheong Sun
Tower, Wing Lok Street,
Sheung Wan, Hong Kong

- Mob: 861 3583131373
E-mail: fiorina@hkcloison.com
All kinds of seafood
- 34. Egis Raudavicius**
RED WILL FROZEN FISH
Silutes pl.9, Klaipeda,
Luthuania
Mob: 370-698-34886
E-mail: info@demva.lt
Web: www.demva.lt
All kinds of seafood
- 35. Bruno Coimbra**
Administrador
Gialmar Productos
Alimentares, S.A.
Rua Vinha do Marques, 1
Apt 100 - Botulho
3461-909 Tondela
Tel: 232 819 220/9
Mob: 963 818 905
E-mail: gialmar@mail.telepac.pt
Web: www.gialmar.com
Cuttlefish, Pelagic fish
- 36. Dr. Yemi Oloruntuyi**
Head, Developing World
Programme
Marine Stewardship Council
Marine House, 1 Snow Hill,
London, EC1A2DH, UK
Tel: 44(0)20 7246 8930
44(0)20 7246 8900
Mob: 7436102843
E-mail: Yemi.Oloruntuyi@msc.org
Web: www.msc.org
All kinds of seafood
- 37. Dott Accurisio Vitello**
Concessionario Algida
Agrigento
Tel: 0922 441449
0922 441846
Mob: 331 4215429
E-mail: vegasri2016@gmail.com
All kinds of seafood
- 38. B BI Hidraoui**
PDG Seafood Trading Co.
Chaussee de Mons 228 -
1070 Bruxelles
Tel: 0032492 93 8416
- E-mail: benelux@frozenia.net
Web: www.frozenia.be
Fish, Shrimp, Squid
- 39. Ivy, Export Dept.**
Dalian Seaweed Organic
Seafood Co., Ltd
No.369 Jinqun Road,
Zhanquian Street,
JinZhou New Zone,
Dalian, China 116600
Tel: 86 411 8766 3955
Mob: 86 135 0495 2835
E-mail: kowa@kowafoods.com.cn
All kinds of seafood
- 40. Jason Jia, Sales Director**
Thai Fresh International
Co. Ltd.
Room 203, New Office
Building, No.6 Nanding
Road, Fengtai District,
Beijing, China
Mob: 66(0)9-1041-8804
E-mail: jasonts666@gmail.com
Web: www.goldenharvestcorp.net
All kinds of seafood
- 41. Vladimir Kim**
Dy. Purchasing Director
LLC MARR RUSSIA
5, Vostochnaya str.,
Odintsovo, Russia, 143000
7(495) 785 39 59 Ext.2207
7(926)340 00 00
E-mail: vkim@marr.ru
Web: www.marr.ru
All kinds of seafood
- 42. Julia Ferrer Montiel**
Purchase Manager,
Ferrer Aliments De
Confianza
Central a Vic Mas de Bigas
2, 08500 Vic Barcelona
Tel: 34 93 886 25 00
E-mail: jferrer@ferrer.cat
All kinds of seafood
- 43. Juan Carlos Solves**
Director Comercial
Peixos Mes FRED S.L.
- C. Longitudinal 6,
n 60, despacho n 3
08040 MERCABARNA
(BARCELONA)
Tel: 93 475 07 43
639 77 95 20
E-mail: jcsolves@mesfred.es
mesfred@mesfred.es
All kinds of seafood
- 44. ICS (UK) Ltd.**
Catering Suppliers
ICS Buildings, Neville Rd.,
Bradford, BD4 8TU
England, UK
Tel: 4(0) 1274 301910
Mob: 44(0)1274301911
Web: www.icsukltd.com
All kinds of seafood
- 45. Ing Gogh Michael**
Director-owner
Project Market
Kolarovo-Guta
Vychodna 11,
Slovak Republic
Tel: 00421 35 7771 214
Mob: 00421(0)905642312
E-mail: projectmarket@stonline.sk
Web: www.projectmarket.sk
All kinds of frozen seafood
- 46. Pasquale Prisco**
Area Sales Manager
Jeka Group Finest of
Seafood, Havnen 70,
DK-7620 Lemvig
Tel: 45 97 81 17 00
Mob: 45 22 24 83 95
E-mail: pp@jekagroup.com
All kinds of seafood
- 47. SCA Co. S R L**
Import-Export Prodotti
Ittici
Localita Grignella, 67
30014 Cavarzere (Ve)
Tel: 0426 501115
Fax: 0426 501091
E-mail: SCA.CO@LIBERO.IT
Tuna, Seafoods



Leading the way in food hygiene and packaging.

At Sealed Air Food Care, we improve access to a safer, higher quality and more sustainable sea food supply chain.

Our innovative packaging and hygiene solutions and expertise help build our customer's brands and improve food safety, shelf life and operational efficiency while reducing food waste.



FOOD SAFETY

Ensuring food safety is a top priority at Sealed Air, and our unique combination of Diversey™ hygiene and Cryovac® packaging solutions addresses food safety concerns throughout your entire process.



OPERATIONAL EFFICIENCY

With our total systems approach, we are able to view your entire business, and then optimize each section and create cost efficiencies that translate into increased sustainability and revenue.



SHELF LIFE EXTENSION

Creating quality shelf life is a crucial differentiator for running a successful process. We help you extend shelf life and reduce food waste through comprehensive hygienic procedures and innovative packaging systems.



BRAND BUILDING

All stakeholders in the value chain seek to strengthen their brands and grow customer loyalty. We help our clients stand out from an overwhelming number of choices in the marketplace.



Sealed Air India Pvt. Ltd.

501 5th Floor Ackruti Centre Point, MIDC Central Road, Andheri (E), Mumbai - 400 093, India
Phone: +91 22 66444222 • Fax: +91 22 66444223 • Toll Free Helpline: 1800 209 2095 • Email: foodcare.india@sealedair.com

PRAWN FEED



VANNAMEI FEED



BLACK TIGER SHRIMP FEED



BLACK TIGER SHRIMP FEED

AVANTI FEEDS LIMITED

In the business of quality Prawn feed and Prawn Exports
An ISO 9001: 2008 Certified Company

Aiding sustainability & reliability to Aquaculture



Shrimp Hatchery



Feed Plant - Gujarat



Prawn Feed & Fish Feed



Prawn Processing & Exports

INNOVATIVE - SCIENTIFICALLY FORMULATED - PROVEN

- GREATER APPETITE • HEALTHY & FASTER GROWTH
- LOW FCR WITH HIGHER RETURNS • FRIENDLY WATER QUALITY

AVANT AQUA HEALTH CARE PRODUCTS

AVANTI A.H.C.P. RANGE



IN COLLABORATION WITH:
THAI UNION FEEDMILL CO., LTD.,
Thailand.



Chelated Trace Mineral Supplement



Marine Mineral

Avant D-Flow

Water Quality Improver

Avant ProW

Soil & Water Probiotic

Avant Bact

Gut Probiotic

Avant Ammonia Absorb

Ammonia Absorber

Avant Life

Oxy-Generator

Avant Immupak

Immunity Enhancer

Corporate Office: **Avanti Feeds Limited**

G-2, Concord Apartments 6-3-658, Somajiguda, Hyderabad - 500 082, India.

Ph: 040-2331 0260 / 61 Fax: 040-2331 1604. Web: www.avantifeeds.com

Regd. Office: **Avanti Feeds Limited.**

H.No.: 3, Plot No.: 3, Baymount, Rushikonda, Visakhapatnam - 530 045, Andhra Pradesh.



Innovative safeguards against complex risk

At Integro, we understand the risks involved with Seafood. We are committed to simple solutions to complex risks through our expertise.

Protect yourself with bespoke Rejection/Transit Insurance solutions from Integro Insurance Brokers.

Contact us to experience our expertise:

Raja Chandnani

Phone: +44 20 74446320

Email: Raja.Chandnani@integrogrouk.com

www.Integrouk.com

INTEGRO / UK
INSURANCE BROKERS